देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

आदेश पारित करते समय नाम पदनाम लिखें पीठासीन अधिकारी - मण्डलायुक्त

गोण्डा। मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने मण्डल के सभी पीठासीन अधिकारियों को आदेश पारित करते समय अपना नाम और पदनाम अंकित करने का आदेश दिया है। मण्डलायुक्त ने बताया कि आदेश पारित करते समय पीठासीन अधिकारी का नाम एवं पदनाम नहीं अंकित किया जा रहा है उनके द्वारा मात्र हस्ताक्षर बनाया जा रहा है जो अत्यन्त ही खेदजनक है। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में पत्रक व आदेश के नीचे सम्बन्धित पीठासीन अधिकारी द्वारा अपना नाम एवं पदनाम स्पष्ट रूप से नहीं अंकित किया जायेगा तो सम्बन्धित पीठासीन अधिकारी के विरुद्ध आदेश की अवहेलना मानते हुए अनुशासनिक कार्यवाही प्रारम्भ की जायेगी।

गोण्डा शनिवार 07 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 50 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

रक्तदान के क्षेत्र में विभिन्न तकनीकी परिवर्तनों के साथ-साथ जनजागरूकता की आवश्यकता-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने इण्डियन सोसायटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन एण्ड इम्यूनोहिमैटोलॉजी की 48वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस 'ट्रांसकॉन-2023' का शुभारम्भ किया

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज ब्लड ट्रांसफ्यूजन और इम्यूनोहिमैटोलॉजी के क्षेत्र में बहुत परिवर्तन हुआ है। दशकों पूर्व एक यूनिट ब्लड केवल एक व्यक्ति के लिए उपयोगी बन पाता था। लेकिन ब्लड कम्पोनेंट सेपरेटर यूनिट लगने से आज एक यूनिट ब्लड कई लोगों की जान बचाने में उपयोगी हो रहा है। रक्तदान के क्षेत्र में विभिन्न तकनीकी परिवर्तनों के साथ-साथ जनजागरूकता की आवश्यकता है, ताकि ब्लड की कमी को दूर किया जा सके।

मुख्यमंत्री जी आज यहां इण्डियन सोसायटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन एण्ड इम्यूनोहिमैटोलॉजी (आई0एस0बी0टी0आई0) की 48वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस 'ट्रांसकॉन-2023' के शुभारम्भ कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने तीन दिवसीय 'ट्रांसकॉन-2023' में देश भर से आये सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रबन्धन, तकनीक व ज्ञान के परस्पर उपयोग से बेहतर परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं। इस प्रकार की कॉन्फ्रेंस ज्ञान व तकनीक के आदान-प्रदान तथा लोगों में जागरूकता पैदा करने का बेहतर माध्यम बनती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कॉन्फ्रेंस प्रदेश के लिए और ब्लड ट्रांसफ्यूजन के क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी विशेषज्ञों तथा इसके अन्य स्टेक होल्डर्स के लिए मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि देश में 1.5 करोड़ यूनिट ब्लड की डिमाण्ड है, तो आज भी 20-25 लाख यूनिट ब्लड की कमी दिखायी पड़ती है। क्योंकि लोगों में रक्तदान के लिए जागरूकता का अभाव है। रक्तदान जैसे पवित्र कार्य की जागरूकता के लिए गांव व स्कूलों में कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विश्वकर्मा जयन्ती व आधुनिक भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितम्बर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती 02 अक्टूबर, 2023 तक प्रदेश में सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया गया। हर जनपद में हर यूनिट के द्वारा ब्लड डोनेशन के वृहद कार्यक्रम आयोजित किये गये। सेवा पखवाड़ा के दौरान प्रदेश में 25,000 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया और इससे कई गुना लोगों ने अपने ब्लड ग्रुप की जांच कराकर वहां सुरक्षित रखवाया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करें। स्वैच्छिक रक्तदान के कार्य से स्कूल, कॉलेज, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक व धार्मिक संगठनों को जोड़ा जाए। समय-समय पर सेमिनार व अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जाएं। इससे हम ब्लड डेफिसिट को पूरा कर पाएंगे। साथ ही, यह ऑर्गन ट्रांसप्लांट की दिशा में एक नई शुरूआत होगी। ऑर्गन ट्रांसप्लांट के कार्य में ऑर्गन डोनेशन का अभाव आज भी देखने को मिलता है, क्योंकि लोगों में इस सम्बन्ध में जागरूकता की कमी है। ऑर्गन डोनेशन की दिशा में एक नये प्रयास की आवश्यकता है। दुर्घटना में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके परिजन उस व्यक्ति के ऑर्गन डोनेट करके अन्य व्यक्तियों की जान बचाने में मदद कर सकते हैं। हमारा देश महर्षि दधीचि के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव रखता है, क्योंकि महर्षि दधीचि ने सकारात्मक ताकतों को विजयी बनाने के लिए अपना बलिदान दिया था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है। वर्तमान में लगभग 25 करोड़ लोग उत्तर प्रदेश में निवास करते हैं। प्रदेशवासियों के लिए स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश और दुनिया में हो रहे नवाचारों को प्रदेश में लाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार प्रयासरत हैं। विभिन्न धर्मार्थ और सामाजिक संगठनों के प्रयासों तथा इस प्रकार की कॉन्फ्रेंस से ज्ञान और तकनीक के आदान-प्रदान

में सहायता मिलती है। कोरोना काल खण्ड में एक-एक व्यक्ति की जान बचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता थी।

आई0सी0यू0 बेड के संचालन के लिए स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोरोना काल खण्ड में एस0जी0पी0जी0आई0, के0जी0एम0यू0 जैसे संस्थानों के माध्यम से प्रदेश के सभी जनपदों में वर्चुअल आई0सी0यू0 का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि के0जी0एम0यू0 देश के सबसे बड़े व पुराने चिकित्सा संस्थानों में से एक है। के0जी0एम0यू0 लगभग 4,500 बेड्स संचालित करता है। के0जी0एम0यू0 के एक माह की ओ0पी0डी0 में जितने लोगों का इलाज होता है, उतनी तो दुनिया के कुछ देशों की आबादी है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा, के0जी0एम0यू0, लखनऊ की कुलपति प्रो0 सोनिया नित्यानन्द, के0जी0एम0यू0 के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ0 तूलिका चन्द्रा, आई0एस0बी0टी0आई0 के पदाधिकारीगण, ब्लड बैंकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञगण व शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जातीय जनगणना के आंकड़ों प्रकाशित करने पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

पटना (ईएमएस)। बिहार जातीय जनगणना के आंकड़ों प्रकाशित करने पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने मना किया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि हम राज्य सरकार को कोई नीतिगत निर्णय लेने से रोक नहीं सकते। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में विस्तृत सुनवाई की जाएगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को नोटिस जारी कर अगले साल जनवरी तक जवाब देने कहा है। न्यायमूर्ति संजय खन्ना और न्यायमूर्ति एस एन भट्टी ने पटना उच्च न्यायलाय के एक अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक औपचारिक नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने बिहार में जाति सर्वेक्षण की मंजूरी दी थी। शीर्ष न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं की उन आपत्तियों को खारिज कर दिया कि राज्य सरकार ने कुछ आंकड़ें प्रकाशित कर स्थगन आदेश की अवहेलना की और मांग की कि आंकड़ों को प्रकाशित किए जाने पर पूर्ण रोक लगाने का आदेश दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, ''हम अभी किसी चीज पर रोक नहीं लगा रहे हैं। हम राज्य सरकार या किसी भी सरकार को कोई नीतिगत निर्णय लेने से नहीं रोक सकते। यह गलत होगा...हम इस सर्वेक्षण को कराने के राज्य सरकार के अधिकार से संबंधित अन्य मुद्दे पर गौर करने को तैयार है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने कहा कि मामले में निजता का उल्लंघन हुआ और उच्च न्यायालय का आदेश गलत है। इस पर पीठ ने कहा कि चूंकि किसी भी व्यक्ति का नाम तथा अन्य पहचान प्रकाशित नहीं की गई है, तब निजता के उल्लंघन की दलील संभवत- सही नहीं है। न्यायालय ने कहा, ''अदालत के लिए विचार करने का इससे ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दा आंकड़ों का विवरण और जनता को इसकी उपलब्धता है।

ड्रग माफिया ललित पाटिल के भाई की फैक्ट्री पर छापा, डेढ़ सौ किग्रा MD ड्रग्स जब्त

नासिक, (ईएमएस)। महाराष्ट्र के नासिक शहर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर करोड़ों रुपये की ड्रग्स पुलिस ने जब्त की है। मुंबई पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री को ही नष्ट कर दिया है. इस ऑपरेशन के बाद एक बड़े ड्रग रैकेट के सामने आने की संभावना जताई जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले पुणे के ससून अस्पताल से ड्रग माफिया ललित पाटिल पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था. इसके बाद पुलिस नशे के खिलाफ ऑपरेशन को लेकर एक्शन मोड में आ गई है. इसी के मद्देनजर मुंबई की साकीनाका पुलिस ने नासिक शहर पुलिस सीमा क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर डेढ़ सौ किलोग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स जब्त किया है. बताया गया है कि श्री. गणेशाय इंडस्ट्रीज ड्रग्स का निर्माण कर रही थी। नासिक के शिंदे पलसे इलाके में ड्रग माफिया ललित पाटिल का भाई भूषण पाटिल इस ड्रग फैक्ट्री को चला रहा था। इसकी जानकारी मिलते ही मुंबई पुलिस ने कार्रवाई की और फैक्ट्री को ही नष्ट कर दिया. करीब तीन दिनों से चल रही इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने कर्मचारियों समेत कंपनी मालिक को हिरासत में ले लिया है.

पूरे मंडल में चलेगा अवैध अतिक्रमण हटाओ अभियान-मंडलायुक्त

- अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ होगी प्रभावी कार्रवाई
- अभियान चलाकर 15 दिन के अंदर हटाए अवैध अतिक्रमण

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। नजूल व राजकीय संपत्तियों पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों के खिलाफ प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। अवैध कब्जे को ढहाने के साथ-साथ कब्जा करने वाले के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को देवीपाटन मंडल के आयुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने जनपद गोंडा, बलरामपुर, बहराइच व श्रावस्ती के जिलाधिकारियों को पत्र के माध्यम से निर्देशित किया है कि वह अपने अपने जनपदों में नजूल, वक्फ संपत्ति, राजकीय आस्थान, चकमार्ग, खलिहान, तालाब आदि सार्वजनिक भूमि पर हुए अवैध कब्जों को अभियान चलाकर 15 दिन के अंदर अतिक्रमण मुक्त करायें। साथ ही अतिक्रमणकर्ताओ के विरुद्ध प्रभावी व कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को अभियान के उपरांत अपने-अपने जनपद में की गई कार्रवाई की आख्या भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने बताया कि नजूल भूमि एवं राजकीय संपत्तियों पर अवैध कब्जे को लेकर शासन के सर्वोच्च स्तर पर निरंतर गंभीर चिंता प्रकट की जा रही है। इसी क्रम में सभी जिलाधिकारी को निर्देश दिए गए हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट के जजों पर नाराज हो गए सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ बॉम्बे हाईकोर्ट के जजों पर शुक्रवार को भड़क उठे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश का कोई भी हाईकोर्ट दो सप्ताह के बाद वकीलों और वादकारियों को हाइब्रिड मोड के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंस या सुनवाई की पहुंच से इनकार नहीं कर सकता है। यह कहते हुए कि प्रौद्योगिकी अब न्यायाधीशों के लिए पसंद का मामला नहीं है, भारत के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि यदि आप न्यायाधीश बनना चाहते हैं, तब आपको तकनीक के अनुकूल होना होगा।

सर्वेश माथुर बनाम पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के मामले में हो रही सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने देखा कि बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम पटेल के अलावा हाई कोर्ट के एक या दो जज ही नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे थे। इसपर सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश जारी किए कि हाइब्रिड मोड को भंग न किया जाए। पीठ ने कहा कि हम केंद्रीय आईटी

मंत्रालय को ऑनलाइन सुनवाई तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों की अदालतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने का निर्देश देते हैं। इसने उच्च न्यायालयों को चार सप्ताह के भीतर हाइब्रिड या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुनवाई तक पहुंच प्राप्त करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू करने का भी निर्देश दिया।

यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाइब्रिड सुनवाई जारी रखने के संबंध में केंद्र सरकार और सभी 25 उच्च न्यायालयों से जवाब मांगने के लगभग तीन सप्ताह बाद आया है। शीर्ष अदालत की पीठ ने अधिकारियों को कार्यवाही संचालित करने के लिए वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा की स्थिति के बारे में सूचित करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था।

निवेश से संबंधित लंबित प्रकरण का तत्काल निस्तारित करें अधिकारी-नेहा शर्मा

डीएम ने किया एमओयू के क्रियान्वयन हेतु निवेशकों की बैठक

निज संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एमओयू के क्रियान्वयन हेतु निवेशकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्लोबल इंवेस्टर समिट के अन्तर्गत निवेश सारथी पोर्टल के माध्यम से गोंडा जनपद में विभिन्न निवेशकों द्वारा निवेश के पर अपने निवेश के संबंध में इंटेंट भरे गये थे तथा वह निवेशक गोंडा जनपद में निवेश को विस्तार देने का प्रयास किया जा रहा है।

जनपद में उद्योग के महत्त्व को देखते हुए जिला उद्योग केंद्र, गोंडा, इन्वेस्ट यूपी आद्योगिक एवं अवस्थापना विभाग उत्तर प्रदेश शासन तथा जिला प्रशासन गोंडा के सौजन्य से जनपद की ज़िलाधिकारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक निवेशकों की बैठक का आयोजन किया गया, जो सिर्फ़ उद्यमियों की समस्याओं और उनके निवारण पर केंद्रित समीक्षा की गई।

बैठक में यह भी उल्लेखनीय है की इस बैठक में उद्यमियों/निवेशकों की समस्याओं को सुना गया, और उसके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये। बैठक में चारों तहसील के अन्य सभी संबंधित विभागों जैसे पर्यटन, दुग्धशाला विकास, सहकारिता, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, तकनीकी शिक्षा तथा चिकित्सा शिक्षा के विभागीय अधिकारी एवं अग्रणी ज़िला प्रबंधक और अन्य बैंकर्स उपस्थित रहे।

जनपद के निवेश की स्थिति निम्नवत् है

कुल प्राप्त एमओयू -142

कुल प्रस्तावित निवेश-2,434.24 करोड़

कुल प्रस्तावित रोज़गार - 11202

कुल विभाग -10

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि निवेश से संबंधित यदि किसी विभाग में प्रकरण लंबित है तो उसे तत्काल प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करके निवेश को बढ़ावा देने में सहयोग करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी एम. अरुन्मोली, अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रश्मि वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट चंद्रशेखर, जिला उद्योग अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, बैंकर्स विभाग, विद्युत विभाग, सहायक पर्यटन अधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान के लिए करें नामांकन

गोण्डा। वित्तीय वर्ष 2023-24 में उप्र गौरव सम्मान के लिए नामांकन उपलब्ध कराए जाने के संबंध में संस्कृति निदेशालय ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

उत्तर प्रदेश के ऐसे ख्यातिलब्ध महानुभाव जिन्होंने विभिन्न विधाओं एवं कार्य क्षेत्रों जैसे कला एवं संस्कृति, कृषि, उद्यमिता, कौशल विकास, विज्ञान व प्रौद्योगिकी, साहित्य, शिक्षा, खेल, समाजसेवा, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, ग्राम विकास आदि में अपने व्यक्तिगत प्रयासों से उत्कृष्टता के आयाम स्थापित करते हुए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरव हासिल किया है।

इन लोगों को उप्र गौरव सम्मान से अलंकृत किया जाना है।

जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए 31 तक होंगे आवेदन

गोण्डा। जवाहर नवोदय विद्यालय मनकापुर गोण्डा में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 9वीं व 11वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर तक बढ़ाई गई है। इच्छुक विद्यार्थी 31 तक आवेदन कर सकते हैं। विद्यालय की प्राचार्य सुमेधा पाण्डेय ने बताया कि डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू एनएवीओडीएवाईए डॉट एनआईसी डॉट इन पोर्टल पर आनलाईन आवेदन किया जा सकता है। सत्र 2023 - 24 में आठवीं में अध्यनरत छात्र कक्षा 9 के लिए एवं दसवीं में अध्यनरत छात्र कक्षा 11 के लिए आवेदन कर सकते हैं। विद्यालय स्तर पर कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा।

यूपी सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ का चुनाव हुआ सम्पन्न

कपिल सिंह अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में आज मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ का चुनाव वर्ष-2023 सम्पन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष पद के लिए कपिल सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए, मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ चुनाव में पहली बार अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित होकर कपिल सिंह ने रचा इतिहास।

अन्य पदों पर निर्वाचित हुए पदाधिकारी-

उपाध्यक्ष - निखिल मिश्रा एवं राजेश कुमार यादव निर्वाचित हुए, महामंत्री - राजकुमार निर्वाचित हुए, संयुक्त मंत्री - राजेश भारती, कोषाध्यक्ष - सलीम अंसारी, अम्बुज शुक्ला संगठन मंत्री. प्रणव शुक्ला प्रचार मंत्री, हरि प्रसाद नैथानी ऑडिटर के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। संघ के कार्यकारिणी सदस्य के पद पर राजा भारती, रवि कुमार, पंकज कुमार यादव, आशीष कुमार, उमेश कुमार एवं बृज मोहन पाण्डेय निर्विरोध निर्वाचित हुए।

डीएम ने समस्त एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार तथा पेशकारों के साथ की आवश्यक बैठक

पांच साल से अधिक लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर अधिक से अधिक करें निस्तारित- जिलाधिकारी

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने जनपद के समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार, समस्त नायब तहसीलदार तथा पेशकरों की एक आवश्यक बैठक की। बैठक में सभी तहसीलों के कोर्ट में पांच साल पुराने लंबित वादों की समीक्षा तहसीलवार सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी लोग अपने-अपने तहसीलों में लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षकों के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा प्रतिदिन की जाए तथा कोर्ट में लंबित वादों के निस्तारण को प्राथमिकता के आधार पर अधिक से अधिक निस्तारित करना सुनिश्चित करें।

बैठक में उन्होंने पांच साल से पुराने वाद धारा 34, धारा 24, नामांतरण, धारा 24/41 पैमाइश धारा 33 वरासत, उत्तराधिकार, धारा 116 कुर्रा बटवारा आदि सभी वादों की गहन समीक्षा की, तथा सभी संबंधित

अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि अगले 15 दिनों के बाद सभी के निस्तारण की समीक्षा की जायेगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि आप सभी लोग अपने कोर्ट में प्रतिदिन बैठकर अधिक से अधिक वादों की सुनवाई करके नियमानुसार निस्तारण करें, इसमें यदि किसी के स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। वहीं बैठक में जिलाधिकारी ने सभी कोर्ट के पेशकारों को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिए हैं कि अधिक से अधिक वादों का नियमानुसार निस्तारण करके समय से उसकी फीडिंग करना सुनिश्चित करें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वहीं बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने तहसील के सभी अधिकारियों से आइजीआरएस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त ऑनलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पूरी गुणवत्ता के साथ समय से निस्तारित करें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाय।

बैठक में अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी, मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश, उप जिलाधिकारी गोंडा सदर, तरबगंज, मनकापुर तथा करनैलगंज सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अवैध कच्ची शराब की छापेमारी में 450 किलो महुआ व 03 अभियोग पंजीकृत किया गया

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देशानुसार शुक्रवार को आबकारी निरीक्षकों द्वारा जनपद के मजरेठिया, नयनजोत, भावजीतपुर, जैतपुर माझा व भुल भूलिया आदि ग्रामों में दबिश दी गई। दबिश के दौरान 37 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद किया गया व 450 किलो लीटर महुआ लहन नष्ट किया गया। अवैध छापेमारी के दौरान आबकारी अधिनियम की धारा 60 के अन्तर्गत तीन अभियोग पंजीकृत किया गया।

इसके साथ ही उन्होंने बताया है कि जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देशानुसार जनपद में अवैध कच्ची शराब की छापेमारी निरन्तर चल रहा है, जनपद में अवैध कच्ची शराब के कारोबारियों को बक्सा नहीं जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

भुगतान न होने पर दी तालाबंदी की चेतावनी

देहरादून। जेसीबी मालिकों ने पूर्व में किए गए कार्यों के भुगतान की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। बताया कि अब तक एक साल पुराने कार्यों का भुगतान नहीं किया गया है। जेसीबी मालिकों ने 10 अक्तूबर तक भुगतान न होने पर 13 को लोक निर्माण कार्यालय में तालाबंदी की चेतावनी दी है। एक दर्जन जेसीबी मालिक तहसील स्थित एसडीएम कार्यालय पहुंचे। एसडीएम की अनुपस्थिति में अधिकारियों को उनके नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि बीते साल वर्षाकाल के दौरान लोक निर्माण विभाग ने 1 जून से 15 अक्तूबर तक मलबा आने से बाधित मोटर मार्गों को खोलने के लिए अनुबंध किया था। उनकी ओर से अनुबंध की पूरी समयावधि के दौरान सुचारू रूप से कार्य किया गया, लेकिन अब अधिकारी बजट के अभाव की बात कहकर कार्यों के भुगतान में टालमटोल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भुगतान न होने से सभी जेसीबी मालिक आर्थिक रूप से परेशान हैं। ज्ञापन देने वालों में अतर सिंह, गंभीर सिंह, इंद्र सिंह, कृपाल राणा, खुशीराम, यशपाल ठाकुर, भूमि आदि मौजूद शामिल रहे।

बदहाल डाकपत्थर रोड की मरम्मत की दरकार, सीएम से लगाई गुहार

देहरादून। डाकपत्थर रोड बदहाल स्थिति में है। इस कारण लोगों को आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। न्यू हिंदू समाज संगठन ने सीएम से सड़क की मरम्मत की मांग की है। संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुशील कुक्की ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर की शिकायत में बताया कि डाकपत्थर तिराहा से लेकर पुल नंबर एक तक करीब एक किमी सड़क जर्जर स्थिति में है। कई साल से सड़क का डामरीकरण नहीं हुआ है। इस कारण जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। इस समस्या को लेकर कई बार लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से पत्राचार किया जा चुका है, लेकिन विभाग सुध लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि सड़क से रोजाना सैकड़ों की संख्या में वाहन गुजरते हैं। सड़क परियोजना क्षेत्र डाकपत्थर के साथ ही ग्राम पंचायत नवाबगढ़ को मुख्य बाजार से जोड़ती है। ग्राम पंचायत नवाबगढ़ के प्रधान प्रतिनिधि जाबिर मलिक का कहना है कि बरसात खत्म होने के बाद विभागीय अधिकारियों ने सड़क की मरम्मत की बात कही थी, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सड़क के किनारे सिंचाई विभाग की गूल भी क्षतिग्रस्त है। जिसका पानी अक्सर सड़क पर आ जाता है।

मालिश के बहाने उतरवाई अंगूठी लेकर आरोपी फरार

देहरादून। प्रेमनगर के जनरल विंग में एक दुकानदार से हाथ-पांव की मालिश के बहाने बदमाश ने दो अंगूठी उतरवाई और इन्हें लेकर फरार हो गया। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी प्रेमनगर पीडी भट्ट ने बताया कि हरबंस लाल अरोड़ा निवासी 14/8 जनरल विंग प्रेमनगर की घर के साथ ही दुकान है। एक व्यक्ति उसकी दुकान में आया और हाथ-पांव की मालिश करने के लिए कहा। मालिश करते हुए उसने हाथ से दो अंगूठी उतरवा दीं। इन्हें दुकानदार ने दुकान में रख दिया। मालिश के बाद उसने दुकानदार को हाथ धोने के लिए कहा। जब पीड़ित हाथ धोने के बाद वापस आया तो आरोपी दोनों अंगूठी लेकर बिना नंबर की बाइक से फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

एसवीएम इंटर कॉलेज ढालीपुर बना ओवरऑल चैंपियन

देहरादून। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बाबूगढ़ में चल रही विकासनगर विकासखंड की तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का समापन हो गया। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ढालीपुर ओवरऑल चैंपियन रहा। महर्षि अरविंद घोष इंटर कॉलेज डाकपत्थर दूसरे और आशाराम वैदिक इंटर कॉलेज विकासनगर तीसरे स्थान पर रहा। सहसपुर विकासखंड में चल रही विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता में श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज भाऊवाला ओवरऑल चैंपियन बना। जीआईसी सेलाकुईं दूसरे और श्री गुरु नानक बालिका इंटर कॉलेज प्रेमनगर तीसरे स्थान पर रहा। नीरज और वर्षा, शिवम यादव और आंचल अपने अपने वर्ग में व्यक्तिगत चैंपियन रहे। बतौर मुख्य अतिथि भाजयुमो के जिलाध्यक्ष संजय तोमर ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। प्रधानाचार्य दमयंती पंदरियाल, ग्राम प्रधान रमा थापा, प्रवक्ता नरेश टम्टा, योगेश सकलानी मौजूद रहे। चकराता विकासखंड की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में जीआईसी क्वांसी ओवरऑल चैंपियन रहा। कैंट इंटर कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा।

प्रेम यादव के परिवार से मिले सपाई

देवरिया। फतेहपुर सामूहिक हत्याकांड के चौथे दिन बृहस्पतिवार को कई सपा नेता अभयपुरा जाकर मृतक पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव के परिवार से मिले। उन्होंने मृतक की पत्नी और बच्चों को ढांढस बंधाया और सरकार से मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। सपा के नेता प्रेम के परिवार से मिलने के बाद घटना स्थल लेहड़ा स्थित दूसरे पक्ष के घर पर भी गए। सुबह 11 बजे सपा नेता, पूर्व मंत्री रामभुआल निषाद, प्रदीप यादव अभयपुर पहुंच कर प्रेम यादव की पत्नी और उनके बच्चों से शोक संवेदना प्रकट किए। वह सत्यप्रकाश दुबे के घर पर भी गए। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। घटना के पीछे पुलिस प्रशासन की लापरवाही साफ दिख रही है। मामले में निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। दिन में एक बजे सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव, अवनीश यादव, सिकंदर यादव, रामवृक्ष राजभ, रामकेवल यादव अभयपुर पहुंच कर प्रेम यादव की पत्नी शीला से मिलकर संवेदना व्यक्त किए।

पारिवारिक कलह से ऊबकर फांसी के फंदे पर झूला युवक

चंदौली। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बहादुरपुर गांव के रहने वाले 25 वर्षीय मंगल कन्नौजिया ने बृहस्पतिवार को पारिवारिक कलह से ऊबकर घर के एक कमरे में पंखे के सहारे फांसी के फंदे पर झूल गया। घटना के बाद परिजनों के शोर मचाने पर आसपास के लोगों एकत्र हो गये। लोगों ने कमरे का दरवाजा तोड़कर उसे फंदे से नीचे उतारा। इस दौरान उसकी सांसे चलती देख परिवार वाले उसे स्थानीय चिकित्सालय ले गये, जहां डाक्टरों ने हालात गंभीर देख उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया, जहा उसका इलाज चल रहा है। मंगल ऑटो चलाता है।

बड़ौदा यूपी बैंक की शाखाओं पर लटकते रहे ताले

पीडीडीयू नगर। बड़ौदा यूपी बैंक की सभी नौ यूनियनों के संयुक्त मोर्चा के आह्वान चंदौली क्षेत्र की सभी शाखाओं के कर्मचारी मंगलवार को हड़ताल पर रहे। इससे बैंक की सभी शाखाओं पर कामकाज ठप रहा। इससे करोड़ों रुपए का लेनदेन प्रभावित हुआ। बैंक कर्मियों के संयुक्त फोरम द्वारा सुबह हड़ताल शुरू हुआ। चंदौली क्षेत्र की सभी 47 शाखाओं पर ताले लटकते रहे। बैंक पहुंचे खाता धारकों को वापस लौटना पड़ा। बैंक कर्मियों द्वारा प्रवर्तक बैंक से नियुक्त प्रबंधन की दमनकारी नीतियों, कार्मिकों के शोषण, शाखों को बंद करने के प्रयास तथा नई भर्तियां न करने के विरोध में सभी अधिकारी एवं कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय अलीनगर पर एकत्र हुए और प्रबंधन के विरोध में नारे लगाए। संगठन के पदाधिकारियों सुधीर कुमार, दीपक पांडे, अविनाश चंद, समीर सिंह आदि ने कार्मिकों को संबोधित किया। कर्मचारियों से आवाहन किया गया कि यदि अभी भी प्रबंधन द्वारा दमनकारी कार्य प्रणाली बंद नहीं की गई और को कुप्रबंधन करते हुए शाखाओं को बंद करने का प्रयास किया गया तो संघर्ष चलता रहेगा। इसके पश्चात संगठन द्वारा क्षेत्रीय प्रबंधक प्रमोद कुमार सिंह को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन करने वालों में सभी शाखाओं के कर्मचारी शामिल रहे।

जमीन के लिए पूर्व विधायक के बेटों में रार, एक ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

देवरिया। बरहज के पूर्व विधायक रहे रामप्रसाद जायसवाल के बड़े बेटे श्यामसुंदर व छोटे मुरली मनोहर जायसवाल के बीच ईडी द्वारा जब्त की गई संपत्ति को लेकर रार बढ़ गया है। इस मामले में छोटे बेटे व सपा नेता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। जिसमें बड़े भाई पर जबरदस्ती संपत्ति पर कब्जा और निर्माण कराने का आरोप लगाया है। उसने आशंका जाहिर की है कि कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है। मुख्यमंत्री को दिए पत्रक में मुरली मनोहर ने कहा है कि जमीन-जायदाद में तीनों भाईयों का बराबर का हक है। 2013 में ईडी ने पूरी संपत्ति सीज कर दिए जाने और कानूनी लड़ाई के कारण किसी भी प्रकार का बंटवारा नहीं हो सका है। उन्होंने कहा है कि बड़े भाई मनमाने तरीके से संयुक्त संपत्ति पर निर्माण कार्य करा रहे हैं। जिसका किसी भी प्रकार का नक्शा पास नहीं कराया गया है। बड़े भाई द्वारा अवैध तरीके से हो रहे निर्माण कार्य को लेकर वह भयभीत हैं। उन्होंने प्रशासन से निर्माण कार्य रोकवाने की मांग की है। मुरली मनोहर जायसवाल बताया कि हमने जिलाधिकारी को भी शिकायती पत्र दिया है और आईजीआरएस पर भी शिकायत की है।

देवरिया हत्याकांड- बुलडोजर तो चलेगा मगर कानूनी पेच दूर करके

देवरिया। सत्यप्रकाश दुबे समेत एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या में 27 नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। इनमें से मुख्य आरोपी पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव का तीन मंजिला मकान खलिहान, सरकारी स्कूल और वन विभाग के जमीन में बना है। देवरिया सामूहिक हत्याकांड में आरोपियों के खिलाफ प्रशासन ने अपना बुलडोजर फिलहाल पीछे हटा लिया है। ऐसा कानूनी पेच की वजह से किया गया है। अब आरोपियों को नोटिस देने के बाद प्रशासन का बुलडोजर चलेगा।

जांच में पता चला है कि फतेहपुर गांव के लेहड़ा टोला में सत्यप्रकाश दुबे और उनके परिवार के चार अन्य लोगों की हत्या में नामजद प्रेम यादव समेत 10 आरोपियों ने सरकारी जमीन कब्जा कर रखा है। गांव के अभयपुर टोले में राजस्व विभाग की नाप-जोख के बाद यह जानकारी सामने आई। बुधवार सुबह प्रशासन की ओर से कार्रवाई के लिए बुलडोजर गांव के बाहर पहुंच भी गया, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

दरअसल, प्रशासन पूरी तैयारी और प्रक्रिया के साथ कार्रवाई करना चाहता है ताकि इसपर कोई सवाल न उठे। साथ ही बाद में इसको लेकर कोई कानूनी पेच भी न रहे। इसलिए प्रशासन, आरोपियों को धारा 67 के तहत नोटिस देने के बाद जमीनों को खाली कराने के लिए बुलडोजर चलाने की तैयारी में है। इसके लिए मुनादी भी कराई जाएगी।

मामले की जांच में पता चला कि पुलिस और राजस्वकर्मियों से सांठगांठ कर प्रेम और उसके साथियों ने सरकारी जमीनों पर कब्जे को रोकने के लिए बनाए गए एंटी भू-माफिया सेल की धज्जियां उड़ा दीं। लंबे समय से ग्रामीण सरकारी जमीनों पर कब्जे की शिकायत कर रहे थे, लेकिन पुलिस या राजस्वकर्मियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। सामूहिक हत्याकांड के बाद पूरे मामले की गहनता से जांच हुई तो फतेहपुर गांव के अभयपुर टोले में सरकारी जमीनों पर कब्जे की स्थिति देखकर अधिकारियों के होश उड़ गए। घटना के बाद इलाके के राजस्व निरीक्षक और लेखपाल की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। सत्यप्रकाश दुबे समेत एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या में 27 नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। इनमें से मुख्य आरोपी पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव का तीन मंजिला मकान खलिहान, सरकारी स्कूल और वन विभाग के जमीन में बना है।

वहीं, अन्य आरोपी रामजी यादव, रामभवन यादव, गोरख यादव, परमहंस यादव, देवानंद यादव, श्याम यादव, जयनरायण यादव, अभिषेक यादव का भी ग्राम सभा के खलिहान और सरकारी भूमि पर कब्जा है। तहसीलदार केशव प्रसाद ने कहा कि अवैध कब्जेदारों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है।

नगर की समस्याओं को लेकर सीएम से मिले चेयरमैन प्रतिनिधि

देवरिया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने बृहस्पतिवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर नगर की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने नगर की सड़कों का चौड़ीकरण कर सुंदरीकरण कराने की मांग की। इस दौरान उन्होंने फतेहपुर नरसंहार के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। चेयरमैन प्रतिनिधि छोटेलाल निगम ने बताया कि नगर में सड़कों का चौड़ीकरण नहीं होने से जाम की समस्या बनी रहती है। बस स्टेशन से इमामबाड़ा, खजुहा होते हुए आदर्श चौराहे तक जाम लगता है। मुख्य बाजार से जामुनी चौराहा होते हुए गोला तक सड़क संकरी हो गई है। इन सड़कों का चौड़ीकरण करा कर बीच में डिवाइडर लगाया जाएगा। दुग्धेश्वरनाथ मंदिर पर कारीडोर बनाते हुए मंदिर मार्ग पर के सुंदरीकरण मंगाने की मांग की गई। नगर के कई वार्डों में जल निकासी को दूर कराने के लिए सीएम ने आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री से बस परिसर के जलभराव की समस्या दूर करने की मांग की गई।

मसूरी से दिखने लगा विंटर लाइन का अद्भुत नजारा

देहरादून। मौसम साफ होते ही मसूरी में विंटर लाइन का खूबसूरत नजारा दिखने लगा है। माल रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों से विंटर लाइन दिखने से पर्यटक खासे उत्साहित हैं। विंटर लाइन के खूबसूरत नजारे को कैमरे में कैद कर रहे हैं।

मसूरी में इस सीजन में पहली बार विंटर लाइन का खूबसूरत नजारा दिखा। माल रोड, लालटिब्बा, विंसेंट हिल, राधा भवन सहित कई जगह से विंटर लाइन का नजारा देखने के लिए पर्यटक उत्साहित नजर आए। मसूरी निवासी पवन लखेड़ा ने बताया कि सीजन में पहली बार विंटर लाइन दिखाई दी है। बताया कि आमतौर पर विंटर लाइन नवंबर से फरवरी तक दिखाती है, लेकिन इस बार विंटर लाइन के समय से पहले दीदार हो गए हैं। इसकी वजह मौसम साफ होना है। हरियाणा से आए सैलानी जगविंदर सिंह ने कहा कि उनको पहली बार विंटर लाइन के खूबसूरत दीदार हुआ। विंटर लाइन देखकर मन प्रफुल्लित हो गया और मसूरी की उनकी यात्रा का उद्देश्य पूरा हो गया।

विंटर लाइन की खूबसूरती को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। मसूरी में सूर्यास्त के बाद पश्चिम दिशा में आसमान में एक अनोखा नजारा दिखाई होता है। जिसमें आसमान में एक अद्भुत नजारा उभरता है, मानो कुदरत जादू बिखेर रही हो। लाल, नारंगी इस रंगीन रेखा को जो भी देखता है इसी को विंटर लाइन कहते हैं। विंटर लाइन का खूबसूरत नजारा दुनिया में कुछ ही जगहों पर ही दिखाई देती है जिसमें मसूरी भी शामिल है। - मनोज रयाल, शिक्षाविद्

मसूरी की माल रोड सहित कई स्थानों पर विंटर लाइन व्यू प्वाइंट प्रस्तावित हैं, जिस पर तेजी से कार्य किया जाएगा। विंटर लाइन के प्रचार-प्रसार के लिए भी पालिका अपने स्तर से काम करेगी। विंटर सीजन में विंटर लाइन पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने, इसके लिए काम किया जाएगा। - अनुज गुप्ता, अध्यक्ष नगर पालिका

भूमि विवाद की भरमार, कैसे निपटाएंगे सरकार

देवरिया। जिला मुख्यालय से लेकर गांव तक भूमि विवाद की भरमार है। इसके कारण आए दिन विवाद उत्पन्न हो रहे हैं। समाधान दिवस पर भी राजस्व के मामले नहीं निपट रहे हैं। पुलिस ऐसे मामलों में खास रूचि नहीं दिखाती है। इसके कारण ही खूनी संघर्ष हो रहे हैं। लापरवाह राजस्व व पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई होने से अफसर भी सकते में आ गए हैं, क्योंकि अब उनकी बहानेबाजी नहीं चलेगी। उन्हें हर हाल में 48 घंटे के भीतर पैमाइश कर मामले का निस्तारण करना होगा। समाधान दिवस और थाना दिवस पर राजस्व के मामले सबसे अधिक लंबित रह जाते हैं। इतना ही नहीं राजस्व वाद के निस्तारण में भी सुस्ती रहती है।

तारीख पर तारीख लड़ते-लड़ते लोगों की पीढ़ी बीत जाती है, इसके बाद भी फैसला नहीं होता है। यहां तक कि आईजीआरएस पर भी शिकायतों का निस्तारण फरियादियों के हिसाब से नहीं होता है। कई बार मामला समाप्त आ चुका है कि निस्तारण कर दिया गया, लेकिन मौके पर नहीं हुआ। विभागीय आंकड़ों पर गौर किया जाए तो जनवरी 2023 से करीब 550 मामले लंबित पड़े हुए हैं। इनमें करीब 255 मामले राजस्व के हैं, जो अभी लंबित पड़े हुए हैं। जिसका निस्तारण नहीं हो सका है।

सपा नेता पर जमीन कब्जा करने का आरोप

देवरिया। रुद्रपुर कोतवाली के जोकहां खास निवासी रमायन तिवारी ने एक सपा नेता पर भूमि पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्रक और आन लाइन शिकायत कर बताया है कि धारा 24 के तहत पैमाइश कराने का आदेश हुआ है, लेकिन कानूनगो, लेखपाल को सूचना दी गई। पर वह नहीं किए। इस दौरान एक बार सपा नेता ने अपने लोगों के साथ आकर सभी को भगा दिया।

वह जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं, जिससे पूरा परिवार डरा और सहमा हुआ है। उन्होंने मांग किया है कि पैमाइश कराकर कब्जा, दखल दिलाई जाए।

36 दुकानों से दो लाख का एक्सपायरी खाद्य पदार्थ किया बरामद

भदोही। त्योहारी सीजन को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सक्रियता बढ़ गई है। खाद्य विभाग की टीम ने मंगलवार को गोपीगंज, जंगीगंज, औराई, सुभाषनगर, चौरी, भदोही नगर में 36 प्रतिष्ठानों में छापा मारकर लगभग दो लाख की एक्सपायरी खाद्य सामाग्री को बरामद किया। अधिकारियों ने दुकानदारों को हिदायत दी और एक्सपायरी खाद्य पदार्थ को नष्ट कराया। आगामी दिनों में नवरात्र, दीवाली और दशहरा आदि त्योहारों के मद्देनजर बाजारों में नकली व मिलावटी खाद्य सामग्री की बिक्री शुरू हो गई है। सूचना पर खाद्य विभाग की टीम ने गोपीगंज, जंगीगंज, औराई, सुभाषनगर, चौरी, भदोही की लगभग तीन दर्जन दुकानों में दबिश दी। यहां हाजमोला, रेडीमेड बर्फी, पैकेट बंद नमकीन, चिप्स, फूटी आदि खाद्य सामग्री एक्सपायरी पाई गई। अधिकारियों ने दुकानदारों को सख्त हिदायत दी और एक्सपायरी खाद्य पदार्थों को नष्ट करा दिया। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय चंदन पांडेय ने बताया कि त्योहारी सीजन को देखते हुए सचल टीमें गठित की गई हैं।

रामायण सिटी बसाना भूल गया बीडीए... नहीं खोजा पाया 25 एकड़ जमीन

बस्ती। बस्ती विकास प्राधिकरण (बीडीए) का रामायण सिटी के नाम से अपना शहर बसाने का सपना अधूरा रह गया है। इसके लिए जरूरी 25 एकड़ जमीन की तलाश एक साल में भी नहीं की जा सकी है। अब तो रामायण सिटी बसाने का प्रस्ताव ही बीडीए भूल चुका है। क्योंकि जमीन तलाशने के लिए कोई सुगबुगाहट ही नहीं है। शासन की प्रदेश के सभी प्राधिकरण क्षेत्र में रामायण सिटी बसाने की योजना है। इसके लिए कम से कम 25 एकड़ भूमि अनिवार्य किया गया है। बस्ती में प्राधिकरण के 151 वर्ग किमी के दायरे में रामायण सिटी के नाम से हाईटेक शहरी संरचना तैयार होनी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए बीडीए को अब तक भूमि ही नहीं उपलब्ध हो सकी है। बीडीए की परिधि में आने वाले नगर पालिका समेत 217 गांवों में इतने बड़े भू-भाग की न तो सरकारी जमीन मिल पा रही है और न ही काश्तकारों की। कुछ किसानों से जमीन खरीदने की पहल हुई तो जरूरत के मुताबिक क्षेत्रफल नहीं पूरा हो सका। इस सिटी को बसाने के लिए भूमि अधिग्रहण का प्रावधान नहीं है। यह योजना बीडीए स्तर से तलाश कर उपलब्ध कराए गए जमीन पर निर्भर है। ऐसा होता रामायण सिटी

रामायण सिटी बिल्कुल नए पैटर्न पर तैयार किया जाना है। आधुनिक डिजाइन की बहुमंजिली इमारतों के साथ इसका लंबा-चौड़ा परिसर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस रखा जाएगा। इसमें बाजार, आवासीय सुविधा के साथ प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र का पूरा दर्शन मिलेगा। रामायण सिटी में प्रभु राम, माता सीता और उनके भाई भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न, माता कौशल्या, पिता चक्रवर्ती सम्राट राजा दशरथ, हनुमान और रामकथा के अन्य पात्रों के स्मृतियों को संजोते हुए कॉलोनियां, शॉपिंग माल, सड़कें, पार्क, नौका बिहार, झूला, मल्टी कॉम्प्लेक्स, पेट्रोल पंप आदि विकसित किए जाने हैं। जिस क्षेत्र में यह सिटी विकसित होगी वह विकास की दृष्टि से पुराने शहर से कहीं आगे होगा। मगर, बस्ती में शासन की यह मंशा साकार होती नजर नहीं आ रही है। इन जगहों पर हुई जमीन की तलाश

शहर से करीब आठ किमी दूर रामपुर में बनाए गए महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज के इर्दगिर्द बीडीए की ओर से जमीन की तलाश की जा रही थी। एक काश्तकार से बातचीत भी हुई, लेकिन संबंधित के पास केवल दस एकड़ भूमि ही उपलब्ध थी। अगल-बगल के काश्तकारों ने भूमि देने से मना कर दिया। इसके अलावा टीबी अस्पताल से दो किमी दूर सोनबरसा गांव में भी रामायण सिटी के लिए जमीन खोजी गई। यहां बीडीए ने किसानों को साझेदार बनाने का भी प्रलोभन दिया।

बावजूद इसके बात नहीं बन पाई। फुटहिया के पास कुछ काश्तकार जमीन देने के लिए राजी हुए तो यह मानक के विपरीत निकला। कुआनो नदी का दियारा होने के नाते यहां जमीन की सतह काफी नीचे है। शासन के निर्देश के मुताबिक समतल जमीन पर ही यह सिटी बसाई जानी है।

पशुओं की बीमारी के बारे में किया गया जागरूक

देवरिया। सलेमपुर ब्लॉक के जमुई गांव के पंचायत भवन पर बृहस्पतिवार को भारतीय किसान युवा मोर्चा की तरफ से कैंप लगाया गया। इसमें पशुओं में हो रही बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। सलेमपुर पशु अस्पताल के चिकित्सक डॉ. एनके मिश्रा ने कहा कि लोग पशुओं में हो रहे बीमारी के प्रति सचेत रहे।

अगर कोई भी पशु को समस्या आए तो तत्काल नजदीकी पशु केंद्र पर जाकर चिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि पशुओं की बीमारी के प्रति लोग उदासीन रहते हैं। ऐसे में बीमारी और बढ़ जाती है। पशुओं में होने वाली बीमारी के रोकथाम के लिए दवा वितरित किया गया है। इस दौरान भारतीय किसान युवा मोर्चा के राणा सिंह सैथवार, फार्मासिस्ट अशोक यादव, संदीप यादव, अरुण कुमार गुप्ता, धर्मेंद्र शर्मा, आदि मौजूद रहे।

125 ने नहीं बनवाया पीएम आवास, जारी होगी आरसी

भदोही। केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना में की गई धांधली पर शिकंजा कसने लगा है। परियोजना निदेशक ने 125 लाभार्थियों की सूची ब्लॉकों से मंगा ली है। अब उनसे वसूली के लिए आरसी भेजने की तैयारी शुरू हो गई है। पहली किस्त के रूप में 40-40 हजार रुपये जारी होने के बाद भी आवास का निर्माण शुरू नहीं कराया। इन पर करीब सवा करोड़ रुपये से अधिक की वसूली है। गरीबों को आशियाना उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार ने करीब छह साल पूर्व प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू की थी। जिले में यह योजना अधिकारियों की लापरवाही की भेंट चढ़ चुकी है। वित्तीय वर्ष 2016-17 से अब तक 45 हजार से अधिक आवासों का आवंटन किया जा चुका है। करीब छह वर्षों में ज्ञानपुर, भदोही, डीघ, सुरियावां, अभोली और औराई ब्लॉक में 250 आवास पूर्ण नहीं हो सके हैं। वर्ष 2021 और 2022 में प्रशासनिक सख्ती के बाद करीब 125 लाभार्थियों ने पहली किस्त की रकम वापस कर दी लेकिन अब भी 125 ने वापस नहीं की है। परियोजना निदेशक आदित्य कुमार ने बताया कि ब्लॉकों से रिपोर्ट मंगा ली गई है। जल्द ही उच्चाधिकारियों से अनुमति लेकर आरसी भेजी जाएगी। बताते चलें कि नियमानुसार चयनित लाभार्थियों को प्रति आवास के निर्माण के लिए एक लाख 20 हजार रुपये उपलब्ध कराए जाते हैं। इसमें पहली किस्त 40 हजार और दूसरी 70 हजार रुपये की होती है। उसके बाद छत ढलने पर 10 हजार भेजा जाता है। मनरेगा और शौचालय के अलग से पैसे मिलते हैं।

उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान के लिए 10 नवंबर तक आवेदन

भदोही। कला-खेल, समाज कल्याण सहित अन्य क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वालों को सरकार उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान देगी। इसके लिए जिले के लोगों से आवेदन मांगे गए हैं। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बताया कि संस्कृति निदेशालय की ओर से यह सम्मान दिया जाएगा। संगीत/लोक संगीत (गायन, वादन, नृत्य)/ललित कलाएं/नाट्य विधाएं/फिल्म व मीडिया, समाजसेवा, समाज कल्याण, युवा कल्याण, महिला कल्याण एवं दिव्यांग कल्याण, कृषि, उद्यान, दुग्ध विकास, गोसेवा, पशुपालन, वन एवं वन्यजीव तथा पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता, कौशल विकास, रोजगार सृजन, स्वावलंबन, सहित शिक्षा, साहित्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल आदि क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान करने वाले महानुभाव इस सम्मान के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस सम्मान के पात्र को 11 लाख रुपये, अंगवस्त्र व प्रतीक चिह्न दिए जाएंगे।

माधोसिंह कंटेनर डिपो: कभी होता था करोड़ों का व्यापार, आज पड़ा बेकार

भदोही। औराई में माधोसिंह के पास 100 करोड़ रुपये की लागत से बना कंटेनर डिपो वीरान पड़ा हुआ है। कालीन निर्माताओं की सुविधा और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाए गए इस कंटेनर डिपो से कभी रोजाना करोड़ों का निर्यात किया जाता था, लेकिन अचानक बंद होने से अब यह शोपीस बनकर रह गया है। निर्यातक काफी लंबे समय से इसे फिर से चालू करने की मांग कर रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के माधोसिंह स्टेशन यार्ड में करीब 100 करोड़ से बनकर तैयार कानकोर कंटेनर डिपो को मिर्जापुर-भदोही के कालीन और चुनार की चमकीली मिट्टी के बर्तन संबंधी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया था। एक जमाने में जिले के विश्व विख्यात कालीन, मिर्जापुर से पीतल, चुनार की मिट्टी से बने बर्तन के व्यापार के लिए मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, जौनपुर, प्रयागराज, कानपुर तक के व्यापारी यहां आते थे। इससे कंटेनर डिपो से करोड़ों का निर्यात होता था। समय के साथ रेलवे प्रशासन न तो कंटेनर डिपो की ओर ध्यान दे पा रहा है और न माधोसिंह-चिल्ह रेल खंड की खाली पड़ी जमीनों का संरक्षण कर पा रहा है। इस समय परिसर में न तो रैक दिखती है और न ही लोडिंग होने वाले सामान। डिपो का बंद गेट, परिसर के खखरखाव आदि के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कानकोर कंटेनर निगम दिल्ली अरशद खान ने बताया कि सामानों की उपलब्धता न होने के कारण माधोसिंह का कंटेनर डिपो बंद हुआ था। औद्योगिक घराने सामान की उपलब्धता कराएं तो आगे का निर्णय लिया जा सकता है।

अस्पताल में कमीशनखोरी का खेल, दो-दो पर्चुयों पर दवा लिख रहे चिकित्सक

भदोही। महाराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय में इन दिनों जमकर कमीशनखोरी का खेल चल रहा है। शासन से लेकर जिला प्रशासन के आदेश के बाद भी जिम्मेदार चिकित्सक मरीजों को बाहर की दवा लिख रहे हैं। इससे मरीजों के जेब ढीली हो रही है। जिला चिकित्सालय में हर दिन एक हजार से 1200 मरीजों की ओपीडी होती है। इसके अलावा तकरीबन 2500 के आसपास लैब में जांच की जाती है। वहीं 50-60 की संख्या में इमरजेंसी की ओपीडी होती है।

मरीजों को बेहतर उपचार के लिए 18 चिकित्सक तैनात हैं, लेकिन यहां सबसे बड़ा खेल कमीशनखोरी का चलता है। दूरदराज से दवा लेने पहुंचे मरीजों को कमीशन के चक्कर में बाहर की दवा लिखी जाती है। बीते दिनों जिले के दौरे पर आए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने स्पष्ट रूप से बाहर की दवा न लिखने की हिदायत दी थी। इसके अलावा समय-समय पर जिलाधिकारी की ओर से भी बाहर की दवा न लिखने को लेकर हिदायत दी गई। बीते दिनों तो राज्यमंत्री ने बाहर की दवा लिखने पर चिकित्सक पर 5 हजार का जुर्माना भी लगाया था।

फिर भी जिला चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों की कार्यप्रणाली में कोई सुधार नहीं हुआ। टीम ने बृहस्पतिवार को पड़ताल किया तो अस्पताल में कमीशनखोरी का नया खेल सामने आया। मरीज जब चिकित्सक के पास पहुंचता है तो उसके पास सिर्फ ओपीडी की पर्ची होती है लेकिन ओपीडी से बाहर निकलते ही उसके हाथ में दो पर्चियां होती हैं।

शव चौराहे पर रखकर जाम लगाने वालों के खिलाफ मुकदमा

गाजियाबाद। हादसे में मौत के बाद क्षेत्र के दौलतपुर स्थित चौराहे पर शव को रखकर ने जाम लगाने वालों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। मामले में पुलिस ने पांच नामजद और करीब 120 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कस्बा दौलतपुर कलां निवासी व्यक्ति भोला की बस की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिसके बाद परिजनों ने कस्बे में स्थित एक चौराहे पर उसके शव को रखकर जाम लगा दिया था। पुलिस के द्वारा लोगों को समझा-बुझाकर जाम को खुलवा दिया गया। एसपी सिटी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि जाम लगाने वाले नामजद आरोपी प्रमोद, जयसिंह, राजेश, राकेश, नरेश सहित 100-120 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

बुखार से तीन और लोगों ने तोड़ा दम

भदोही। जिले में बुखार का प्रकोप नहीं थम रहा है। हर रोज लोग दम तोड़ रहे हैं। बृहस्पतिवार को 24 घंटे के अंदर बुखार से पीड़ित तीन और लोगों की मौत हो गई। कई गांवों को बुखार ने चपेट में ले रखा है। सरकारी और निजी अस्पतालों में बुखार के मरीजों की भरमार है। जिला अस्पताल की ओपीडी में भी बृहस्पतिवार को 367 बुखार के मरीज पहुंचे।

खानपुर क्षेत्र के गांव नगला मायापुर निवासी 30 वर्षीय प्रिया को पिछले एक सप्ताह से बुखार आ रहा था। पति संजू ने बताया कि शुरुआत में गांव के ही एक झोलाछाप से इलाज करवाया। तीन दिन पहले हालत बिगड़ने पर खानपुर पीएचसी लेकर गए। वहां चिकित्सक ने मिलने पर स्याना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बुधवार सुबह चिकित्सक ने मेरठ रेफर कर दिया। मेरठ के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान बृहस्पतिवार सुबह प्रिया ने दम तोड़ दिया। प्रिया के परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गांव में 50 से अधिक लोग बुखार से पीड़ित चल रहे हैं। ऊंचागांव क्षेत्र के गांव पाली आनंदगढ़ी निवासी 22 वर्षीय शिवम रघुवंशी को पांच दिन से बुखार था। शिवम के पिता सुरेंद्रपाल सिंह ने बताया कि उसका उपचार जहांगीराबाद के एक अस्पताल में चल रहा था। हालत बिगड़ने पर बुलंदशहर नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सक ने जांच में डेंगू बताया था। बुधवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। गांव ख्याना खुर्द निवासी 57 वर्षीय छत्रपाल को भी जहांगीराबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्लेटलेट्स कम होने पर परिजन मेरठ के मेडिकल कॉलेज ले गए। पुत्र चमन राना ने बताया कि बुधवार को उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

पीतमपुर गांव में 100 से अधिक बीमार ऊंचागांव क्षेत्र के गांव पीतमपुर में जलभराव व गंदगी होने के चलते संक्रमण फैल रहा है। ग्रामीण धर्मवीर व बीरपाल ने बताया कि गांव में हर घर में बुखार के मरीज हैं। पुष्पा देवी ने बताया कि गांव में बीमारी फैलने के बाद भी ग्राम प्रधान बचाव के लिए कोई उपाय नहीं कर रहा है। ग्राम प्रधान रश्मि शर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायत में तीन गांव हैं। सफाई कर्मचारी की दो-दो दिन की ड्यूटी लगाई जाती है। इस कारण सफाई में दिक्कत आ रही है। गांव में नियमित सफाई और छिड़काव की व्यवस्था की जाएगी। सीएमओ डॉ. विनय कुमार सिंह ने बताया कि पीतमपुर गांव समेत बुखार से जूझ रहे अन्य गांवों में भी टीम को भेजा जाएगा।

कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है जीवित्पुत्रिका पर्व

भदोही। सनातन शास्त्रों में निहित है कि जितिया करने वाले व्रती के संतान की रक्षा स्वयं भगवान श्रीकृष्ण करते हैं। नवविवाहित महिलाएं पुत्र प्राप्ति हेतु जीवित्पुत्रिका व्रत रखती हैं। जिले में जितिया व्रत को लेकर महिलाओं ने तैयारियां शुरू कर दी है। महिलाएं बाजारों में खरीदारी करने के साथ ही व्रत की तैयारियों में जुटी हैं। सनातन धर्म में जीवित्पुत्रिका पर्व का विशेष महत्व है। इस व्रत को करने से संतान की आयु लंबी होती है। इस वर्ष 24 घंटे तक अनवरत निर्जला उपवास रखती हैं। इस व्रत के पुण्य प्रताप से व्रती के बच्चे तेजस्वी ओजस्वी और मेधावी होते हैं।

सनातन पंचांग के अनुसार इस बार छह अक्तूबर यानि की शुक्रवार को जीवित्पुत्रिका व्रत है। पूर्वांचल की महिलाएं इसे जितिया भी कहती हैं। यह पर्व हर वर्ष आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन विवाहित स्त्रियां व्रत रखती हैं। इस व्रत के पुण्य प्रताप से संतान दीर्घायु होता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि जितिया करने वाले व्रती के संतान की रक्षा स्वयं भगवान श्रीकृष्ण करते हैं। जिले में जितिया व्रत को लेकर महिलाओं ने तैयारियां शुरू कर दी है। महिलाएं बाजारों में खरीदारी करने के साथ ही व्रत की तैयारियों में जुटी हैं। 24 घंटे तक निर्जला उपवास का यह कठिन व्रत महिलाएं अपने संतान की लंबी और आरोग्य पूर्ण आयु के लिए रखती हैं। आचार्य शरद पांडेय ने बताया कि संदिग्ध व्रतों पवास तथा पर्व निर्णय के अनुसार जीवित्पुत्रिका व्रत शुक्रवार को ही होगा। महिलाएं सात अक्तूबर 10 बजकर 29 मिनट के बाद व्रत का पारण कर सकेंगी। बताया कि शुक्रवार को नौ बजकर 25 मिनट के बाद पूजन का शुभ मुहूर्त है। बताया कि यह व्रत महिलाओं के लिए एक कठिन तपस्या की तरह होती है।

क्या है मान्यता

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महाभारत युद्ध के दौरान अश्वथामा ने पिता की मौत से नाराज होकर पांच लोगों को पांडव समझकर मार डाला। यह सभी द्रौपदी की पांच संतानें थीं। जिसपर अर्जुन अश्वथामा को बंदी बनाकर उनकी दिव्य मणि छिन ली। जिस पर अश्वत्थामा ने अभिमन्यु की पत्नी के गर्भ में पल रहे बच्चे को मार डाला। जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने पुण्य प्रताप के बल पर अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा की अजन्मी संतान को देकर उनके गर्भ में पल रहे बच्चे को पुनः जीवित किया। भगवान श्रीकृष्ण के आशीर्वाद से उत्पन्न बच्चे नाम जीवित्पुत्रिका रखा गया। आगे चलकर यही राजा परीक्षित के नाम से प्रचलित हुए। तभी से इस व्रत को माताएं संतान की लंबी आयु के लिए रखती हैं।

बेटी को पटरी पर खड़ा कर महिला नहर में कूदी, बचाई जान

एटा। कोतवाली देहात क्षेत्र स्थित कमसान पुल पर बृहस्पतिवार की शाम एक महिला बेटी को नहर की पटरी पर खड़ा कर नहर में कूद गई। स्थानीय गोताखोरों ने महिला को बाहर निकाला और पुलिस को खबर दी। पुलिस ने परिजन को बुलाकर महिला उनके सुपुर्द कर दी। गृह कलह में आत्महत्या का प्रयास करने की बात महिला की ओर से कही गई है। थाना जलेसर क्षेत्र के गांव अकबरपुर निवासी श्याम सुंदर की पत्नी प्रियंका अपनी 11 साल की बेटी सिमरन के साथ बृहस्पतिवार की शाम करीब 5 बजे कमसान नहर पुल पर पहुंची। यहां पर बेटी को नहर किनारे पटरी पर खड़ा कर दिया और खुद नहर में कूद गई। इसके बाद बेटी ने चीख-पुकार मचाई तो आस-पास के लोग एकत्रित हो गए। नहर के पास रहने वाले गोताखोर जुगेंद्र सिंह ने छलांग लगाकर महिला को बाहर निकाला। किसी तरह से महिला की जान बचाई जा सकी। थाना प्रभारी शंभूनाथ सिंह ने बताया कि महिला का पति पुना में प्राइवेट नौकरी करता है। एक माह पहले ही पुना गया है। महिला ने पूछताछ में गृह कलह बताया है। उसका आरोप है कि पति के जाने के बाद ससुरालीजन प्रताड़ित करने लगे।

संक्षिप्त समाचार

पिस्टल से केक काटने का वीडियो वायरल, दो हिरासत में

बस्ती। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के एक युवक द्वारा फेसबुक पर जन्मदिन पर पिस्टल से केक काटने का वीडियो वायरल किया। सोशल मीडिया पर वीडियो होते ही हरकत में आई पुलिस ने पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कोतवाल सदानन्द सिंह वीडियो वायरल करने वाले दो युवकों को हिरासत में लेकर मामले की छानबीन में लगे है। कोतवाल सदानन्द सिंह ने बताया कि दोनों युवक वायरल वीडियो को इंस्टाग्राम से लेकर अपने-अपने फेसबुक पर अपलोड किए है, मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

हाईवे पर सड़क पार कर रहे व्यक्ति की ट्रक की चपेट में आने से दर्दनाक मौत, परिजनों में कोहराम

भदोही । अल सुबह लगभग छह बजे नवधन गांव निवासी अलाउद्दीन उर्फ नंदू (45) राष्ट्रीय राजमार्ग को पार कर दक्षिणी लेन की तरफ जा रहा था। इस बीच उसके सामने तेज रफ्तार ट्रक आता दिखाई दिया। वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार गुरुवार की अल सुबह लगभग छह बजे नवधन गांव निवासी अलाउद्दीन उर्फ नंदू (45) राष्ट्रीय राजमार्ग को पार कर दक्षिणी लेन की तरफ जा रहा था। इस बीच उसके सामने तेज रफ्तार ट्रक आता दिखाई दिया। ट्रक को देख उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन तब तक ट्रक की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दूसरी तरफ अलाउद्दीन के मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक को एक पुत्र व एक पुत्री हैं। पत्नी अरसाना बानो बेसुध हो गई हैं। घटना के बाद ट्रक भागने में सफल हो गया। मृतक के भाई कलाउद्दीन उर्फ चंदू ने अज्ञात ट्रक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया।

बंटवारे के विवाद में घर में घुसकर किया जानलेवा हमला

गाजियाबाद । बंटवारे के विवाद में परिवार के लोगों ने गांव बूचा नगर निवासी दुर्गेश सिंह पर जानलेवा हमला करते हुए उसकी हत्या की कोशिश की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्गेश सिंह ने बताया कि वह एक गरीब किसान है। बंटवारे को लेकर परिवार के अन्य लोग आए दिन उसके साथ लड़ाई झगड़ा करते रहते हैं। एक अक्तूबर की रात में करीब दस बजे अजीत, रविंद्रपाल, कुमरेश हाथों में लाठी, डंडे, धारदार हथियार लेकर घर में घुस आए और उसके साथ मारपीट करते हुए लहूलुहान कर दिया। रस्सी से उसका गला घोंटकर हत्या की कोशिश की। शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों के पहुंचे पड़ोसियों ने उक्त लोगों से उसकी जान बचाई। उक्त सभी लोग बंटवारा नहीं करने पर भविष्य में जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। थाना प्रभारी अजीत सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

डेढ़ करोड़ की लागत से नगर में होगा सड़कों का निर्माण

बुलंदशहर। डेढ़ करोड़ की लागत से नगर में इंटरलॉकिंग सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। निर्माण कार्य के लिए पालिका ने टेंडर जारी कर दिए हैं। सड़कों का निर्माण होने से परेशानी से जूझ रहे नगरवासियों को राहत मिलेगी। चेयरमैन डॉ. प्रदीप दीक्षित ने बताया कि 15वें वित्त आयोग से पालिका को नगर में सड़कों के निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में करीब डेढ़ करोड़ की धनराशि आवंटित की है। जिससे खस्ताहाल पुराना जीटी रोड का कुछ भाग, पालिका के सामने सीसी रोड का शेष, एसडीएम कॉलोनी में दो रोड, छावियावाड़ा के तीन रोड, सिरोधन रोड पर स्थित मोहल्ले के तीन रोड आदि में सीसी रोड, इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य शामिल है। सभी निर्माण कार्यों के लिए टेंडर जारी कर दिए गए है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिए जाएंगे।

जिंदा दिखाने के लिए सुरेंद्र ने ऐसे पैसे निकाले... मारने से पहले मोनिका से की थी मारपीट

बुलंदशहर। पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आई है कि आरोपी सुरेंद्र ने मोनिका के एटीएम कार्ड से दो हजार रुपये निकाले थे। सुरेंद्र ने पैसे इसलिए निकाले, ताकि मोनिका के परिजनों को लगे कि वह जिंदा है। दिल्ली पुलिस की पूर्व सिपाही व यूपी पुलिस की सब-इंस्पेक्टर (एसआई) मोनिका यादव की हत्या करने से पहले आरोपी सुरेंद्र सिंह राणा ने उससे मारपीट की थी। शाम को उसने मोनिका को अलीपुर ले जाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आई है कि आरोपी सुरेंद्र ने मोनिका के एटीएम कार्ड से दो हजार रुपये निकाले थे। सुरेंद्र ने पैसे इसलिए निकाले, ताकि मोनिका के परिजनों को लगे कि वह जिंदा है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोरोना काल के बाद मोनिका दो सितंबर 2021 को दिल्ली वापस आई थी। उसे मुखर्जी नगर में पीजी सुरेंद्र ने ही दिलवाया था। सुरेंद्र चाहता था कि मोनिका उसकी हर बात माने, लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं थी। वह सुरेंद्र से छुटकारा पाना चाहती थी। ऐसे में सुरेंद्र को लगा कि वह उसकी सहायता कर रहा है और मोनिका उसकी सुन नहीं रही। इस बात पर दोनों में पीजी में झगड़ा हुआ था। यहां सुरेंद्र ने मोनिका के साथ मारपीट की थी। इसके बाद उसने शाम को मोनिका को अलीपुर ले जाकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस अभी मोनिका के फोन को बरामद नहीं कर सकी है। ऐसे में पुलिस आरोपी से लगातार पूछताछ कर मोनिका के मोबाइल की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

अल्ट्रासाउंड के लिए मिल रही तारीख पर तारीख

चंदौली। पं. कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय में मरीजों को अल्ट्रासाउंड के लिए डेढ़ माह की तारीख मिल रही है। अल्ट्रासाउंड मशीन की एक दिन की क्षमता 40 अल्ट्रासाउंड की है और रोजाना 200 अल्ट्रासाउंड कराने वाले मरीज आ रहे हैं। ऐसे में इमरजेंसी को छोड़कर सभी को तारीख मिल रही है। स्वास्थ्य विभाग के माने तो मशीन की क्षमता कम और चिकित्सक का न्यायालय जाने से यह परेशानी आ रही है। मौसम में परिवर्तन से बीमारियां बढ़ी हैं। जिला चिकित्सालय में 1200 मरीज ओपीडी में इलाज कराने आ रहे हैं। इसमें लगभग 200 से अधिक मरीजों को चिकित्सकों द्वारा अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी जा रही है, लेकिन जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की मशीन एक ही होने के कारण मात्र 40 मरीज का ही चिकित्सक की ओर से किया जा रहा है। जब मरीज अल्ट्रासाउंड कक्ष जा रहे हैं तो वहां उन्हें तारीख मिल रही है। बृहस्पतिवार को अल्ट्रासाउंड के लिए पहुंचे मरीजों को 15 नवंबर व 16 नवंबर की तारीख दी गई। मरीज तारीख लेकर घर लौट जा रहे हैं।

यूपीसीए अंडर-23 के ट्रायल में 44 खिलाड़ियों ने की दावेदारी

देवरिया। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन अंडर-23 का ट्रायल बृहस्पतिवार को रजला रोड स्थित खेल मैदान पर आयोजित हुआ। इसमें 44 खिलाड़ियों ने खेल में अपने हुनर का प्रदर्शन किया। देवरिया क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में पहले यह ट्रायल रवींद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में होना था। हालांकि बारिश के चलते स्टेडियम गीला होने के चलते बाद में यह रजला रोड स्थित देवरिया क्रिकेट एकेडमी के ग्राउंड पर संपन्न हुआ। इसमें जनपद से 55 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था। जिसमें से 44 खिलाड़ियों ने ट्रायल में प्रतिभाग किया। चयनकर्ता के रूप में आए आईसीसी लेवल-1 से मान्यता प्राप्त तथा वर्तमान में आईपीएल स्पोर्ट्स मुंबई के प्रशिक्षक धर्मेंद्र यादव ने खिलाड़ियों के प्रतिभा को बारीकी से परखा। इस दौरान देवरिया क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष नागेंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ संयुक्त सचिव कलाम खान, शैलेंद्र प्रताप सिंह, एकेडमी के प्रशिक्षक शान-ए-हबीब, गौरीबाजार के प्रशिक्षक फैसल अंसारी आदि उपस्थित रहे।

खुलेआम तंबाकू बेचने पर 12 दुकानदारों पर जुर्माना

एटा। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत सचल प्रवर्तन दल द्वारा बृहस्पतिवार को शिकोहाबाद रोड स्थित दुकानों पर छापामार कार्रवाई की गई। इस दौरान 12 दुकानों पर लड़ियां टांगकर खुलेआम तंबाकू बिकती मिली। इस पर सचल दल ने इन दुकानों के मालिकों पर 2150 रुपये का जुर्माना लगाया। डीएम के निर्देशन में सचल दल द्वारा शिकोहाबाद रोड पर कार्रवाई की गई। खुलेआम तंबाकू बिकती मिलने पर सचल दल ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि तंबाकू उत्पादों का प्रदर्शन न किया जाए। 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को तंबाकू उत्पाद न दें। अगर ऐसा करते हुए पाया गया तो 5000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। छापामार टीम में डॉ. अमन प्रताप सिंह, खाद्य सुरक्षा निरीक्षक मुनेंद्र सिंह राणा, अरुण कुमार सहित पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

न्याय पंचायत सरवा में संचालित हुआ ''सेवा से संतृप्तिकरण'' अभियान

सदर विधायक ने संतृप्तिकरण अभियान का किया शुभारम्भ

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच । विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं से जिले के ग्रामों को संतृप्त किये जाने तथा जनसमस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी की अभिनव पहल पर ब्लाक हूजूरपुर अन्तर्गत न्याय पंचायत सरवा अन्तर्गत शान्ती देवी सुभाष चन्द्र सुशांत पी.जी. कालेज चाकूजोत परिसर में आयोजित सेवा से संतृप्तिकरण शिविर का सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल ने ब्लाक प्रमुख अजीत प्रताप सिंह के साथ फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टाल के माध्यम से ग्रा.पं. ऐलिहा, पिपरिहा, महिपालसिंह, सदियाबाद, सरखना, सरवा, चाकूजोत, रानीपुर, ताजपुर, गोबरहा, गौरिया व कारीडीहा के ग्रामवासियों को संतृप्त किया गया।

विधायक श्रीमती जायसवाल ने शिविर के उद्घाटन के पश्चात लगाये पण्डालों का निरीक्षण कर महिला कल्याण विभाग के शिविर में केट काटकर कन्या जन्मोत्सव अन्तर्गत कन्याओं को हिमालय बेबी किट, बेबी सूट, मिष्ठान, मच्छरदानी इत्यादि भेंट किया तथा आईसीडीएस के शिविर में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा बच्चों को अन्नप्रासन कराया। शिविर को सम्बोधित करते हुए विधायक श्रीमती जायसवाल ने कहा प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा भी यही है सरकार जनता के द्वार पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कराये तथा अपरिहार्य कारणों से वंचित पात्र ज़रूरतमन्द लोगों को उनका हक दिलाया जाय। सदर विधायक ने कहा कि यह आयोजन सरकार एवं मा. मुख्यमंत्री जी की अपेक्षाओं को पूरा करने में सफल हो रहा है। श्रीमती जायसवाल ने अभियान के सफल आयोजन हेतु डीएम, सीडीओ सहित सभी जिम्मेदार अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

शिविर के दौरान विद्युत, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, ग्राम्य विकास, राजस्व, बैंक, कृषि, श्रम, महिला कल्याण, श्रम, समाज कल्याण, उद्योग, शिक्षा, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कौशल विकास, पशुपालन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मनरेगा, आपूर्ति, पंचायत राज विभाग, जल निगम, पुलिस, लोक निर्माण इत्यादि विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों के माध्यम से न्याय पंचायतों के पात्र ग्रामवासियों का विभिन्न योजनाओं में पंजीकरण के साथ-साथ उन्हें लाभान्वित किया गया। उल्लेखनीय है कि अपरान्ह में जिलाधिकारी ने सीडीओ राम्या आर. के साथ शिविर स्थल पर लगाये गये स्टालों का अवलोकन करते हुए का कहा कि यह अभियान जनता का, जनता के लिए, जनता के द्वार की थीम पर आयोजित किया जा रहा है। डीएम ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि आमजन का भरोसा कायम रखें तथा इस बात का प्रयास करें कि आने वाले ज़रूरतमन्द लोगों की अधिकतर समस्याओं का समाधान करा दिया जाय। शिविर के दौरान डीएम मोनिका रानी ने मुख्य विकास अधिकारी के साथ ग्राम सरवां की ग्राम प्रधान किरन सिंह को मिशन कायाकल्प में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया तथा निपुण भारत मिशन के तहत विद्यालयों को एलईडी स्क्रीन, स्टेशनरी व प्रशस्ति-पत्र तथा छात्रों की अच्छी उपस्थिति वाले स्कूलों के शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया। शिविर के दौरान डीएम ने पीएम आवास योजना व प्रधानमंत्री श्रमिक मानधन योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, चश्मा, क्षय ग्रस्त रोगियों को पोषण किट इत्यादि का वितरण किया।

जांच के दौरान अनफिट पाये गये स्कूल वाहनों पर होगी कार्रवाई

बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला विद्यालय यान सुरक्षा समिति बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा ने निर्देश दिया कि पूर्व की जांच में अनफिट पाये गये सभी 84 स्कूल वाहनों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाय। जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया गया कि जनपद में अवसिथत विद्यालयों द्वारा प्रयोग किये जा रहे वाहनों की सूची 15 दिवस में परिवहन विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि वाहन सूची की एक-एक प्रति डीएम व एसपी को भी उपलब्ध करायी जाय। डीएम ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा को कतई अनदेखा नहीं किया जा सकता है। डीएम ने कहा कि सम्बन्धित अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि जिले में बच्चों को परिवहन में अनफिट वाहनों का प्रयोग न होने पाये। डीएम ने परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि स्कूल वाहनों के लिए शासन द्वारा निर्धारित मानक की सूची डीआईओएस एवं बीएसए को उपलब्ध करा दें ताकि सम्बन्धित शिक्षण संस्थानों को भी स्कूल वाहनों के लिए निर्धारित मानकों की जानकारी हो सके। डीएम ने शिक्षण संस्थाओं को भी निर्देशित किया कि बच्चों के परिवहन हेतु उपयोग में आने वाले वाहनों तथा वाहन चालकों के बारे में पूरी जानकारी रखें। डीएम ने कहा कि जनपद में बच्चों की सुरक्षा के मद्देनज़र अनफिट वाहनों के संचालन की अनुमति नहीं होगी।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राम्या आर, मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, जिला विद्यालय निरीक्षक नरेन्द्र पाण्डेय, बीएसए अव्यक्तराम, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर राजीव कुमार सिसौदिया, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्ता, एआरटीओ प्रवर्तन ओ. पी. सिंह व अन्य अधिकारी, शिक्षण संस्थाओं के प्रबन्धक राजदेव सिंह, प्रदीप रायतानी सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

प्रवर्तन कार्यवाही के सम्बन्ध में योजित वादों में प्रभावी पैरवी करें विभाग-जिलाधिकारी

बहराइच। खाद्य पदार्थों में अपमिश्रण पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने तथा दवा की दुकानों के माध्यम से नशीली दवाओं की बिक्री पर प्रभावी अंकुश के उद्देश्य से बुधवार को देरशाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने अभिहीत अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रवर्तन की कार्यवाही के सम्बन्ध में मा. न्यायालयों में योजित वादों में प्रभावी पैरवी कर दोषी व्यक्तियों को दण्डित कराने की कार्यवाही की जाय।

डीएम ने जिला अभिहित अधिकारी को निर्देश दिया कि आसन्न त्यौहारों के दौरान आमजनमानस को शुद्ध एवं मानकपूर्ण खाद्य सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए नियमित रूप से नमूने संग्रहीत किये जाये। डीएम ने यह भी कहा कि प्रवर्तन की कार्यवाही के दौरान एकत्र किये गये नमूनों की जांच रिपोर्ट भी शीघ्र ही प्राप्त की जाय। उन्होंने कहा कि मात्र नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला भेज देने से ही विभाग की जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती है। विभागीय अधिकारियों का यह भी दायित्व है कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त करें और जांच रिपोर्ट की मैहरट के अनुसार सम्बन्धित के विरूद्ध वाद योजित कर दोषी को सजा दिलाये ताकि दूसरे लोग अपमिश्रित खाद्य पदार्थों की बिक्री करने से भयभीत हों। डीएम ने निर्देश दिया कि विभागीय टीम के द्वारा आईसीडीएस विभाग के पुष्टाहार, परिषदीय विद्यायलों, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, आश्रम पद्धति स्कूलों, चिकित्सालयों, वृद्धाश्रम इत्यादि में आपूर्तित होने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच कराते रहें ताकि बच्चों एवं मरीज़ों को गुणवत्तायुक्त भोजन की आपूर्ति सुनिश्चित हो। डीएम ने बीएसए को निर्देश दिया कि कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों की रसोई में क्लोज़ सर्किट कैमरे स्थापित करा दिये जायें।

डीएम मोनिका रानी ने औषधि निरीक्षक को निर्देश दिया कि जनपद में अवस्थित मेडिकल स्टोरों विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों के मेडिकल स्टोर्स की नियमित रूप से जांच कर यह सुनिश्चित करें कि किसी भी दवा की दुकान से प्रतिबन्धित तथा नशीली दवाओं की बिक्री नहीं होनी चाहिए। साथ की कोई भी मेडिकल स्टोर संचालक किसी भी व्यक्ति से निर्धारित शुल्क से अधिक धनराशि न लेने पाये। डीएम ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी ही देश का भविष्य हैं इसलिए विभागीय अधिकारियों का विभागीय उत्तरदायित्व के साथ-साथ नैतिक कर्तव्य भी है कि आज की युवा पीढ़ी को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रखने में सहयोग प्रदान करें। डीएम ने औषधि निरीक्षक को यह भी निर्देश दिया कि सम्बन्धित विभागों से समन्वय स्थापित कर शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये जाये ताकि युवा पीढ़ी को नशीलों पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में बताया जा सके।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राम्या आर, मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एस.के. सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर राजीव कुमार सिसौदिया, जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय, ईओ नगर पालिका परिषद प्रमिता सिंह, उपायुक्त उद्योग केशव कुमार वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक नरेन्द्र पाण्डेय, बीएसए अव्यक्तराम, सहायक निदेशक मत्स्य जितेन्द्र कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकपूर, खाद्य सुरक्षा अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी, उद्यमी बृजमोहन मातनहेलिया, मनीष मल्होत्रा तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

चूहों/छछूंदर के नियंत्रण के लिए संचालित होगा अभियान

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच । शासन के निर्देश के क्रम में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए 03 से 31 अक्टूबर 2023 तक संचालित किये जा रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान कृषि विभाग द्वारा संचारी रोगों के वाहक/वेक्टर के रूप में कार्य करने वाले चूहों/छदूंदर के नियन्त्रण के लिए जन जागरूकता के लिए कार्ययोजना तैयार की गयी है।

यह जानकारी देती हुई जिला कृषि रक्षा अधिकारी प्रियानन्दा ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुपालन में अधिक जोखिम वाले जनपद बहराइच में कृषि रक्षा अनुभाग कृषक गोठी/वार्ता, प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को कृतंक नियंत्रण के सुरक्षित उपायों के बारे में जागरूक किया जायेगा। शासन के निर्देश के क्रम में सभी 75 जनपदों में उक्त कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत कृषि रक्षा अनुभाग द्वारा जनपद बहराइच के समस्त न्यायपंचायतों में 136 कार्मिकों तथा पर्यवेक्षणीय दायित्व के लिए ब्लाक स्तर पर कर्मचारियों की डयूटी लगायी गयी है। उन्होंने ने बताया कि कृतंक नियंत्रण के लिए जनपद की कृषि रक्षा इकाईयों पर उपलब्ध कृषि रक्षा रसायन जिंक फास्फाइड 80 प्रतिशत तथा एल्युमिनियम फास्फाइड 56 प्रतिशत के माध्यम से संचारी रोगों की रोकथाम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि चूहे एवं छदूंदर से स्क्रब टाइफस व लेप्टोस्पाइरोसिस जैसी बीमारियां पायी जाती है। स्क्रब टाइफस बीमारी चूहे के शरीर के बालों में मौजूद पिस्सू से होता है, जिसके लक्षण बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, त्वचा पर चकत्ते एवं आंख में संक्रमण है तथा लेप्टोस्पाइरोसिस की बीमारी चूहे के मूत्र में मौजूद बैक्टीरिया से होता है, जिसके लक्षण तेज बुखार उल्टी एवं आंख में संक्रमण है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी प्रियानन्दा ने कृषकों को सुझाव दिया है कि कृषि रक्षा रसायन का प्रयोग करते हुए एक बिल/छेद के लिए 01 ग्राम दवा में 1.0 मिली ली. सरसों का तेल व 48 ग्राम सूखा भुना आटा मिलाकर चूहे के बिल/छेद के पास या घर के कोने में रखं और अगले दिन निरीक्षण करें। चूहे के न मरने की दशा में पुनः उक्त रसायन का प्रयोग करें। यदि चूहा मरता है तो उसे ज़मीन में गड्ढा खोदकर दबा दें। किसानों को सुझाव दिया गया कि कृषि रक्षा रसायनों को बच्चों की पहुँच से दूर रखें, पूरी सावधानी के साथ प्रयोग करें, रसायनों का प्रयोग करते समय हाथ में दस्ताने पहने और प्रयोग करने के पश्चात हाथ-मुँह को अच्छी तरह से साबुन से धुल लें। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने बताया कि कृषक कीट/रोग सम्बन्धित किसी भी समस्या/सुझाव हेतु सहभागी फसल निगरानी एवं निदान प्रणाली (पी.सी.एस.आर.एस.) के नम्बर 9452247111 एवं 9452257111 पर व्हाटसएप या टेक्सट मैसेज कर कीट/रोग के नियन्त्रण के सम्बन्ध में सलाह प्राप्त कर सकते है।

सीमेंट व्यापारी से ठगे 42 हजार

बुलंदशहर। कोतवाली देहात क्षेत्र के एक गांव निवासी सीमेंट व्यापारी से साइबर ठग ने 42 हजार रुपये की ठगी कर ली। जानकारी होने पर पीड़ित ने आरोपी अज्ञात ठग के खिलाफ देहात कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले की जांच साइबर सेल की टीम कर रही है। कोतवाली देहात में गांव खेतलपुर भांसोली निवासी पीड़ित लोकेंद्र सिंह ने तहरीर देकर बताया कि वह सीमेंट का व्यापारी है। 29 सितंबर को उसके मोबाइल पर एक कॉल आई, जिसमें कॉलकर्ता ने उससे पूछा कि सीमेंट के लिए किस खाते में रुपये ट्रांसफर करने हैं। इस पर उसने अपने फोन का नंबर दे दिया। कुछ देर बाद उसके मोबाइल पर एक मेसेज आया, जिसमें उसके खाते में 76 हजार रुपये ट्रांसफर होने का संदेश अंकित था। इसके बाद उक्त नंबर से फिर कॉल कर कहा गया कि 7600 रुपये की जगह गलती से 76 हजार रुपये ट्रांसफर हो गए हैं। काल करने वाले ने तत्काल जरूरत बताते हुए 7600 रुपये काटकर बाकी रुपये वापस करने के कहा।

पुलिसकर्मियों के लिए 10 करोड़ से बनेंगे मल्टीस्टोरी भवन

भदोही । जिले के ज्ञानपुर और गोपीगंज थानों में तैनात पुलिस के जवानों के लिए 10 करोड़ से मल्टी स्टोरीज भवन बनेंगे। इसके लिए शासन से बजट स्वीकृत हो चुका है। गोपीगंज के सागररायपुर और ज्ञानपुर में महिला थाना संग पुलिस लाइन में भवनों के निर्माण होंगे। इसके लिए कार्यदायी संस्था भी नामित हो गई है।

पुलिस की ड्यूटी करने के बाद जवानों को आवास के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता था। आवासों की कमी के कारण कर्मचारियों को निजी तौर पर महंगे किराये के आवास लेने पड़ते हैं। अब इससे निजात मिल जाएगी। शासन की ओर से पुलिस कर्मियों को मल्टी स्टोरीज भवन के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ज्ञानपुर और गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र में भवन निर्माण के लिए भूमि चिह्नित कर लिया गया है। इसमें टाइप तीन और टाइप दो के 96 आवास शामिल हैं। अधिसंख्य पुलिसकर्मी पुलिस लाइन और कोतवाली में बने बैरकों में ही रहते थे लेकिन परिवार को लेकर कोई भी पुलिसकर्मी जिले में निवास नहीं कर पाता था। भवन बनने से ऐसे पुलिसकर्मियों को राहत मिलेगी। ज्ञानपुर में महिला थाना परिसर की खाली पड़ी भूमि और गोपीगंज में सीखापुर के पास भूमि चिह्नित हैं। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती ने बताया कि 10 करोड़ से ज्ञानपुर और गोपीगंज में मल्टी स्टोरीज भवन बनाए जाएंगे। शासन से इसके निर्माण के लिए एजेंसी यूपी पुलिस निगम एवं सीएनडीएस को नामित किया है। पहली किस्त की धनराशि जारी कर दी गई है। शीघ्र ही आवासों का निर्माण शुरू हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि आवास का निर्माण होने से पुलिस के जवानों को सहूलियत मिलेगी।

सवा आठ लाख रुपये की धांधली में वीडीओ निलंबित

इटावा। सवा आठ लाख रुपये की धांधली के मामले में डीडीओ ने ग्राम पंचायत नसीरपुर बोझा के वीडीओ को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही गबन में सांठगांठ होने पर डीडीओ ने डीपीआरओ को ग्राम प्रधान और उपायुक्त मनरेगा को तकनीकी सहायक पर कार्रवाई के लिए भी पत्र लिखा है। जिला विकास अधिकारी एस कृष्णा ने बताया कि महेवा विकास खंड की ग्राम पंचायत नसरीपुर बोझा में तैनात वीडीओ राम कुमार गुप्ता मनरेगा और विभागीय कार्यों की जांच में आठ लाख 25 हजार 856 रुपये के गबन पाया गया है। इनकी ओर से मनरेगा में कार्य न करने वाले 17 व्यक्तियों को 1,95,822 का अनियमित रूप से भुगतान कर शासकीय धनराशि का दुरुपयोग किया गया। एक ही कार्य (नसीदीपुर सरहद से मुड़ैना कला तक नाला सफाई कार्य नसीरपुर बोझा) पर दो बार 2,40,264 का अनियमित रूप से भुगतान किया गया।

इसके साथ ही मृतक मनीष कुमार पुत्र अशोक कुमार के जॉब कार्ड संख्या 216 से 12,567 रुपये का भुगतान करा लिया। माधवी पत्नी अरुण कुमार के पशुशेड निर्माण के नाम पर 87, 994 रुपये निकाल लिए गए। जबकि मौके पर कोई निर्माण नहीं कराया गया। प्राथमिक विद्यालय घुघसीना के पास तालाब का सुंदरीकरण व सफाई के कार्य 80 प्रतिशत जेसीबी मशीन से काम कराया गया। इस पर खर्च दिखाकर 2,09,080 का दुरुपयोग किया गया। सूरजमुखी पत्नी बदलू का पशुशेड के लिए खरीदा गया सामान कार्य से अधिक दिखाया गया है। इसमें 50,129 रुपये का दुरुपयोग किया गया। गांव में छह कार्यों पर नागरिक सूचना बोर्ड के नाम पर प्रति बोर्ड पांच हजार निकाले गए, जबकि मौके पर कोई बोर्ड न लगाकर 30 हजार रुपये का गबन किया गया है। जांच में यह सभी मामले सिद्ध होने पर उन्हें निलंबित कर दिया गया है। साथ ही इस गबन में प्रधान और तकनीकी सहायक की सांठगांठ होने पर डीपीआरओ और उपायुक्त श्रम रोजागार को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा गया है।

मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना को दी गयी भावभीनी विदाई

बहराइच संवाददाता

बहराइच। मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना का स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप विकास भवन सभागार में आयोजित विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी, पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा, नवागंतुक मुख्य विकास अधिकारी राम्या आर, पी.डी. डी.आर.डी.ए. राज कुमार, उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ. अर्चना सिंह, उपायुक्त मनरेगा के.डी. गोस्वामी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी बी.पी. सत्यार्थी, बी.डी.ओ. तेजवापुर अजय प्रताप सिंह व अन्य वक्ताओं ने स्थानान्तरित मुख्य विकास अधिकारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए स्थानान्तरित मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना अत्यन्त भावुक नज़र आयी। सीडीओ ने कहा कि जिलाधिकारी मोनिका रानी के स्नेह और मार्गदर्शन तथा जिले के अनुभवी, कर्मठ व कुशल अधिकारियों के सहयोग के परिणाम स्वरूप उनके द्वारा आकांक्षात्मक जिले के विकास में

योगदान देने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि डीएम के कुशल मार्गदर्शन व अधिकारियों के परिश्रम के परिणाम स्वरूप जिले को अनेकों बार राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है। श्रीमती मीना कहा कि उन्हें विश्वास है कि डीएम व नवागंतुक सीडीओ के नेतृत्व में जनपद का तीव्र गति से चतुर्मुखी विकास होगा। उन्होंने कहा कि जनपद बहराइच उनकी समृतियों में हमेशा बना रहेगा। उन्होंने जनपदवासियों के मृदुल स्वभाव की मुक्तकंठ से सराहना भी की। विदाई समारोह का संचालन जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने किया। समारोह में मौजूद जिला स्तरीय अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों तथा विकास भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों के कर्मचारियों द्वारा भी पुष्पगुच्छ भेंट कर स्थानान्तरित सीडीओ को बधाई दी।

त्रिगुट
शनिवार 07 अक्टूबर 2023

धार्मिक ध्रुवीकरण का खेल जातिगत जनगणना से बदल गया

पिछले एक दशक से भारत में धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर राजनीति की जो तेज बयार बह रही थी, अब जाति जनगणना से चुनौती मिलती हुई दिख रही है। बिहार में जाति जनगणना के साथ ही पिछड़ी जातियों के मतदाताओं को एकजुट करने के लिए जो राजनीति शुरू हुई है, उसका असर आब विभिन्न जातियों की एकजुटता पर पडना तय माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने पसमांदा मुसलमानों को लेकर एक नया मुस्लिम ध्रुवीकरण धार्मिक आधार पर बनाने की तैयारी की थी। यदि इसे शामिल कर लिया जाता, तो गैर आरक्षित जातियों का प्रतिशत 15 फ़ीसदी से और नीचे चला जाता। जनगणना ने देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय को धार्मिक दृष्टि से देखने के स्थान पर संवैधानिक तरीका अपनाते हुए सामाजिक दृष्टि से न्याय माना जा रहा है। इसमें धर्म के स्थान पर अब सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण को जातिगत जनगणना से मजबूती मिलेगी भारत में जनसंख्या के लिहाज से सबसे ज्यादा आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग ओबीसी है। आबादी में 50 से लेकर 65 फीसदी तक ओबीसी जातियां हैं। डॉ राम मनोहर लोहिया ने 1957 में लिखा था कि पिछड़ों की आबादी 60 फ़ीसदी है। तब वह जनसंघ में थे। यही बात वर्तमान में नीतीश कुमार और लालू यादव कह रहे हैं। पिछडे वर्ग की लड़ाई में दलित और आदिवासी नेपथ्य में चले जाएंगे यह आशंका भी व्यक्त की जाती है। 1980 दशक में काशीराम और मायावती ने दलितों को एकजुट करने के लिए राजनीतिक प्रयास किए थे, इसमें उन्हें सफलता भी मिली। बसपा में बड़ी संख्या में दलित और आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए मुस्लिम एकजुट हुए जिसके कारण 1980 के बाद से बसपा एक बड़ी ताकत के रूप में देश भर में पहचान बनाने में सफल रही उत्तर प्रदेश में 2007 में बसपा की सरकार स्पष्ट बहुमत से बनी। यह एक बडा राजनीतिक प्रयोग था। इसके जवाब में पिछड़ा वर्ग की गोलबंदी बड़ी असरकारिक साबित हुई है। पिछड़े वर्ग का यह नेतृत्व यादव समाज कर रहा था। इसमें विभिन्न पिछड़ी जातियां जिसमें लोधी, काछी, राजभर, निषाद, गडरिया इत्यादि शामिल हो गए थे। गैर यादव पिछड़ी जातियों में भाजपा ने पिछले वर्षों में सेंध लगाई है। जिससे पिछड़ा वर्ग कमजोर हुआ था। यादव नेतृत्व की ताकत पिछले वर्षों में घटी थी। राम मंदिर निर्माण को लेकर हिंदुओं के बीच धार्मिक आधार परजो ध्रुवीकरण किया गया, उसका लाभ भाजपा के पक्ष में गया था। जिसमें सभी गैर मुसलमान और गैर ईसाई बड़ी संख्या में शामिल हो गए थे। 2011 में सामाजिक आर्थिक जनगणना कराने का काम शुरू किया गया था। आर्थिक आधार के कारण जातिगत चेतना मंद पड़ी थी। हिंदू एकता के नाम से सबको एकत्रित किया गया रोनी कमीशन बनाकर यह विश्वास दिलाया गया था, कि सभी वर्गों को उनकी संख्या के हिसाब से लाभ दिया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी ने इसको एक राजनीतिक हथियार की तरह उपयोग किया था। चुनाव के समय इसका बड़ा प्रचार प्रसार किया जाता था, लेकिन रोहिणी कमीशन और पिछड़े वर्ग को लेकर भाजपा की केंद्र सरकार जाति जनगणना को लेकर पीछे हट गई। जाति जनगणना का यह पिटारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खोल दिया है। बिहार ने जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए हैं। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी इस मामले में लालू और नीतीश के साथ है। इंडिया गठबंधन के अन्य राजनीतिक दल भी इस मांग का समर्थन कर रहे हैं। पिछले 10 साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है। 90 के बाद से भारतीय जनता पार्टी का जनाधार धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर बड़ी तेजी के साथ बढा था, लेकिन एक बार फिर सामाजिक न्याय के नाम पर अति पिछडों और अति दलितों को एकजुट करने का काम इस जाति जनगणना ने कर दिखाया है। भारतीय जनता पार्टी इसका बाहर से समर्थन करते हुए दिखाई पड़ रही है। लेकिन सत्ता में रहते हुए उसे जो करना चाहिए, वह नहीं करने के कारण भारतीय जनता पार्टी अलग-अलग पड़ती नजर आ रही है। हिंदुत्व को लेकर जो बयार भाजपा ने बहाई थी, अब वही बयार नीतीश कुमार, लालू यादव और कांग्रेस घेरने की तैयारी कर रही है। इसका बड़ा असर होते हुए भी दिख रहा है। राजनीति के इस खेल में जातिगत जनगणना अब धार्मिक ध्रुवीकरण को पीछे छोड़ते हुए नजर आ रही है। निश्चित रूप से हिंदू आबादी का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा दलित आदिवासी वर्ग से आता है। पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव के पहले और लोकसभा चुनाव के पहले राजनीति के खेल का रंग पूरी तरह से बदलता हुआ दिखने लगा है। आर्थिक आधार पर भी आरक्षण की बात बड़ा असर डाल रही है। जातिगत जनगणना से आर्थिक आधार पर भी परिवारों की पहचान हो सकेगी। इन सब कारणों से लगता है कि आने वाले समय में देश की राजनीति एक बड़े बदलाव के दौर से गुजरेगी। जन सामान्य के बीच अपने अधिकारों को लेकर सजगता बढ़ रही है। इसका असर आने वाले चुनाव में निश्चित रूप से पड़ेगा।

हर चुनाव की तासीर अलग-अलग होती

डा. भरत मिश्र प्राची

देश में लोकसभा चुनाव से पूर्व इस वर्ष के अंतराल में शीघ्र हीं राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीस गढ़, तेलंगाना, एवं मिजोरम राज्यों के विधान सभा चुनाव होने वाले है जिसकी अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है पर इन राज्यों में अपनी - अपनी सरकार बनाने की दिशा में सभी राजनीतिक दल सक्रिय हो चले है। इन राज्यों में फिलहाल मध्यप्रदेश में भाजपा, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस, मिजोरम में मिजो नेशनल फंराट, तेलंगाना में बी आर एस की सरकार है। इन राज्यों में कांग्रेस एवं भाजपा की मुख्य रूप से नजर राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ पर है जहां भाजपा इस चुनाव में किसी स्थानीय नेता को आगे न कर नरेन्द्र मोदी के नाम से सत्ता हासिल करने की भरपूर कोशिश कर रही है , वहीं कांग्रेस अपने कार्यकाल में किये गये विकास कार्य के आधार, विपक्ष पर प्रहार कर इन राज्यों में सत्ता पर आने के प्रयास में सक्रिय नजर आ रही है। इस दिशा में इन दोनों दल की नजर मिजोरम एवं तेलंगाना राज्यों पर भी है। जहां क्षेत्रीय दलों का प्रभुत्व है। इस प्रयास में भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय नेताओं की रैली, सभाएं लगातार जारी है जिनमें आम जन को राहत की गारन्टी देने की घोषणाएं की जा रह है। वर्तमान सरकार की योजनाएं नहीं बदले जाने का वादा किया जा रहा है। सत्ताधारी कांग्रेस भी आम जन को अधिक से अधिक राहत देने की प्रक्रिया अमल करती नजर आ रही है। हर चुनाव की तासीर अलग-अलग होती है। जहां लोकसभा चुनाव में देश की जनता की नजर केन्द्रीय मुद्दों को लेकर होती है वहीं विधानसभा चुनाव में राज्य स्तरीय हो जाती है और जब चुनाव पंचायती, नगर निगम, नगर निकाय स्तर तक पहुंच जाता वहां आम जन का दृष्टिकोण और हीं नजर आने लगता जिसके चलते लोकसभा, विधानसभा, पंचायत, नगर निकाय की तस्वीर अलग - अलग उभर कर सामने आती है।

भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल निकालने में मिल रही है सफलता

प्रहलाद सबनानी

भारतीय सनातनी वेदों एवं ग्रंथो में इस बात के कई प्रमाण मिलते हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि भारत सदैव ही आर्थिक रूप से सम्पन्न देश रहा है एवं भारत के समस्त नागरिकों के लिए रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध रहे हैं। मुद्रा स्फीति, आय की असमानता, बेरोजगारी एवं ऋण के भारी बोझ के तले दबे रहना जैसे शब्दों का तो प्राचीन भारत के आर्थिक इतिहास में वर्णन नहीं के बराबर मिलता है। भारत के समस्त नागरिकों की पर्याप्त मात्रा में आय होती थी जिससे वह अपने परिवार का आसानी से गुजर बसर कर पाते थे एवं समाज में समस्त नागरिक प्रसन्नता पूर्वक रहते थे। दरअसल प्राचीन भारत के उस खंडकाल में नागरिकों में उद्यमशीलता अपने चरम पर थी। परिवार के जमे जमाए व्यवसाय पीढ़ी दर पीढ़ी सफलतापूर्वक आगे चलते रहते थे एवं परिवार के सदस्यों के आय अर्जन का मुख स्त्रोत बने रहते थे। इस दृष्टि से नागरिकों को सामान्यत: नौकरी के लिए परिवार के पारम्परिक व्यवसाय के बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। इस प्रकार उस खंडकाल में बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न ही नहीं होती थी।

. भारत पर आक्रांताओं के आक्रमण एवं इसके तुरंत बाद अंग्रेजों के शासनकाल में भारतीय नागरिकों की उद्यमशीलता को समाप्त कर उनमें नौकरी करने की भावना को विकसित किया गया क्योंकि अंग्रेजों को अपने शासन को सुचारू रूप से संचालन के लिए नौकरों की आवश्यकता थी। अंग्रेजों के शासनकाल में भारत की शिक्षा पद्धति को भी कुछ इस प्रकार से परिवर्तित किया गया कि भारतीय नागरिक अपनी पढ़ाई समाप्त करने के पश्चात अंग्रेजों के संस्थानों में केवल नौकरी कर सके। दीर्घकाल में इसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय नागरिक केवल नौकरी को ही रोजगार का साधन मानने लगे और उन्हें यदि नौकरी नहीं मिल पाती तो वे अपने आप को बेरोजगार मानने लगे। भारतीय नागरिकों में उद्यमशीलता तो जैसे समाप्त ही हो गई थी। परंतु, पिछले लगभग 10 वर्षों के दौरान भारतीय नागरिकों में उद्यमशीलता को पुन: पैदा करने के अथक प्रयास किये गए हैं, जिनमे सफलता भी मिलती दिखाई दे रही है और भारत में अब पुन: बहुत बड़ी मात्रा में उद्यमों को स्थापित किया जा रहा है, जिससे भारतीय नागरिक अब धीरे धीरे नौकर नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनते जा रहे हैं।

पिछले एक दशक के दौरान केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों ने भारतीय नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई नई योजनाएं प्रारम्भ की हैं। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) प्रारम्भ की गई थी। इस योजना को प्रारम्भ करने का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं को सुरक्षित बेहतर आजीविका प्राप्त करने के लिए उद्योग-प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण लेने में सक्षम बनाना था। वर्ष 2016 में स्टार्ट-अप इंडिया योजना देश में लागू की गई थी। इस योजना को लागू करने का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा तंत्र विकसित करना था, जो पूरे देश में उद्यमिता का पोषण और प्रचार करता हो। वर्ष 2016 में ही स्टैंड अप इंडिया योजना प्रारम्भ की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और एससी/एसटी उधारकर्ताओं को 10 लाख रुपये तक के बैंक ऋण की सुविधा तथा ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए 1 करोड़ रु. तक का ऋण प्रदान करना था। इसके पूर्व, वर्ष 2014 में राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन की स्थापना कौशल भारत एजेंडे को मिशन मोड में चलाने के लिए की गई थी ताकि मौजूदा कौशल प्रशिक्षण पहलों को एकजुट किया जा सके और कौशल प्रयासों के पैमाने और गुणवत्ता को गति के साथ जोड़ा जा सके। इन योजनाओं के साथ ही भारतीय नागरिकों और राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक कल्याण को सम्बोधित करने के लिए भारत सरकार द्वारा कई अन्य योजनाएं (पीएमगरीब कल्याण योजना, आयुषमान भारत, प्रसाद योजना, आदि) भी प्रारम्भ की गई हैं। विभिन्न सरकारों के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे कुछ सांस्कृतिक संगठनों ने भी भारत में रोजगार के अवसर निर्मित करने के उद्देश्य से कई अन्य सामाजिक संस्थाओं को साथ लेकर भी कुछ प्रयास प्रारम्भ किया गए। संघ ने तो अपने कुछ अनुशांगिक संगठनों को यह जिम्मेदारी सौंपी कि वे इस क्षेत्र में विशेष प्रयास करें। इन सामाजिक, आर्थिक एंड सांस्कृतिक संगठनों ने मिलकर समाज में विशेष रूप से युवा नागरिकों के उद्यमशीलता को पुन: विकसित करने के सफल प्रयास किए हैं एवं अब एक बार पुन: भारत में उद्यमों को बढ़ावा मिलता दिखाई दे रहा है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में कर्मचारी भविष्यनिधि संस्थान में रजिस्टर हुए नए सदस्यों की संख्या वित्तीय वर्ष 2018-19 में 61 लाख थी जो वित्तीय वर्ष 1920-21 में 77 लाख, वित्तीय वर्ष 2021-22 में 122 लाख एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में बढ़कर 139 लाख हो गई है। इस संख्या में लगातार सुधार से आश्य यह है कि देश में युवाओं को फोर्मल रोजगार बड़ी संख्या में मिल रहे हैं। यहां इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि इस दौरान विश्व के अन्य देशों में कई कम्पनियों में कर्मचारियों की छटनी की गई है। इसी प्रकार पीरिओडिक लेबर फोर्स सर्वे के अनुसार जनवरी 2022 से भारत में बेरोजगारी की दर में लगातार कमी देखने को मिल रही है। जनवरी 2022 में देश में बेरोजगारी की दर 8.2 प्रतिशत थी जो अप्रेल-जून 2022 तिमाही में घटकर 7.6 प्रतिशत तो वहीं जुलाई-सितम्बर 2022 तिमाही में 7.2 प्रतिशत, अकटोबर-दिसम्बर 2022 तिमाही में 7.2 प्रतिशत से घटाकर जनवरी-मार्च 2023 तिमाही में 6.8 प्रतिशत पर आ गई है। सीएमआईई द्वारा जारी एक अन्य जानकारी के अनुसार, भारत में बेरोजगारी की दर मार्च 2023 में घटकर 7.6 प्रतिशत हो गई है जो मार्च 2022 में 8 प्रतिशत एवं मार्च 2021 में 10 प्रतिशत थी।

शहरी क्षेत्रों में महिलाओं (15 वर्ष और उससे अधिक) में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 तिमाही में घटकर 9.2 प्रतिशत पर आ गई है, जो कि एक वर्ष पहिले इसी तिमाही में 10.1 प्रतिशत थी। वहीं, पुरुषों में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर इस वर्ष पहली तिमाही में कम होकर 6 प्रतिशत रही, जो एक वर्ष पूर्व 2022 की जनवरी-मार्च तिमाही में 7.7 प्रतिशत थी। देश में राज्यवार बेरोजगारी का विश्लेषण करने पर ध्यान में आता है कि 10 प्रतिशत से अधिक बेरोजगारी की दर वाले राज्य हैं, हरियाणा में 37.4 प्रतिशत, राजस्थान में 28.5 प्रतिशत, दिल्ली में 20.8 प्रतिशत, बिहार में 19.1 प्रतिशत, झारखंड में 18 प्रतिशत, जम्मू कश्मीर में 14.8 प्रतिशत, त्रिपुरा में 14.3 प्रतिशत एवं सिक्किम में 13.6 प्रतिशत है। जबकि 5 प्रतिशत के कम बेरोजगारी की दर वाले राज्य हैं ओड़िसा में 0.9 प्रतिशत, गुजरात में 2.3 प्रतिशत, कर्नाटक में 2.5 प्रतिशत, मेघालय में 2.7 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 3.1 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 3.2 प्रतिशत, छतीसगढ़ में 3.4 प्रतिशत, तेलंगाना में 4.1 प्रतिशत, उत्तराखंड में 4.2 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 4.3 प्रतिशत, तमिलनाडु में 4.7 प्रतिशत, आसाम में 4.7 प्रतिशत एवं पुडुचेरी में 4.7 प्रतिशत। विशेष रूप से मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश राज्य, जो कुछ वर्ष पूर्व तक बीमारु राज्य की श्रेणी में शामिल थे, में बेरोजगारी की दर में अतुलनीय रूप से कमी दृष्टिगोचर हुई है।

जनवरी-मार्च 2023 अवधि में देश में 45.2 फीसदी नागरिकों को रोजगार मिला हुआ है जो इससे पहले की तिमाही में 44.7 फीसदी पर था। उल्लेखनीय है कि पिछले एक दशक के दौरान भारत ने आर्थिक मोर्चे पर एक बड़ी छलांग लगाई है। स्पष्ट है कि सरकार ने अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसे भी संबल प्रदान करने की तमाम कोशिशें की हैं। जिसके परिणामस्वरूप, भारत में अगस्त 2023 माह में 46.21 करोड़ नागरिकों को रोजगार मिला हुआ था जबकि अगस्त 2022 में 43.02 करोड़ नागरिकों को ही रोजगार प्राप्त था, इस प्रकार एक वर्ष के दौरान 3.19 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

कामयाबी नहीं मिली तो गले लगा ली मौत, जिम्मेदार कौन ?

वीरेन्द्र विश्वकर्मा

टॉपर बनाने की चाह ने बचपन छीनं लया। बड़े हुए तो प्रतियोगी परीक्षा में जुट गए। घर और कोचिंग का दवाब पड़ा तो मौत को गले लगा लिया। क्या यही युवाओं का भविष्य है। आखिर ये सब क्यों हो रहा है। इस पर मंथन तो करना पड़ेगा। यदि नहीं किया तो आने वाले समय में न जाने कितनी माताओं की कोख सूनी हो जाएगी। वजह साफ है कि जिस तरह से गलाकाट प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है वो कभी कम नहीं होगी। कोचिंग के बड़े बड़े होर्डिंग्स युवाओं को आकर्षित करें न करें लेकिन पेरेंटस जरूर इनकी तरफ खिंचे चले आ रहे हैं। भारी भरकम फीस चुकाने के लिए कर्ज से भी परहेज नहीं है। यहां तक की मकान,दुकान और जमीन बेचकर भी पढ़ाई करानी पड़े तो भी कोई हर्ज नहीं है। बस, बच्चा मन माफिक प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो जाए। देश भर के लगभग 16 राज्यों के बच्चे इस समय कोटा के छोटे बड़े 100 से अधिक कोचिंग्स में पढ़ रहे हैं और इनका आंकड़ा करीब 02 लाख है। परिवार की परिवेश, बच्चों की जन्मजात अभिरुचि, भाषा, खानपान, स्थानीय वातावरण जैसे कारकों को दरकिनार कर कस्बाई और छोटे शहरों से कोचिंग्स में धकेल दिए गए बच्चे आखिर किस कीमत और किसके अरमानों को पंख देंने आते हैं इसकी सच्चाई पिछले कई महीनों में छात्रों की आत्महत्या में खोजना बिल्कुल भी कठिन नही है। क्या जिन दो दर्जन से अधिक बच्चों ने पिछले 10 महीनों में अकेले कोटा में आत्महत्या की उनके अपने सपनों का कोई मोल नहीं था ?

देशभर में करीब डेढ़ दर्जन राज्यों में लगभग 8 लाख पंजीकृत कोचिंग संस्थान चल रहे है। यहां पढ़ने वाले छात्रों का आंकड़ा भी 14 लाख से अधिक है। जबकि देश में आईआईटी की कुल सीट्स 10 हजार से कम है। इस गलाकाट प्रतिस्पर्धा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हर साल 15 लाख बच्चे इस परीक्षा में बैठते हैं, यानी स्पर्धा इतनी तगड़ी है कि मात्र डेढ प्रतिशत छात्र ही सफल हो पाते हैं। वो तो भला हो केंद्र की मोदी सरकार का, जिसने नीट यानी एमबीबीएस की सीट्स 47 हजार से बढ़ाकर 91 हजार कर दीं हैं। ये आंकडे देखकर साफ कहा जा सकता है ?कि सफलता का पोस्टर बॉय बनना कितना कठिन है। आल इंडिया रैंक के साथ मुस्कराते हुए विक्टरी साइन दिखाते फोटो आप हर साल होर्डिंग्स और अखबारों में देखकर यही अंदाज लगाते है कि कोटा के कोचिंग कमाल कर रहे हैं। लेकिन यह सत्यांश भर है इसके पीछे की इस इंडस्ट्री का एक अन्य चेहरा भी छिपा है। यह कोचिंग संस्थानों का शिक्षकीय कौशल या पराक्रम भर नही है बल्कि लगभग 95 लाख करोड़ की इंडस्ट्री के दाव इसके पीछे लगे है। हमारा उद्देश्य इन संस्थानों की काबिलियत या निष्ठा पर सवाल उठाना नही है बल्कि इस चमकदार प्रचार के बहाने देश के मध्यम और निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों की उस एकतरफा इच्छाओं या यूं कहें कुंठाओं से जुड़ी त्रासदी को अधोरेखित करना है जिसमें लाखों मासूम बच्चे पिस रहे हैं। एसोचैम के अध्ययन के अनुसार बड़े शहरों में प्राइमरी के 87 प्रतिशत और हाईस्कूल के 95 फीसदी बच्चों को कोचिंग या सहायक कक्षाओं का सहारा लेना पड़ता है। जाहिर है हमारा स्कूली ढांचा बदलते वक्त के अनुरूप नहीं है कोरिया में स्टीम एजुकेशन सिस्टम है जहां साइंस, टेक्नोलॉजी, मैथ्स जैसे विषय पढ़ाये जाते हैं लेकिन नई शिक्षा नीति आने के बाद भी देश के अधिकतर पाठ्यक्रम पुराने और परम्परागत ढर्रे पर चल रहे है। नतीजतन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्कूलों में कोई बुनियादी वातावरण ही नहीं है । यही कोचिंग्स इंडस्ट्री का आधार है। एसोचैम की रिपोर्ट बताती है कि 35 फीसदी की दर से भारत में कोचिंग इंडस्ट्री बढ़ रही है।

कैसे करें माता पिता का सपना पूरा

अगर जानकारों की मानें तो हर एक छात्र की अपनी क्षमता होती है। कोई खेल में निपुण होता है तो काई संगीत में। किसी को इंजीनियरिंग में रूची होती है तो कोई डॉक्टर बनना चाहता है। ऐसे में यदि इंजीनियरिंग में रूची रखने वाले छात्र को खेल में उतार दिया जाए तो बेहतर परफॉरमेंस की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। वर्तमान में कॅरियर को लेकर कुछ इसी तरह चल रहा है। अधिकांश माता पिता अपना सपना बच्चों पर थोपते दिखाई दे रहे हैं,बच्चे की रूचि को जाने बिना जबरियां उन्हे खुद की पसंदीदा फील्ड में धकेलने की कोशिश करते हैं। इसके लिए कर्ज भी लेते हैं और चल अचल संपत्ति भी बेच देते हैं। इससे बच्चे पर कर्जा ?चुकाने और संपत्ति बिकने का मानसिक दबाव बनता है। मनोचिकत्सकों का मानना है कि इससे बच्चे के भीतर डिप्रेशन में जाने की चांस बढ़ जाते हैं। इस तरह की स्थिति उस वक्त ज्यादा बनती है जब बच्चा मनमाफिक परफॉर्म नहीं कर पाता है। उसके मन मेंं निराशा का भाव बढ़ने लगता है। हालांकि इसके और भी कारण हो सकते हैं,लेकिन तमाम कारणों के साथ इस तरह के कारणों को नजर अंदाज नहीं कि जा सकता है।

सीखो-कमाओ योजना से आत्मनिर्भर होता मध्यप्रदेश का युवा

निलय श्रीवास्तव

आत्मनिर्भरता को सही मायने में समझना हो तो मध्यप्रदेश आना ही होगा। शिवराज सिंह सरकार ने मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर प्रदेश बनाने की दिशा में जो कदम उठायें हैं उससे यह बात स्वत: ही प्रमाणित हो जाती है। शिवराज सरकार ने प्रदेश के हर वर्ग का ख्याल रखा है। महिलाओं का उत्थान हो या मूलभूत आवश्यक जरूरतों की बात हो, प्रदेश के लोगों की चिंता दूर करने में सरकार ने अपने प्रयासों में कहीं कोई कमी नहीं आने दी। इसी श्रृंखला में युवा वर्ग के भविष्य को लेकर भी अभिनव प्रयास हुए हैं। प्रसंगवश बताते चलें कि मध्यप्रदेश का युवा अत्यंत संघर्षशील रहकर कम संसाधनों में ही अपना जीवन - यापन करता रहा है। मध्यप्रदेश में रोजगार के संसाधन कम होने से अनेक प्रकार की समस्या आती हैं। संघर्षों के दौर से भी गुजरना पड़ता है। युवाओं की इस पीढ़ा को मध्यप्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान ने महसूस किया और विकल्प के रूप में मुख्यमंत्री सीखो - कमाओ योजना का प्रारूप तैयार किया। इसके बाद सरकार के कदम आगे बढ़ते गए और इसे लागू करवाने में ज्यादा समय नहीं लगा। इस योजना का लाभ प्रदेश के युवा ले रहें हैं। प्रदेश की बेटियां भी बड़ी संख्या में योजना से जुड़ रही हैं। यही तो मध्यप्रदेश में बदलाव का संकेत है या कह लें कि विकास का शंखनाद है। ध्यान दिलाना होगा कि मध्यप्रदेश में खेलों के माध्यम से भी युवाओं का भविष्य संवारा जा रहा है। हमारे प्रदेश में खेलों के बड़े आयोजन होते हैं। खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले युवाओं को भी रोजगार के मार्ग सुलभ कराये जाते हैं। इनमें बड़ी संख्या हमारे प्रदेश की बेटियों की भी होती है। बेटियों ने खेल तथा शिक्षा के क्षेत्रों में हमेशा ही अपना परचम लहराया है। अब रोजगार मिलने पर वे उत्साहित हैं। स्वयं रोजगार से जुड़कर वे दूसरों को भी इसके लिये प्रेरित कर रहीं हैं।

मध्यप्रदेश में युवाओं को समृद्धशाली बनाकर उन्हें विकास से सीधे जोड़ने के लिये सरकार नित् नये आयाम स्थापित कर रही है। इसी श्रृंखला में सरकार ने युवा वर्ग को रोजगार सुलभ कराने के लिये विगत् 17 मई को मुख्यमंत्री सीखो - कमाओ योजना क्रियान्वित की है। रोजगार देने से पहले युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान उन्हें आर्थिक सहयोग के रूप में एक निश्चित राशि दी जा रही है। 12 वी कक्षा उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को एक वर्ष के लिये 8 हजार रूपये, आई.टी.आई उत्तीर्ण को 8 हजार 500 रूपये, डिप्लोमाधारी को 9 हजार रूपये और स्नातक या उच्च शैक्षणिक योग्यता वालों को 10 हजार रूपये प्रतिमाह स्टाइपेड दिया जा रहा है। प्रसंगवश यहाँ बता दें कि मुख्यमंत्री सीखो - कमाओ योजना के अंतर्गत एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना में प्रशिक्षण के लिये 800 से ज्यादा कार्यक्षेत्र चिन्हित किये गये हैं। इनमें विनिर्माण क्षेत्र, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल इंजीनियरिंग, प्रबंधन, मार्केटिंग, होटल मैनेजमेंट, टूरिज्म - ट्रेवल, अस्पताल, रेलवे, आई.टी. सेक्टर, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, बैंकिंग, बीमा, लेखा, चार्टड एकाउंटेंट और अन्य वित्तीय सेवाओं से जुड़े प्रतिष्ठानों को जोड़ा जाएगा। मीडिया, कला, कानूनी और विधि सेवाएँ, शिक्षा-प्रशिक्षण तथा सेवा क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठान भी योजना में सम्मिलित होंगे। योजना से प्रशिक्षणार्थियों को उद्योग उन्मुख प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक और प्रक्रियाओं में दक्षता प्राप्त होगी, जिससे उनके रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मध्यप्रदेश सरकार ने युवा वर्ग के हित को सर्वोपरि मानकर यह अभिनव प्रयास किया है। यह पहला अवसर नहीं बल्कि पूर्व में भी उनके भविष्य को दृढ़ता प्रदान करने के लिये मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र योजना, उधम क्रांति योजना, माँ तुझे प्रणाम तथा मुख्यमंत्री अप्रेंटिसाशिप योजना क्रियान्वित की गयी हैं। मुख्यमंत्री उधम क्रांति योजना के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा प्रदेश के युवाओं के लिये स्वयं का उद्योग, सेवा या व्यवसाय स्थापित करने 7 वर्ष के लिये काफी कम ब्याज दरों पर अनुदान देने का प्रावधान है। योजना में विनिर्माण इकाई और उद्यम स्थापित करने वाले युवाओं को एक से पचास लाख और सेवा क्षेत्र के लिये एक से पच्चीस लाख रूपये तक का ऋण दिया जा रहा है। योजना का लाभ सिर्फ नवीन उद्यमों की स्थापना के लिये ही निश्चित किया गया है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आत्मनिर्भरता को न सिर्फ मध्यप्रदेश के भविष्य निर्माण की दृष्टि से देखा, बल्कि उसे व्यक्तिगत चेतना से आगे ले जाकर समूह चेतना में परिवर्तित करने का उपक्रम भी किया है। आज हम देख रहे हैं कि मध्यप्रदेश के युवा शिवराज सिंह की मदद से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। यही विकास का शंखनाद है। चुनौतियों से सदा जूझते रहने वाले युवा वर्ग को प्रोत्साहन के साथ संबल देने की नितांत आवश्यकता है। मानकर चलते हैं कि आज का युवा कल का भविष्य है। युवा उत्थान की दिशा में आगे बढ़ने के दौरान सरकार के साथ आमजन को भी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। रोजगार के साथ तकनीकि शिक्षा के आवश्यक संसाधन जुटाने होंगे। बंद पड़े उद्योगों, लघु उद्योगों को पुन: शुरू करने से युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिल सकेगा। इस दिशा में सरकार प्रयास करे तो बेहतर होगा। आज का युवा कल का भविष्य है इसे दृष्टिगत रखकर लिये गये हर एक फैसले का स्वागत है। याद रहे हमें स्वर्णिम मध्यप्रदेश की अवधारणा को पूरा करना है।

फास्ट फूड का बढ़ता चलन घातक

विजय गर्ग

आधुनिक समाज में फास्ट फूड यानी जंक फूड हम सभी के जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। सुविधाओं और भोग-विलास के बोझ तले हम इतना दब गए हैं कि फास्ट फूड पर समाज की निर्भरता बढ़ती जा रही है। कहते हैं कि जैसा खाओगे अन्न, वैसा होगा मन। नि:संदेह भोजन की प्रकृति बदलने के साथ मानवीय प्रवृत्ति में भी बदलाव आता जा रहा है। जंक फूड देखने में बहुत ही आकर्षक और स्वादिष्ट लगते हैं, लेकिन ये वास्तव में स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक होते हैं। फास्ट फूड का नियमित सेवन व्यक्ति को कई बीमारियों का घर बना देता है। बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका बहुत ही बुरा असर पड़ता है। हृदय रोग से लेकर कैंसर, हड्डी से जुड़ी बीमारी और मोटापे की समस्या का वाहक फास्ट फूड है।

हालिया प्रकाशित वर्ल्ड ओबेसिटी एलटस की एक रिपोर्ट की मानें तो मोटापे की समस्या साल 2035 तक दुनिया की आधे से अधिक यानी 51 प्रतिशत आबादी - को प्रभावित करेगी। यह रिपोर्ट बाडी मास- इंडेक्स के आधार पर बनाई जाती है। अगर समय रहते मोटापे से बचाव और उपचार के उपाय नहीं हुए तो आने वाले वर्षों में दुनिया के लगभग दो अरब लोग मोटापे का शिकार होंगे। मोटापा सिर्फ एक व्यक्ति को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि इससे देश की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है, क्योंकि अगर चार में से एक व्यक्ति मोटापे से पीड़ित होगा तो सचमुच वह स्थिति विकट परिस्थितियों को जन्म देगी।

फास्ट फूड कहीं न कहीं कुपोषण में भी अहम योगदान देता है, क्योंकि यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के भीतर 80 प्रतिशत से अधिक बच्चे छिपी हुई भूख पीड़ित हैं। यहां छिपी हुई भूख से आशय है कि बच्चे फास्ट फूड के नाम पर अनाप-शनाप खाते रहते हैं जिससे उन्हें शरीर के विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व नहीं मिलते और वे कुपोषण का शिकार हो जाते हैं। फास्ट फूड के व्यापक दुष्प्रभावों को देखते हुए ही साल 2015 में दिल्ली हाई कोर्ट ने सरकार को स्कूलों और उनके आसपास अधिक फैट, नमक और चीनी युक्त खाद्य सामग्रियों की बिक्री को रोकने का सुझाव दिया था, लेकिन दुर्भाग्य है कि आज भी उसका ठीक से पालन नहीं हो पाया है।

फूड एंड टेस्टिंग एजेंसी के अनुसर देश के भीतर 2019 तक फास्टफूड खाने वालों की संख्या तकरीबन 25 प्रतिशत थी, जो आज 40 प्रतिशत को पार कर चुकी है। वहीं फास्ट फूड खाने वालों के मामले में हमारा देश 13वें स्थान पर है। इसमें अमेरिका और ब्रिटेन शीर्ष पर हैं। फास्टफूड का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। आज के अधिकांश बच्चे फास्ट फूड तो खा ही रहे हैं साथ ही शारीरिक रूप से निष्क्रिय भी हो गए हैं ? यह स्थिति कई बीमारियों की वजह बन रही है।

उम्र की ढलती सांझ में

विजय गर्ग

भारतीय संस्कृति में बुजुगों को अनुभवों का खजाना माना जाता रहा है, मगर चिंताजनक है कि बुजुर्ग अब परिजनों और समाज की उपेक्षा, दुर्व्यवहार सहित कई तरह की समस्याएं झेलने को विवश हैं। भारतीय समाज में सदा सयुंक्त परिवार को अहमियत दी जाती रही है, जहां बुजुगों का स्थान सर्वोपरि रहा है, मगर अब एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण बुजुर्गों की उपेक्षा बढ़ रही है। दरअसल, समाज में अपनी हैसियत बड़ी दिखाने की चाहत में कुछ लोगों को अपने ही परिवार के बुजुर्ग मार्ग की बड़ी रुकावट लगने लगते हैं। ऐसे लोगों को सामाजिक तौर पर अपनी खुशियों में बुजुगों को शामिल करना शान के खिलाफ लगता है। ऐसी ही रूढ़िवादी सोच के कारण उच्च वर्ग से लेकर मध्यवर्ग तक में अब वृद्धजनों के प्रति स्नेह की भावना कम हो रही है। एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में करीब साठ फीसद बुजुर्ग महसूस करते हैं कि समाज में उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। पचपन फीसद ने अनादर, सैंतीस फीसद ने मौखिक दुर्व्यवहार, तैंतीस फीसद ने उपेक्षा, चौबीस फीसद ने आर्थिक शोषण तथा तेरह फीसद ने शारीरिक शोषण की बात स्वीकार की। देश में संयुक्त परिवार प्रणाली धीरे-धीरे टूटने के कारण ही माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण- पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 अस्तित्व में आया था। इसी अधिनियम को ज्यादा समकालीन और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संशोधन विधेयक, 2019 लोकसभा में पेश किया गया, जिसमें भरण-पोषण का आवेदन करने के बाद नब्बे दिन के भीतर निपटारे का प्रावधान है, जबकि पहले नोटिस के बाद नब्बे दिन तय थे। पुराने कानून में बुजुर्गों के साथ गलत व्यवहार करने पर कोई प्रावधान नहीं था, जबकि नए विधेयक में तीन से छह महीने तक जेल या दस हजार रुपए जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। एक गैर-सरकारी संस्था की रपट के अनुसार भारत में 47 फीसद आर्थिक रूप से अपने परिवारों पर निर्भर हैं, 34 फीसद पेंशन और नकद हस्तांतरण पर निर्भर हैं, जबकि सर्वेक्षण में 40 फीसद लोगों ने यथासंभव काम करने की इच्छा व्यक्त की। सर्वेक्षण में यह बात भी सामने आई कि 71 फीसद वरिष्ठ नागरिक काम नहीं कर रहे थे, जबकि 36 फीसद काम करने को तैयार थे। यही नहीं, 30 फीसद से ज्यादा बुजुर्ग तो विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए स्वेच्छा से अपना समय देने को तैयार थे, जिससे स्पष्ट है कि अगर पुरानी पीढ़ी की ऊर्जा को पर्याप्त अवसर मिले तो भारत की आर्थिक और सामाजिक तस्वीर उज्ज्वल हो सकती है।

एक गैर-सरकारी संगठन की रपट के अनुसार 2022 तक दुनिया में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी 110 करोड़ और कुल आबादी की लगभग 14 प्रतिशत थी। 2050 तक यह आबादी बढ़कर 210 करोड़ और कुल आबादी की लगभग 22 प्रतिशत होने की संभावना है। एशिया में बुजुर्ग आबादी 2050 तक 130 करोड़ हो जाएगी। भारत में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी अभी करीब 14.9 करोड़ है और एक रपट के मुताबिक 2026 तक यह 17 करोड़, 2036 तक 23 करोड़ तथा 2050 तक 35 करोड़ यानी कुल आबादी की 20 फीसद से भी ज्यादा होने का अनुमान है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक 2036 तक दक्षिण भारत के राज्यों में हर पांचवां व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में होगा। बुजुर्ग आबादी में यह बढ़ोतरी निश्चित रूप से समाज और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालेगी। ऐसे में वर्तमान और भविष्य की पीढ़ी की उचित देखभाल के लिए उचित प्राथमिकताएं निर्धारित करना सरकार की जिम्मेदारी है। हेल्प एज इंडिया की नवीनतम रपट वीमेन एंड एजिंग- इनविजिबल आर एंपावर्ड ? में मई से जून 2023 के दौरान 60-90 वर्ष की आयु वर्ग की 7911 महिलाओं को इस सर्वेक्षण में शामिल किया गया। संगठन ने विभिन्न सामाजिक-आर्थिक श्रेणियों को शामिल करते हुए बीस राज्यों, दो केंद्रशासित प्रदेशों और पांच महानगरों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के प्रतिभागियों के बीच यह सर्वेक्षण किया और रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सोलह प्रतिशत वृद्ध महिलाओं को दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा, जिनमें से करीब पचास फीसद महिलाओं को शारीरिक हिंसा और छियालीस फीसद बुजुर्ग महिलाओं को अपमान झेलना पड़ा। चालीस फीसद प्रतिभागियों को भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक शोषण का सामना करना पड़ा। सर्वेक्षण में शामिल कुल चालीस फीसद महिलाओं ने अपने बेटों को दोषी ठहराया, जबकि इकतीस फीसद ने अपने रिश्तेदारों और सताईस फीसद ने अपनी बहुओं को जिम्मेदार बताया। रपट में यह खुलासा भी हुआ कि दुर्व्यवहार के बावजूद अधिकांश बुजुर्ग महिलाओं ने डर के कारण पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। एक बेहतर भविष्य के लिए हम अपनी अगली पीढ़ी को निधि समझते हुए उसकी बेहतर परवरिश में कोई कमी नहीं छोड़ते। मगर तमाम जिम्मेदारियां निभाते निभाते जब उम्र ढलने लगती और व्यक्ति शारीरिक तथा वित्तीय स्तर पर कमजोर होने लगता है, तो कई बार वह परिवार और समाज की उपेक्षा का शिकार होने लगता है। भले बड़े गर्व के साथ यह कहा जाता है कि भारत की सत्तर फीसद आबादी नौजवानों की है, जो देश के लिए एक बड़ी पूंजी है, लेकिन यहां चिंता का विषय यह भी है कि क्या यह आबादी हमेशा युवा बनी रहेगी ? उम्र बढ़ना जीवन की नियति है, जिससे हर किसी को गुजरना पड़ता है। विभिन्न शोधों के अनुसार साठ वर्ष तथा उससे ज्यादा उम्र में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग आदि कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बढ़ती उम्र और घटती प्रतिरोधक क्षमता बीमारियाँ का एक प्रमुख कारक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की बुजुर्गों की स्वास्थ्य समस्याएं नामक एक रपट में बताया गया है कि 25 फीसद भारतीय बुजुर्ग अवसाद में जी रहे हैं, 33 फीसद गठिया या हड्डी के रोग से ग्रस्त हैं, 40 फीसद को रक्ताल्पता है, गांवों में 10 और शहरों में 40 फीसद को मधुमेह है, 10 फीसद कम सुनने संबंधी समस्या से गुजर रहे हैं। गांवों में 33 फीसद तो शहरों में 50 फीसद को हाइपरटेंशन है, करीब 50 फीसद की नजर कमजोर है, 10 फीसद भारतीय बुजुर्ग कहीं न कहीं गिरकर अपनी कोई न कोई हड्डी तुड़वा बैठते हैं, तो 33 फीसद पाचन तंत्र के विकार से जूझ रहे हैं। पीढ़ी अंतराल और जीवन-शैली में बदलाव के कारण बुजुर्ग व्यक्ति खुद अलगाव और असुरक्षा महसूस कर रहे हैं। आर्थिक साम्राज्यवाद, भूमंडलीकरण, उदारीकरण और बढ़ते उद्योगीकरण ने भी आज बुजुगों को हाशिये पर धकेलने का काम किया है टूटते संयुक्त परिवारों के कारण घर के बड़े बुजुर्ग एकाकी जीवन जीने पर मजबूर हो गए हैं। जिस घर में बुजुगों का सम्मान होता है, वह घर स्वर्ग से भी सुंदर माना जाता है। इसके बावजूद बहुत से परिवारों में बुजुगों को निरंतर अपने ही परिजनों की उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है ऐसे परिजनों को इस बात का आभास कराया जाना बेहद जरूरी है कि आज के युवा भी आने वाले समय में वृद्ध होंगे जीवन में हम आज जो भी हैं, अपने घर के बुजुर्गों की बदौलत ही हैं, जिनके व्यापक अनुभवों और शिक्षाओं से हम जीवन में सभी प्रकार की कठिनाइयों को पार करने में सक्षम होते हैं। ऐसे में अगर बुजुगों को अपनापन और उचित मान- सम्मान दिया जाए, उनकी पसंद-नापसंद का खयाल रखा जाए, तो वे घर के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण सिद्ध होते हैं। उम्र की ढलती सांझ में न केवल परिवार के सदस्यों, बल्कि समाज को भी उपेक्षित करने के बजाय उनका संबल बनने का प्रयास करना चाहिए।

सिक्किम हादसा -देश में प्रकृति का कहर एक खौफनाक त्रासदी

नरेंद्र भारती

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक प्राकृतिक आपदाओं के कहर से मानवीय त्रासदी रुकने का नाम नहीं ले रही है द्य कहीं बादल फट रहे,कहीं भूस्खलन हो रहा है, कहीं पहाड़ दरक रहे हैं पता नहीं यह तबाही कब थमेगी द्य देश में अब तक हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके हैं द्य उत्तर सिक्किम के लहोनक झील के ऊपर बादल फटने से तिस्ता नदी में भीषण बाढ़ आने से आठ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई पांच शव बरामद किये गए हैं द्यप्राकृतिक आपदा में सेना के 23जवानों समेत 49लोग लापता हो गए द्य सेनिकों के अलावा 26 नागरिक भी लापता हैं द्य एक सैनिक और 45 लोगों क़ो बचा लिया है द्य यह बहुत ही त्रासदी हुई है द्य तिस्ता नदी का जलस्तर 15से 20फुट तक बढ़ गया है लोग खौफ के साये में हैं द्य तिस्ता नदी के किनारे के रहने वाले लगभग 4000 लोगों क़ो सुरक्षित स्थानो पर पहुंचाया गया है द्य एनडीआरफ ने लापता हुए सेनिकों व लोगों क़ो ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है द्य पांच राहत शिविर खोले गए हैं चार जिलों के स्कूल बंद कर दिए हैं द्य हिमाचल में भी जुलाई व अगस्त माह में बरसात के कहर से 400 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी द्यदेश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लाखों लोग मारे जाते है।

मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते ।हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है ।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं ।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है ।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है द्य देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदीयां हो रही है। केरल भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा डूब चुका था ।इस बाढ़ में अब तक 29 लोगों की मौत हुई थी । 25 लोंगों की मौत भूस्खलन से हुई थी और 4 लोग डूब गए थे ।बाढ़ से 54 हजार लोग बेघर हुए थे ।राज्य की 40 नदियां उफान पर थी ।पिछले दो दिनों से मूसलाधार बारिस हो रही है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखाया था यहां भी किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रकृति मौत का ताडव हुआ था । भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके हैं। कहीं पहाड़ दरक रहे है कहीं भूस्खलन हो रहा है ।किन्नौर में पहाड़ दरकने से किन्नौर के लोग खौफजदा हैं ।पिछले कल बिलासपुर में भी एक पहाड़ी के दरकने से लोग बाल-बाल बच गए ।अगर यह मलवा लोगों पर गिरा होता तो न जाने कितने घरों के चिराग बूझ जाते। कुल्लु के बंजार में भी बादल फटने से काफी तबाही हुई है। प्रकृति का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले गत वर्ष 12 अगस्त 2017 की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था ।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे ।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था ।पठानकोट -मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था ।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था ।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है ।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटडा़ जा रही दो बसे दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए थे बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी ।चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-संम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे ।हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई थी कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए थे तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए थे बसें जमीदोज हो गई थी ।46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरसशाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी ।अभागे यात्री अपने गतब्व पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे ।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी ।इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। ।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं ।बरसात में देश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गई। दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है ।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है।

सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है ।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके ।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए ।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है।

सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके ।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। बादल फटते रहेंगे, बाढ़े आती रहेगी वक्त अभी संभलने का है

महिला आरक्षण-किस करवट बैठेगा ऊंट

निर्मल रानी

केंद्र सरकार ने गत 18 से 22 सितंबर के बीच पांच दिनों के लिए 17वीं लोकसभा का 13वां सत्र और राज्यसभा का 261वां सत्र विशेष बुलाया था। इन्हें विशेष सत्र के रूप में बुलाया गया था। किसी भी दल अथवा नेता को संसद के इस विशेष सत्र के एजेंडे की आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं थी। हाँ तरह तरह के क़यास ज़रूर लगाए जा रहे थे। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग,जी-20 के आयोजन और भारत के लक्ष्यों पर इस सत्र के दौरान व्यापक चर्चाओं की संभावना थी। यह भी उम्मीद थी कि शायद सरकार देश का नाम ढ्ढह्ष्ठ्ढ के बजाय केवल भारत रखने सम्बन्धी फ़ैसला ले सकती है। यह भी क़यास थे कि शायद यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड पर कोई फ़ैसला हो, एक देश एक चुनाव पर कोई निर्णय हो या फिर पुराने संसद भवन को अलविदा कहने और नवनिर्मित संसद भवन में प्रवेश करने की औपचारिकता पूरी की जाये। इन सभी क़यासों में एक यह भी था कि विभिन्न राज्यों की चुनाव पूर्व की बेला में महिला आरक्षण विधेयक भी पारित करा दिया जाये। हालांकि इस सत्र के लिये 18 से 22 सितंबर के बीच की तिथि चुने जाने पर शिव सेना सहित कई दलों ने हैरानी जताई थी। क्योंकि इन्हीं दिनों में देश के बड़े हिस्से में गणेश चतुर्थी जैसा महत्वपूर्ण त्यौहार आयोजित किया जा रहा था। और अनेक राजनेता इस त्यौहार में व्यस्त रहा करते हैं। शिव सेना (उद्धव) ने तो इसके लिए चुनी गई तारीख़ों पर आश्चर्य जताते हुये यहां तक कह दिया था कि - गणेश चतुर्थी के त्योहार के समय ये विशेष सत्र बुलाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है और हिंदू भावनाओं के विरुद्ध है।

परन्तु संसद का यह विशेष सत्र सत्र बुलाया तो ज़रूर गया परन्तु 22 सितंबर तक चलने वाला विशेष सत्र 21 सितंबर को ही समाप्त कर दिया गया। यानी अपनी निर्धारित समय सीमा से एक दिन पहले ही सत्रावसान कर दिया गया। इस बीच सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक देश एक चुनाव की संभावना तलाशने के लिए एक समिति गठित की। देश की संसद के कर्णधार नेताओं को याद करते हुये पुराने संसद भवन को अलविदा कहा गया और नये संसद भवन में सत्र चलाने की शुरुआत भी की गयी। और इसके साथ ही लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण पर भी विधेयक ला कर इसे पारित कराया गया। इसे लोकसभा व राज्यसभा में अभूतपूर्व समर्थन मिला। गोया पक्ष विपक्ष के सर्वसम्मति से इस विधेयक ने अधिनियम का रूप ले लिया। और सरकार ने इस विधेयक का लोकलुभावन नाम नारी शक्ति वंदन अधिनियम रखा। अब इस अधिनियम को राज्य विधानसभाओं की मंज़ूरी की आवश्यकता होगी। तथा इसे नई जनगणना के आधार पर तथा लोकसभा व विधानसभा की सीटों के परिसीमन के बाद लागू किया जाने का प्रावधान है। सरकार के मुताबिक़ महिला आरक्षण विधेयक साल आगामी लोकसभा चुनाव तक लागू होने की संभावना नहीं है। इस अधिनियम के लागू होते ही प्र धानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में पार्टी महिलाओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। उसी समय यह तस्वीर साफ़ हो गयी थी कि आगामी चुनावों में महिला आरक्षण का यह मुद्दा मुख्य मुद्दा बनने जा रहा है। संसद में भी इस मुद्दे पर बोलते हुये विपक्ष ख़ासकर कांग्रेस ने इसे तत्काल लागू करने की मांग की थी। उससे भी यह ज़ाहिर हो गया था कि कांग्रेस भी महिला आरक्षण के मुद्दे का श्रेय लेने में पीछे रहने वाली नहीं है।

ग़ौरतलब है कि इसी वर्ष नवंबर-दिसंबर के मध्य मिज़ोरम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इसके बाद अगले वर्ष मई-जून में लोकसभा चुनावों के साथ ही आंध्र प्रदेश, उड़ीसा , सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इसलिये महिला आरक्षण के मुद्दे के बहाने आधी आबादी के वोट बैंक पर झपटने की तैयारी में भाजपा व कांग्रेस यानी पक्ष विपक्ष दोनों ही पूरी तरह से कमर कस चुके हैं। कांग्रेस इसे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी के सपनों का विधेयक बता रही है। कांग्रेस इसे तत्काल लागू न करने के लिये मोदी सरकार की मंशा पर सवाल उठा रही है। सरकार द्वारा जनगणना व परिसीमन के बाद महिला आरक्षण लागू किया जाने की शर्त को सरकार की बहानेबाज़ी बताते हुये सरकार की नीयत पर ही सवाल उठा रही है। गत 25 सितम्बर को कांग्रेस पार्टी की 21 प्रमुख महिला नेत्रियां द्वारा उत्तर प्रदेश के 21 शहरों में व देश की अधिकांश राजधानियों में महिला आरक्षण तत्काल लागू न करने के लिये सरकार को घेरने तथा इस इस विधेयक को कांग्रेस की देन बताने के लिये बाक़ायदा प्रेस वार्ता आयोजित की गयी। और यह संकेत दे दिया गया कि भविष्य में होने वाले सभी विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा चुनावों तक कांग्रेस इस विधेयक का श्रेय लेने और इसे फ़ौरन लागू न करने के लिये भाजपा को ज़िम्मेदार ठहराने में कोई कसर छोड़ने वाली नहीं है। ख़ास तौर पर विपक्षी गठबंधन ढ्ढह्ष्ठ्ढ के गठन के बाद तो कांग्रेस के हौसले और भी बुलंद हैं और पूरा विपक्ष भी यही कोशिश करेगा कि इस मुद्दे का श्रेय भाजपा किसी भी सूरत में न लेने पाये। दूसरी तरफ़ भाजपा की ओर से स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण अधिनियम का श्रेय लेने और साथ ही इसमें तीन दशक का समय लगने के लिये कांग्रेस को ही ज़िम्मेदार बताने का आक्रामक अभियान छेड़ दिया है। पिछले दिनों चुनावी राज्य मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री ने जन संघ के सह संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर पार्टी कार्यकर्ता के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुछ इस अंदाज़ में अपनी बात कही - उन्होंने कहा कि-आज बड़ी संख्या में मेरी बहनें और बेटियां आई हैं । आपको जो मोदी ने गारंटी दी थी, वह भी पूरी हो गई थी। कुछ दिन पहले लोकसभा और राज्यसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने का क़ानून पारित हो गया। लंबे समय से देश इसका इंतज़ार कर रहा था। मोदी है, तो हर गारंटी पूरी होने की गारंटी है। मैं एमपी समेत पूरे देश की बहनों को सावधान करना चाहता हूं। कांग्रेस और उसके नए-नए घमंडियां गठबंधन ने मजबूरी में खट्टे मन से समर्थन किया है। बे मन से किया है। यह खट्टापन उनके बयानों में दिखाई देता है। यह उनके गठबंधन में जितने लोग हैं, यह वही लोग हैं, जिन्होंने 30 साल तक क़ानून पास नहीं होने दिया। संसद में हंगामा किया, और बिल फाड़ दिए। अब मजबूरी में बिल का समर्थन किया है। अब जब समझ गए कि, इनकी चाल चरित्र सबके सामने आ गया है, तो कहने लगे कि, यह क्यों नहीं किया, वह क्यों नहीं किया। महिला आरक्षण को लेकर भाजपा व कांग्रेस दोनों की एक दूसरे के प्रति दिखाई जा रही इसतरह की आक्रामकता जहाँ आगामी चुनावों में यह साबित करेगी कि यह मुद्दा आधी आबादी को कितना प्रभावित करेगा वहीं इसके प्रति इसी आधी आबादी का रुख़ यह भी तय करेगा कि महिला आरक्षण का ऊंट किस करवट बैठेगा।

भाजपा में चल रही है बदलाव की बयार

रमेश सर्राफ धमोरा

कभी चाल, चरित्र व चेहरा की बात करने वाली भाजपा में अब बड़े बदलाव की बयार चल रही है। इन दिनो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नई भाजपा बन रही है। पार्टी के सभी पुराने छत्रपों को एक-एक कर किनारे लगाया जा रहा है। प्रदेशों में भाजपा के बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से दूर कर घर बैठा दिया गया है। जो थोड़े बहुत पुराने नेता अभी सक्रिय है उनको भी अगले लोकसभा चुनाव तक राजनीति से आउट कर दिया जाएगा। 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने थे। तब पार्टी में बड़ी संख्या में बुजुर्ग नेताओं का दबदबा कायम था। लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुषमा स्वराज जैसे बड़े नेताओं की पार्टी में तूती बोलती थी। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद सबसे पहले लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी जैसे बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से दूर किया गया था। उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी बड़ी संख्या में पुराने नेताओं के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए लोगों को आगे लाया गया था। कई प्रदेशों के विधानसभा चुनाव में भी वर्षों से जमे वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर नए लोगों को मुख्यमंत्री बनाया गया। अब ऐसा लगता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा पूरी तरह से बदल जाएगी। पार्टी नेतृत्व में ऐसे लोगों की बहुलता होगी जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना नेता मानते हैं। कभी भाजपा में संगठन का बहुत महत्व होता था। संगठन से जुड़े लोगों को ही राजनीति में आगे बढ़ने का अवसर मिलता था। मगर अब स्थिति उसके एकदम उलट हो गई है। आज पार्टी में संगठन का महत्व पहले की तुलना में कम हो गया है। भाजपा का अब एक ही ध्येय रह गया है की जिताऊ प्रत्याशी को मैदान में उतार जाए। दूसरे दलों से आने वालों को पार्टी में महत्व मिल रहा है। इससे पार्टी के मूल कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे हैं।

देश के पूर्वोत्तर में स्थित असम, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री के पदों पर पार्टी ने दूसरे दलों से आए नेताओं को बैठा रखा है। हालांकि राजनीति के बदलते दौर में सभी दलों की यही स्थिति है। मगर भाजपा में ऐसा खेल कुछ ज्यादा ही चल रहा है। पंजाब में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए सुनील कुमार जाखड़ को तुरंत ही प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। वही झारखंड में बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बना दिया गया है। हालांकि बाबूलाल मरांडी मूलतः भाजपा से ही जुड़े रहे थे। मगर पिछले कई वर्षों से वह भाजपा विरोध की राजनीति करते थे। यही स्थिति पश्चिम बंगाल में है। पहले कांग्रेस फिर तृणमूल कांग्रेस की राजनीति करने वाले शुधेंदु अधिकारी वहां पार्टी के मुख्य चेहरे व विधायक दल के नेता है। कर्नाटक में भाजपा ने कांग्रेस व जनता दल एस की राजनीतिक कर चुके बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया था। जिनके शासन में वहां भ्रष्टाचार के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। कर्नाटक में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार सहित कई वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटे थे। जिससे नाराज होकर कई नेताओं ने पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ा। फलस्वरुप भाजपा को वहां अपनी सरकार तो गवानी ही पड़ी साथ ही पार्टी विधानसभा में 66 सीटों पर सिमट कर रह गई। कर्नाटक में पहले बीएस येदयुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार चल रही थी। मगर उन्हें हटाकर दूसरे दल से आए बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाने का खामियाजा भाजपा को सत्ता गवां कर चुकाना पड़ा। आज कर्नाटक में भाजपा हासिये पर पहुंच गई है।

इसी तरह महाराष्ट्र में शिवसेना को सत्ता से हटाने के लिए भाजपा ने जो हथकंडे अपनाये हैं उसका खामियाजा उन्हें आगे आने वाले चुनाव में उठाना पड़ेगा। महाराष्ट्र में शिवसेना को तोड़कर भाजपा ने सरकार तो बना ली मगर वहां मुख्यमंत्री शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे को बनाकर अपने ही पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को तगड़ा झटका दिया है। फिर से मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनाकर पार्टी ने उनका कद कम कर दिया है। रही सही कसर वहां अजीत पवार को भी गठबंधन में शामिल करने से पूरी हो गई है। भाजपा के जो विधायक मंत्री बनने का सपना देख रहे थे। गठबंधन बनने से अब उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। अगले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भाजपा कर्नाटक की तरह महाराष्ट्र में भी बहुत कमजोर हो जाएगी। कांग्रेस से भाजपा में आए असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा अपनी आक्रामक शैली को लेकर भाजपा नेताओं के बहुत प्रिय हो रहे हैं। मगर जिस तरह से वह भाजपा का कांग्रेसीकरण कर रहे हैं। उससे असम भाजपा के पुराने नेताओं में गहरी नाराजगी व्याप्त हो रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेन गोहेन ने नगांव लोकसभा क्षेत्र के परिसीमन के विरोध में असम खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। जिसका उन्होंने चार बार प्रतिनिधित्व किया है। असम भाजपा में पुराने नेताओं और हाल ही में दूसरी राजनीतिक पार्टियों से शामिल हुए नेताओं के बीच खींचतान तेज हो गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेन गोहेन, असम भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य, पूर्व विधायक अशोक सरमा, मोरीगांव के विधायक रमाकांत देवरी ने भाजपा छोड़ने की धमकी दी है। राज्य में पार्टी के नए और पुराने कार्यकर्ताओं के बीच मतभेद के कारण असम भाजपा एक गंभीर संकट का सामना कर रही है। काफी दिनों से भाजपा के पुराने कार्यकर्ता और पार्टी के वफादार आरोप लगाते रहे हैं कि नए कार्यकर्ता और जो अन्य दल छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। वे पार्टी पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं और पुराने कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान नहीं दे रहे हैं। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, कैलाश मेघवाल, देवी सिंह भाटी, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विप्लव कुमार देव, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी, महाराष्ट्र में पंकजा मुंडे, हरियाणा में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह, दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल, जैसे कई प्रभावशाली नेता पार्टी में लगातार हो रही अपने उपेक्षा से नाराज है। मध्य प्रदेश में उमा भारती ने तो खुलेआम ऐलान कर दिया है कि वह अभी राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय रहेगी तथा अगला चुनाव भी लड़ेगी। उमा भारती तो यहां तक बोल गई कि किसी में हिम्मत नहीं है जो उसे अगला चुनाव लड़ने से रोक सके।

राजस्थान विधानसभा के चुनाव में वसुंधरा राजे भी अपने अपेक्षा से नाराज नजर आ रही है। उनके कट्टर समर्थक कैलाश मेघवाल को पार्टी ने निलंबित कर दिया है। उनके समर्थक विधायकों को भी अपना टिकट कटने की संभावना लग रही है। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने पिछले दिनों बयान देकर अपनी उपेक्षा करने पर नाराजगी जाहिर की थी। मेनका गांधी के सांसद पुत्र वरुण गांधी अक्सर पार्टी लाइन से हटकर बयान बाजी करते रहते हैं। भाजपा में वरिष्ठ नेताओं को जिस गति से किनारे लगाया जा रहा है। उसे लगता है आने वाले समय में सभी वरिष्ठ नेता सक्रिय राजनीति से दूर कर दिए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर, पिस रहा गरीब

इटावा। विधायक एवं जिला पंचायत निधि से बनाई गई इंटरलॉकिंग व सीसी सड़कों का लोकार्पण जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक उर्फ अंशुल यादव ने किया। कार्यक्रम में पहुंचे सपा नेताओं ने केंद्र व राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। महेवा में जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक उर्फ अंशुल यादव ने कुशवाहा मार्केट, आनेपुर, नहर पुल के नजदीक बनी इंटरलॉकिंग का लोकार्पण किया। साथ ही महेवा व बस्ती महेवा में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार से लोग परेशान है। महंगाई चरम पर है। इसमें गरीब पिसता जा रहा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा का जाना तय है। पूर्व पीसीएफ चेयरमैन अंकुर यादव ने कहा कि जितना काम सपा ने अपने कार्यकाल में किया है। योगी सरकार सात वर्षों में नहीं कर पाई है। पूर्व सांसद प्रेमदास कठेरिया ने कहा कि महेवा क्षेत्र में सपा के जनप्रतिनिधियों ने जितना कार्य कराया वह अव्वल सराहनीय है। कोई भी सरकार इतना विकास कार्य नहीं करा पाई है। विधायक राघवेंद्र गौतम ने कहा कि वह लगातार विकास कराने के लिए तत्पर हैं। सपा नेता सुनील यादव ,सुशांत वर्मा ,विधानसभा प्रभारी जय सिंह भदौरिया, ब्लॉक अध्यक्ष लालू पाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान महेवा कुमुद सिंह व संचालन विधायक प्रतिनिधि जीतू ठाकुर ने किया।

तीर्थ यात्रा पर गए ग्रामीण को डीसीएम ने कुचला

इटावा। भरथना क्षेत्र के मेढ़ी दुधी से तीर्थ यात्रा पर गए व्यक्ति को सहारनपुर में डीसीएम ने रौंद दिया। ग्रामीणों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने रेफर कर दिया। इटावा जिला अस्पताल लाने के दौरान घायल की मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। मेढ़ी दुधी गांव निवासी सुधीर कुमार मिश्रा पुत्र रामानंद मिश्रा तीन अक्तूबर को गांव वालों के साथ बस से तीर्थ यात्रा पर निकले थे। बुधवार देर शाम हरिद्वार से दर्शन कर सहारनपुर पहुंचे थे। सरसावा थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे जैसे ही बस से उतरे उसी दौरान एक डीसीएम ने सुधीर को रौंद दिया। घायल को गांव वाले जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे रेफर कर दिया। हरिओम ने बताया कि सुधीर को बेहतर इलाज के लिए इटावा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक मजदूरी करता था, उसने शादी नहीं की थी। सिविल लाइन पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

युवती से सामूहिक दुष्कर्म में जीजा समेत पांच गए जेल

इटावा। क्षेत्र के एक गांव के बाहर मंगलवार रात मंदिर के पीछे युवती की छोटी बहन के पति ने अपने चार साथियों के उसे शराब पिलाकर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। बेसुध हालत में युवती को खेत में छोड़कर भाग गए। होश में आने पर देर रात युवती ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने देरी न करते हुए जीजा समेत पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कानपुर देहात के सिकंदरा कोतवाली क्षेत्र की एक युवती ने जानकारी देते हुए बताया कि वह सोमवार को दोपहर तीन बजे बसरेहर क्षेत्र के एक गांव में अपनी छोटी बहन के घर आई थी। मंगलवार शाम को वह बहन के घर से अपने मायके चौबिया थाने क्षेत्र स्थित गांव जाने लगी। रास्ते में उसके जीजा मिले और उसे गांव के बाहर मंदिर के पीछे ले गए और उसे शराब पिलाकर मंदिर के पीछे खेत में उसके चार साथियों के साथ मिलकर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि मंगलवार देर रात शराब के नशे में धुत थाने पहुंची युवती ने सामूहिक दुष्कर्म की जानकारी दी। युवती ने अपने जीजा व चार साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद युवती का मेडिकल कराया गया। युवती के जीजा अखिलेश कुमार उसके चार साथी धारा सिंह, नरेंद्र, प्रदीप, वकील समेत पांचों को गिरफ्तार कर दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

तत्कालीन नायब नाजिर को सात साल का कारावास

इटावा। 25 साल पुराने गबन के एक मामले में कोर्ट ने भरथना एसडीएम कार्यालय के तत्कालीन नायब नाजिर को सात साल की सजा सुनाई गई है। उनके ऊपर 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी जमा कराने का आदेश दिया गया है। भरथना एसडीएम कार्यालय के तत्कालीन नायब नाजिर छेदीलाल के खिलाफ 25 साल पहले गबन का मुकदमा दर्ज कराया गया था। 1997 में भरथना के तत्कालीन तहसीलदार ने नायब नाजिर के खिलाफ दर्ज कराए मुकदमे में आरोप लगाया था कि उन्होंने एक लाख 22 हजार रुपये का गबन किया है। यह धनराशि संग्रह अमीनों ने एकत्र करके नायब नाजिर को कोषागार में जमा कराने को दी थी। इस धनराशि को नायब नाजिर ने अपने रजिस्टर में तो दर्ज कर लिया, लेकिन कोषागार में जमा नहीं किया। शिकायत के बाद जांच हुई तो कोषागार में धनराशि जमा नहीं मिली। इस पर मुकदमा दर्ज कराया गया। विवेचना अधिकारी एसआई एसबी गौतम ने विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन करके आरोपपत्र दाखिल किया। एसपीओ उदय श्याम तिवारी और एपीओ आशुतोष ने मामले में सरकार की ओर से पैरवी की। न्यायाधीश नीरज कुशवाह ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोप सही माने और आरोपी छेदीलाल को सात साल की सजा सुनाई। नायब नाजिर छेदीलाल हाल ही में रिटायर हुए हैं।

रोक के बाद भी कामेत में पशु मेला लगाया, रिपोर्ट

इटावा। रोक के बावजूद पशु मेले का आयोजन करने पर आयोजकों के खिलाफ एसडीएम के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। एसडीएम ने हिदायत दी है कि 31 तक कोई भी पशु मेले का आयोजन न करें। लंपी वायरस की रोकथाम के मद्देनजर प्रशासन ने 31 अक्तूबर तक जिले में लगने वाले पशु मेलों पर रोक लगा रखी है। इसके बावजूद कामेत में पशु मेले का आयोजन किया गया। सूचना पर गुरुवार को एसडीएम सदर विक्रम सिंह राघव, सीओ जसवंतनगर अतुल प्रधान और बढ़पुरा थाना पुलिस ने पशु मेला बाजार को बंद कराया।एसडीएम सदर ने बताया कि लंपी वायरस रोकने के लिए सभी पशु मेला बाजारों को 31 अक्टूबर तक के लिए प्रतिबंधित किया गया है। सभी पशु बाजारों के आयोजकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके बाद भी गुरुवार को ग्राम पंचायत कामेत में पशु मेला बाजार लगाया गया था। इसकी सूचना पर मेला में पहुंचकर उसे बंद कराया गया। वहीं, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी की ओर से मेला संचालन करने पर अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना बढ़पुरा में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

नकली साबुन बेचने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने जेल भेजा

इटावा। कंपनी के नाम पर नकली साबुन बेचने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। आरोपियों की निशानदेही पर बुधवार दोपहर दुकान व गोदाम से 79 पेटी नकली साबुन की बरामद की गई थी। कोतवाली प्रभारी विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि बुधवार को कोलकाता से आए तस्वीर डिटर्जेंट के मार्केटिंग मैनेजर शिव प्रसाद दत्ता की सूचना पर लेखपाल अरुण कुमार व पुलिस टीम के साथ शहर में अमित उर्फ संदीप छाबड़ा निवासी कटरा साहब खां,अजहर फरीद निवासी साबितगंज, भोला सिंह निवासी मानिकपुर मोड़ थाना इकदिल, मोहित कुमार निवासी मोहल्ला बजरिया थाना इकदिल को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर तसवीर डिटर्जेंट की कुल 79 पेटी बरामद की गई। चारों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करके जेल भेजने की कार्रवाई की गई।

रंजिश में फायरिंग व पथराव करने पर पुलिस ने दर्ज किए दो मुकदमे

फर्रुखाबाद। गढ़िया तेरा में पुरानी रंजिश में तीस राउंड फायरिंग व पथराव के मामले में पुलिस ने जानलेवा हमले के दो मुकदमे दर्ज कर लिए हैं। पुलिस आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। कोतवाली की चौकी नीबकरोरी इंचार्ज मोहित मिश्रा ने गांव गढ़िया तेरा निवासी अवधेश, जगवीर, अजय उर्फ दीपू, इंद्रेश, अशोक, शिव कुमार, सर्वेश, अनिल, सचिन, राजीव, हवलदार, गुलशन व 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। इसमें बताया कि तीन अक्तूबर की शाम को पुरानी रंजिश में गांव में फायरिंग व पथराव की सूचना मिली थी। मौके पर जाकर देखा तो अवधेश सहित सभी लोग दूसरे पक्ष के मान सिंह व उनके परिजनों पर फायर कर रहे थे। गांव में तनाव का माहौल था। रास्ते में लोगों के चप्पल जूते पड़े हुए थे। दूसरा मुकदमा मान सिंह ने अवधेश, जगवीर, अजय उर्फ दीपू, इंद्रेश, अशोक, शिवकुमार, सर्वेश, अनिल, सचिन, राजीव, हवलदार, गुलशन के खिलाफ दर्ज कराया। इसमें बताया कि एक अक्तूबर को अवधेश सहित पांच लोगों ने भाई संजीव व अमित को मारपीट कर घायल कर दिया था। इसका मुकदमा दर्ज कराया था। इसी रंजिश में तीन अक्तूबर को सभी लोगों ने फायरिंग कर पथराव किया। इसमें कई लोग घायल हो गए।

अध्यक्ष नौरा ने छह, महासचिव मृत्युंजय ने दो वोटों से मारा मैदान

चंडीगढ़। पीयू में वीरवार को पंजाब यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन(पुटा) के चुनाव हुए। इसमें अमरजीत सिंह नौरा ने अध्यक्ष, मृत्युंजय कुमार ने महासचिव और सुमन ने उपाध्यक्ष के पद पर बाजी मारी। वहीं, संयुक्त सचिव के पद पर सुरिंदर पाल सिंह और कोषाध्यक्ष के पद पर विशाल शर्मा ने कब्जा किया। सुबह 8.30 बजे से लॉ ऑडिटोरियम में मतदान शुरू हुआ जो दोपहर 2 बजे तक चला। इसके बाद काउंटिंग हुई और 4.45 बजे के बाद उम्मीदवारों के चयन का परिणाम सामने आया। इस बार चुनाव में काफी करीबी मुकाबला रहा। अध्यक्ष पद के लिए डॉ. अमरजीत नौरा ने रतन सिंह को छह, महासचिव मृत्युंजय ने कश्मीर सिंह को दो, उपाध्यक्ष सुमन सुमी ने 30 मतों से जीत दर्ज की। इस बार चुनाव मैदान में तीन ग्रुप अशोक-कुलविंदर, प्रोफेसर केशव की ओर से संचालित नौरा-मृत्युंजय और प्रोफेसर नवदीप की ओर से संचालित रतन-कश्मीर थे। पुटा चुनाव में नौरा-मृत्युंजय और रतन-कश्मीर के उम्मीदवारों ने मिलकर पूरे पुटा पैनल को बनाया है, क्योंकि दोनों ग्रुपों को एकतरफा जीत हासिल नहीं हुई। खास बात यह है कि इस बार चुनाव कांग्रेस-भाजपा और वीसी के पक्ष व विरोध के बजाय शिक्षकों के मुद्दों पर केंद्रित रहा। 11 साल बाद पुटा चुनाव में वापसी करने वाले प्रो. नवदीप गोयल ने पुटा पैनल में 12 उम्मीदवारों को जीत दिलाई। इससे पहले प्रो. नवदीप गोयल ने सत्र 2001-2002 में महासचिव और 2011-12 में उपाध्यक्ष पर जीत दर्ज की थी। वहीं, पिछले सात साल से लगातार अधिकारी पैनल में जीत दर्ज कर करवाने वाले प्रो. केशव मल्होत्रा के सिर्फ सात उम्मीदवार ही पुटा में चुनकर आए। अध्यक्ष नौरा, सचिव मृत्युंजय और संयुक्त सचिव सुरिंदर पाल केशव मल्होत्रा ग्रुप के उम्मीदवार हैं। तीसरे ग्रुप अशोक-कुलविंदर की टीम पहली बार मैदान में उतरी थी और बेहतरीन प्रदर्शन किया। अधिकांश उम्मीदवारों ने सौ के करीब मत हासिल किए। पुटा चुनाव में 592 में से 553 सदस्यों ने मतदान किया।

अशोक-कुलविंदर खेमे की अन्य उम्मीदवारों से गहमागहमी, वोटिंग स्थल से सभी को दूर रखा

पहली बार पीयू में पुटा चुनाव के दौरान वोटिंग स्थल से उम्मीदवारों को दूर रखा गया। इस बार लॉ ऑडिटोरियम के बाहर ही उम्मीदवार शिक्षकों से मेल मिलाप कर रहे थे। वोटिंग स्थल के बाहर शिक्षकों से मिलने को लेकर अशोक-कुलविंदर खेमे की सुबह अन्य उम्मीदवारों से गहमागहमी भी हो गई थी। इसके बाद सभी उम्मीदवारों को वोटिंग स्थल से दूर बैठाया गया। इनका कहना था कि उम्मीदवार वोट देने आने वाले शिक्षकों को प्रभावित करते हैं। वहीं रिटर्निंग अफसर की ओर से भी चुनाव के बाद सेवानिवृत्त शिक्षकों को मतदाता सूची में शामिल करने पर आपत्ति जताई थी।

बालिका से दुष्कर्म में दोषी को उम्रकैद

फर्रुखाबाद। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सुमित प्रेमी की अदालत ने गुरुवार को बालिका से दुष्कर्म में दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने दोषी को 50 हजार रुपये अर्थदंड जमा करने के आदेश दिए। अर्थदंड नहीं जमा करने पर दोषी को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। राजेपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण की छह वर्ष की पुत्री 28 जून को गांव के एक ग्रामीण की पुत्री की शादी में आई बरात देखने के लिए गई हुई थी। उसी दौरान बरसात होने लगी। मोहल्ले के अन्य बच्चे वापस आ गए, बालिका नहीं आई। लगभग रात 11:30 बजे बालिका मिट्टी से सने कपड़ों के साथ घर पहुंची। बालिका ने परिजनों को बताया कि गांव के मझू उर्फ सुबेक उसको सुनसान जगह पर बहलाकर ले गया। वहां उसने गलत काम किया। ग्रामीण मझू उर्फ सुबेक के घर पहुंचा। लेकिन वह घर में नहीं मिला। ग्रामीण ने मझू उर्फ सुबेक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। विवेचक ने छानबीन के बाद आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सुमित प्रेमी ने गवाहों व साक्ष्यों के आधार पर आरोपी मझू उर्फ सुबेक को दोषी करार दिया था। गुरुवार को कोर्ट ने इस मामले में दोषी मझू उर्फ सुबेक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उन्होंने दोषी को 50 हजार रुपये जुर्माना जमा करने के आदेश दिए। जुर्माना नहीं देने पर दोषी को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भोगने के आदेश दिए।

पांच साल पहले प्यार... अब आपस में शादी करने के लिए अड़ीं मौसेरी बहनें

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद के मोहम्मदाबाद में मौसेरी बहनें आपस में विवाह करने के लिए अड़ीं हैं। दो परिवार समलैंगिक रिश्ते को लेकर असमंजस में हैं। कोतवाल अमर पाल सिंह ने बताया कि मौसेरी बहनें समलैंगिक विवाह करने की जिद कर रही हैं। परिजन विरोध कर रहे हैं। पूरे मामले में जांच की जा रही है। फर्रुखाबाद के मोहम्मदाबाद में मौसेरी बहनें आपस में विवाह करने की जिद पर अड़ गई। परिजनों के विरोध करने पर एक बहन ने पुलिस को सूचना देकर बुला लिया। पुलिस के समझाने पर भी दोनों बहनें नहीं मानी। पुलिस दोनों को कोतवाली ले आई। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी 31 वर्ष की युवती को दूसरे गांव निवासी 26 वर्ष की मौसेरी बहन से पांच साल पहले प्रेम हो गया था। दोनों बहनों के प्रेम के बारे में परिजन अंजान बने रहे। बुधवार को दोनों बहनें आपस में शादी करने की जिद को लेकर परिजनों के सामने अड़ गई। परिजनों ने दोनों को समझाकर समलैंगिक विवाह करने का विरोध किया। इस पर एक युवती ने पुलिस को सूचना दे दी। जानकारी पर ताजपुर चौकी इंचार्ज सुनील सिसौदिया मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों से बातचीत करने के बाद दोनों परिवारों के लोगों से जानकारी ली। पुलिस व परिजनों के कई घंटे समझाने के बाद भी मौसेरी बहनें एक साथ शादी करने की बात पर अड़ी रहीं। दोनों एक-दूसरे के लिए कसमें खा रही थी। ऐसे में पुलिस दोनों को कोतवाली बुला लाई। कोतवाल अमर पाल सिंह ने बताया कि मौसेरी बहनें समलैंगिक विवाह करने की जिद कर रही हैं। परिजन विरोध कर रहे हैं। पूरे मामले में जांच की जा रही है।

समलैंगिक शादी की चर्चा पर ग्रामीणों की लगी भीड़

कोतवाली क्षेत्र के गांव करमचंदपुर में शीला व उसकी मौसेरी बहन शिवानी ने बुधवार को शादी करने की जिद की। परिवार के लोग विरोध कर रहे थे। ऐसे में गांव के लोग शीला के दरवाजे पर एकत्रित हो गए।

मौसेरी बहनों की समलैंगिक शादी की पहली घटना को सुनकर गांव के लोग भी अवाक थे। महिलाएं व पुरुष बदले समय को कोसते हुए दुहाई दे रहे थे, कि यह कैसा समय आ गया है। पुलिस मौके पर पहुंची। शीला और शिवानी से प्रेम संबंध के बारे में जानकारी की। शीला व शिवानी ने ग्रामीणों के सामने बेबाक अंदाज में जवाब दिया। जिसे सुनकर लोग हक्के बक्के रह गए।

साथ पढ़ने जातीं, साथ जीने मरने की खाई कसमें

विगत पांच साल से साथ रहकर पढ़ रहीं शीला और शिवानी ने एक दूसरे के साथ जीने और मरने की कसमें खाई।

नवाबगंज-जहानगंज में सहकारी भूमि पर खुलेंगे पेट्रोल पंप

फर्रुखाबाद। फतेहगढ़ स्थित जिला सहकारी बैंक में चेयरमैन ने तीन वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धि बताई। कहा कि 3.29 करोड़ का घाटा पूरा कर इन दिनों बैंक 1.16 करोड़ रुपये लाभ में है। सदस्य अभियान में लक्ष्य पार करने की सफलता हासिल हुई है। सहकारी समिति जहानगंज व नवाबगंज की भूमि पर पेट्रोलपंप खोलने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। जिला सहकारी बैंक के संचालक मंडल अध्यक्ष कुलदीप गंगवार ने बताया कि बैंक की कुल 118 बी-पैक्स(सहकारी समतियां) हैं। इनमें 70 समितियां जिले में व 48 कन्नौज में हैं। पहले सपा के हाथों में बैंक होने से मनमाने काम हुए और बैंक घाटे में थी। संचालक मंडल के सहयोग से तीन वर्ष में चार करोड़ 45 लाख 19 हजार लाभ हुआ। इससे पूरा घाटा पूरा होने के साथ बैंक एक करोड़ 16 लाख 88 हजार रुपये के मुनाफे में पहुंची। सहकारी समिति जहानगंज व नवाबगंज की भूमि पर पेट्रोलपंप खोलने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। सभी समितियों को कारोबार बढ़ाने के लिए एक करोड़ रुपये वितरित किया। सदस्यता अभियान में 38,288 नये सदस्य बनाए गए। सहकारी बैंक में सरकारी विभागों का खाता न खुलने के सवाल पर बोर्ड सचिव एमके सिंह ने अपनी कमजोरी स्वीकार की। कहा कि उनकी बैंक 2013-14 में सीबीएस हुई। जबकि अन्य बैंकें पहले ही कंप्यूटराइज्ड हो चुकी हैं।

पहले पोस्टमार्टम में चार गंभीर चोट, पैनल में एक भी चोट नहीं मिली

फर्रुखाबाद। व्यापारी के पोस्टमार्टम में डॉक्टर ने चार गंभीर चोटें आने से मौत की पुष्टि कर दी थी। रिपोर्ट देखकर एसपी के आदेश पर पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट को चैलेंज किया। पुलिस ने शव यात्रा रोककर पैनल से देर रात पोस्टमार्टम कराया। इसमें एक भी चोट की पुष्टि नहीं की गई। व्यापारी के परिजनों ने नौ लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया था। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव शिवराई बरियार निवासी व्यापारी राधेश्याम उर्फ रामदास व रामफल सक्सेना का मकान आमने-सामने है। तीन अक्तूबर की रात को राधेश्याम परिवार की एक बच्ची ने छत से रात आठ बजे उल्टी कर दी। उल्टी रामफल सक्सेना की पत्नी के ऊपर गिर पड़ी। इसी बात पर दोनों परिवारों में विवाद हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची वहां किसी प्रकार का झगड़ा नहीं होने की बात पाई गई। रात में राधेश्याम के सीने में दर्द हुए। परिजन उसको सीएचसी लेकर गए। वहां डॉक्टर ने राधेश्याम को मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने रामफल सक्सेना सहित उनके नौ परिजनों पर पथराव करने से घायल राधेश्याम की हार्टअटैक से मौत होने का आरोप लगाकर तहरीर दी। पुलिस ने मौके पर जांच की, लेकिन राधेश्याम के शरीर पर एक भी जाहिरा चोट नहीं पाई गई। पुलिस ने शव का बुधवार की दोपहर पोस्टमार्टम कराया। डॉ. सुमित शाक्य ने शव का पोस्टमार्टम किया। उन्होंने राधेश्याम के सिर, छाती सहित चार गंभीर चोटों से मौत होने की पुष्टि की। इंस्पेक्टर कायमगंज जेपी पाल व सीओ सोहराब आलम ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट देखकर एसपी विकास कुमार को मामले की जानकारी दी। एसपी के आदेश पर पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट को चैलेंज किया। डीएम के आदेश पर सीएमओ अवनींद्र कुमार ने डॉ. मान सिंह व शोभित कुमार सिंह का पैनल गठित कर दिया। शमसाबाद एसओ ने अंतिम यात्रा को रास्ते में रोक कर शव को फिर से पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पैनल से हुए पोस्टमार्टम में राधेश्याम के शरीर पर एक भी चोट नहीं पाई गई। मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने पर बिसरा सुरक्षित कर लिया गया। एसपी विकास कुमार ने गुरुवार को पुलिस लाइन के सभागार में बताया कि पुलिस की सक्रियता से नौ लोग हत्या के मामले में जेल जाने से बच गए। पूरे मामले में कार्रवाई के लिए पत्राचार किया जा रहा है। पंचायतनामा में एक भी चोट नहीं पाई गई। फिर पोस्टमार्टम में डॉक्टर को चार गंभीर चोटें कैसे मिल गई। इसके चलते ही पोस्टमार्टम को चैलेंज किया।

पोस्टमार्टम की वीडियो व फोटोग्राफी कराई गई

पैनल से हुए पोस्टमार्टम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से वीडियो व फोटोग्राफी करवाई गई। एसपी के आदेश पर फॉरेंसिक टीम ने भी वीडियो व फोटोग्राफी कर पूरे मामले पर नजर रखी। एक-एक तथ्य को इस दौरान कैमरे के सामने पैनल के डॉक्टरों ने रखा।

डॉ. सुमित की पोस्टमार्टम रिपोर्ट

डॉ. सुमित शाक्य ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में राधेश्याम के सिर की दोनों हड्डी टूटने, दिमाग की झिल्ली सिकुड़ने, छाती के दोनों ओर की पसली टूटने सहित चार चोटों का जिक्र किया था। चोटों के कारण व्यापारी की मौत होने की पुष्टि कर दी।

सीओ सोहराब आलम का तर्क

सीओ कायमगंज सोहराब आलम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया था। रामफल सक्सेना का मकान एक मंजिल का है। राधेश्याम का मकान दो मंजिला है। कोई भी नीचे से पथराव करेगा तो ऊपरी मंजिल पर खड़े व्यक्ति को इतनी गंभीर चोट नहीं लग सकती कि उसके गहरी और गुम चोट आ जाए। मौके पर आस पास के लोगों ने पथराव की पुष्टि नहीं की। पंचायतनामा भरते समय व्यापारी के पूरे शरीर को बारीकी से देखकर कार्रवाई की गई।

कई बार पोस्टमार्टम कर्मियों पर लग चुका रुपये मांगने का आरोप

पोस्टमार्टम हाउस में बिसरा सुरक्षित रखने के लिए बैरल, लॉक, स्प्रिट, कपड़ा सहित अन्य सामान विभाग मुहैया नहीं कराता है।

बैरल अक्सर पुलिस थानों से लेकर आती है। ऐसे में कर्मचारी मृतक के परिजनों से सामान लाने के लिए रुपये की मांग करते हैं। लोग रुपये देकर पोस्टमार्टम कराते हैं। कई बार लोगों ने इसको लेकर हंगामा भी किया। लेकिन व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ।

नीरज प्रकरण-11 माह बाद भी नहीं लग सका लापता युवक-युवती का सुराग

देवरिया। 11 महीने बाद भी दो थानों भलुअनी और बरहज पुलिस मिलकर चर्चित नीरज प्रकरण की गुत्थी नहीं सुझला सकी। दोनों थानों की पुलिस के हाथ अभी तक युवक-युवती का कोई सुराग नहीं लगा है। इतने लंबे तफ्तीश के बाद भी खुलासा न होने से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब लोगों की आशंका है कि युवक-युवती की हत्या कर शव को ठिकाने लगा दिया गया है। हालांकि पुलिस इस पर चुप्पी साधे हुए है।

बीते दिनों जोगिया मोड़ के निकट पुल के पास धान के खेत में क्षत-विक्षत हाल में मिले महिला के शव के बाद से नीरज के परिजन सशंकित हैं। लोग नीरज और उसकी प्रेमिका के संदिग्ध परिस्थिति में गायब होने को इन घटनाओं से जोड़कर देख रहे हैं। नीरज के साथ गायब युवती का अब तक न मिलना भी सवाल खड़ा कर रहा है। नीरज प्रकरण में बिलासपुर निवासी और उसके चचेरे भाई धीरज की तहरीर पर भलुअनी पुलिस ने युवती के पिता सहित कुछ लोगों के खिलाफ हत्या, जबकि घटना के बाद तीन नवंबर को बरहज पुलिस ने युवती के पिता की तहरीर पर नीरज के खिलाफ पुत्री को भगा ले जाने का केस दर्ज किया था। दो नवंबर की रात नीरज अपने दोस्त के साथ प्रेमिका से मिलने उसके गांव गया हुआ था। दोस्त उसे दरवाजे के बाहर छोड़कर वापस चला आया। इसके बाद नीरज के मैसेज का इंतजार करने लगा। भोर तक नीरज का मैसेज न आने पर वापस गांव लौट आया। दोस्त ने नीरज के वापस न आने की जानकारी परिवार वालों को दी। इसके बाद घर में खलबली मच गई। दोनों थानों में केस दर्ज करने के बाद पुलिस खुलासे में सोखहती से लेकर भागलपुर पुल के पास नदी खंगलवाया था। वहीं, इस मामले के खुलासे के लिए एसओजी टीम भी लगाई गई थी। पुलिस ने नीरज के कालेज के अलावा कुछ ठिकानों पर भी दबिश दिया था। पर, 11 माह बाद भी दोनों का कहीं कोई सुराग नहीं लग सका।

सांस की आस में युवक को लेकर दौड़ते रहे परिजन

इटावा। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे इकदिल हाईवे पर ट्रक की टक्कर से घायल हुए सभी घायलों को पुलिस ने ऑटो से जिला अस्पताल भिजवाया। हादसे में बाइक सवार युवक और किशोरी को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। युवक के परिजन जिंदा होने की आस में उसे निजी डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर के समझाने के बाद परिजनों ने शव को जिला अस्पताल में पुलिस को सौंपा।

इकदिल थाना क्षेत्र के बिरारी गांव निवासी सौरभ दुबे (35) पुत्र संतोष दुबे कस्बा में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान किए हुए है। गुरुवार सुबह करीब सौरभ अपने मौसेरे भाई पंकज के साथ दुकान का सामान लेने के लिए बाइक से निकला था। नेशनल हाईवे पर जैसे ही पश्चिमी चौराहा पर पहुंचे तभी सामने से अचानक ट्रक आ गया जिसकी टक्कर से दोनों भाई उछलकर गिर पड़े। भीषण हादसा होने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने हादसे में सभी घायलों को ऑटो से जिला अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टर शिवम राजपूत ने सौरभ और साहिबा को मृत घोषित कर दिया। जानकारी होने पर सौरभ के परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए। उन्हें सौरभ की सांस चलने की आशंका हुई तो वह उसको अपने साथ निजी डॉक्टर के पास ले गए। निजी डॉक्टर के समझाने पर परिजन सौरभ के शव को वापस जिला अस्पताल लेकर पहुंचे और पुलिस के सौंप दिया। उधर सौरभ की पत्नी नेहा और उसकी बहन रितु परिवार की अन्य महिलाओं के साथ जिला अस्पताल पहुंच गई। जहां सौरभ के शव को देखकर महिलाओं में चीख-पुकार मच गई और पत्नी नेहा बेसुध हो गई।

जुर्म स्वीकार कर गुनाह से की तौबा, जुर्माने पर छूटा

एटा। शहर के कैलाश मंदिर के पास ट्रक की टक्कर से महिला घायल हुई थी। आरोपी ट्रक चालक ने अपराध स्वीकार कर गुनाहों से तौबा की। जिस पर अदालत उठने तक हिरासत में रहने की सजा व दो हजार रुपया जुर्माने से दंडित कर छोड़ दिया गया। कोतवाली नगर क्षेत्र के अंतर्गत कैलाश मंदिर के पास 27 अक्तूबर 2020 को दोपहर बाद 3:30 बजे राजकुमारी की पुत्रवधू प्रभा ई-रिक्शा का इंतजार कर रही थी। इतने में पूरब की ओर से आ रहे ट्रक के चालक सुरेश चंद्र यादव निवासी नगला काजी थाना सकीट ने टक्कर मार दी। जिससे प्रभा घायल हो गई। विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में चल रहे इस मामले में आरोपी ने अपने जुर्म का इकबाल कर रहम की गुहार की। जिस पर विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट योगेश कुमार ने दोषी को विभिन्न धाराओं के अंतर्गत कुल दो हजार रुपये जुर्माना व अदालत उठने तक हिरासत में रहने की सजा से दंडित किया।

गोला फेंक में रजत, शिवांशी और रिया ने मारी बाजी

एटा। जिले में माध्यमिक विद्यालयों के 68वें जनपदीय युवा समारोह का भव्य शुभारंभ बृहस्पतिवार को हुआ। राज्यसभा सांसद हरनाथ सिंह, डायट प्राचार्य जितेंद्र सिंह तथा जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रकेश सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित किया। सांसद ने खिलाड़ियों को मशाल थमाई। जिसे लेकर एक खिलाड़ी ने पूरे मैदान का चक्कर लगाया। इसके बाद खेल प्रतियोगिताएं प्रारंभ हुईं। इसमें गोला फेंक में रजत, शिवांशी और रिया ने बाजी मारी। युवा समारोह के संयोजक आदर्श मिश्रा ने बताया कि सबसे पहले हीट दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इसमें 6 से 8 तक बालक-बालिकाओं ने एक साथ विभिन्न स्तर की दौड़ लगाई। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में से विजेता खिलाड़ियों का चयन शुक्रवार को किया जाएगा। प्रतियोगिता में जिले के कुल 62 विद्यालयों के लगभग एक हजार खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। बृहस्पतिवार को हुई प्रतियोगिता के बाद छात्रों को गांधी स्मारक इंटर कॉलेज तथा छात्राओं को प्रिंटिस बालिका कॉलेज में ठहराया गया। सीनियर बालक वर्ग की गोला फेंक प्रतियोगिता में कुंवर मनोहर सिंह इंटर कॉलेज के रजत कुमार ने पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर राष्ट्रीय इंटर कॉलेज जिन्हैरा के जगमोहन तथा तीसरे स्थान पर श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज के अभिषेक रहे। सीनियर बालिका वर्ग की गोला फेंक प्रतियोगिता में कुंवर मनोहर सिंह इंटर कॉलेज की शिवांशी प्रथम, बीडीआरएस राजा का रामपुर की आस्था द्वितीय तथा जनता इंटर कॉलेज की माधुरी तृतीय स्थान पर रहीं।

इसके अलावा वहीं जूनियर बालिका वर्ग की गोला फेंक प्रतियोगिता में जनता इंटर कॉलेज परसोन की रिया ने प्रथम, डीएवी इंटर कॉलेज सकीट की शशिप्रभा ने द्वितीय तथा गौतम बुद्ध इंटर कॉलेज की गुंजा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। एडीआईओएस क्षेत्रपाल सिंह, राजवीर सिंह, सुधीर गुप्ता, नेम सिंह, नीतू सिंह, विशांत प्रभात नोक्स, राजीव यादव, भरतवीर वर्मा, शैलेष मिश्रा, मनीष दुबे मौजूद रहे।

दोपहर 2 बजे तक भूखे रहे छात्र-छात्राएं

छात्र-छात्राओं ने बताया कि घर से खाना लेकर नहीं आए, यहां भी अभी तक खाना मिला नहीं है। जिसकी वजह से परेशानी हो रही है। वहां मौजूद शिक्षकों से पूछा गया तो उनका कहना था कि बच्चे घर से खाना लाए हैं। वहीं सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक किसी प्रकार का कोई नाश्ता भी छात्र-छात्राओं को नहीं दिया गया था।

इसकी वजह से वह काफी परेशान दिखाई दे रहे थे। इनमें गौतम बुद्ध इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज तथा जनता इंटर कॉलेज कैल्हा अलीगंज के बच्चे शामिल थे।

डॉल्फिन को भा रही है चंबल नदी, तेजी से बढ़ रहा कुनबा

इटावा। चंबल का आंचल राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन को रास आ गया। सहसों से पचनद के बीच आठ किमी के दायरे में चंबल की गोद में आधा सैकड़ा डॉल्फिन का कुनबा अठखेलियां करते दिखता है। इस क्षेत्र में विदेशी सैलानियों की भी बड़ी संख्या में आमद हो रही है और सहसों डॉल्फिन केंद्र पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने लगा है। चंबल किनारे बने इस दर्शन केंद्र से डॉल्फिन की अठखेलियां देखने के लिए आसपास के गांवों के लोगों के अलावा औरैया, जालौन, झांसी, मैनपुरी, दिल्ली, हरियाणा, पानीपत, मध्यप्रदेश के जनपद भिंड, ग्वालियर सहित अन्य जनपदों से लोग पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही विदेशी पर्यटक भी आने लगे हैं। ग्रामीणों और विभाग के प्रयास से सहसों डॉल्फिन दर्शन केंद्र पूरी तरह स्वच्छता रहती है। इससे यहां डॉल्फिन का स्थायी बसेरा है। इस स्थान से आप कभी भी डॉल्फिन के दर्शन और अठखेलियां करते देख सकते हैं। संरक्षण के लिए विभाग ने 20 किमी क्षेत्र में आखेट प्रतिबंधित किया है। सहसों को डॉल्फिन संरक्षण केंद्र बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है।

डॉल्फिन की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि

चंबल सेंचुरी रेंजर हरि किशोर शुक्ला के अनुसार, इटावा स्थित चंबल सेंचुरी के सहसों से 40 किलोमीटर क्षेत्र में बड़ी संख्या में डॉल्फिन पाई जाती हैं। चंबल नदी में 1979 में डॉल्फिन के महज पांच जोड़े थे। अब यहां पर डॉल्फिन की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इस स्थान पर 70 से 90 के करीब डॉल्फिन दिखाई देने लगी हैं। सैलानी यहां बैठकर डॉल्फिन की अठखेलियां देखते हैं। साल 2012 के सर्वे में महज 74 थीं। 2022 हुए सर्वे में राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी प्रोजेक्ट के बाह और इटावा रेंज में डॉल्फिन की गणना के ताजे परिणाम बेहद उत्साहजनक मिले। चंबल में 174 डॉल्फिन रिकॉर्ड की गई हैं। इनमें से 150 इटावा क्षेत्र और 24 बाह क्षेत्र में हैं।

डॉल्फिन की अठखेलियां कैमरे में कैद कर रहे पर्यटक

चंबल पुल और डॉल्फिन वन विश्राम गृह सेल्फी प्वाइंट बन गए हैं। खासतौर पर चंबल में अठखेलियां करती डॉल्फिन को देखने और तस्वीरों में उसे कैद करने के लिए दूर-दूर से लोग यहां पहुंचते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के परिवारों को भी चंबल का किनारा काफी पसंद आ रहा है। सेंचुरी विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, यहां डॉल्फिन की संख्या अब दोगुनी हो गई है। चंबल में डॉल्फिन के गोते लगाने का दृश्य यहां आने वाले पर्यटकों को खूब लुभा रहे हैं। लोग डॉल्फिन के साथ सेल्फी ले रहे हैं तो कई लोग इन आकर्षक पलों को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर रहे हैं।

डॉल्फिन सफारी खुलने की उम्मीद

चंबल सेंचुरी में अठखेलियां करती डॉल्फिन, घड़ियाल, मगरमच्छ, कछुए, पक्षियों और प्राकृतिक सुंदरता से गुलजार चंबल सेंचुरी में अब जल्द ही डॉल्फिन सेंचुरी क्षेत्र घोषित होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी प्रोजेक्ट की उप वन संरक्षक आरुषि मिश्रा ने शासन को एक प्रस्ताव भेजा है। इसमें डॉल्फिन सेंचुरी के लिए इटावा स्थित राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी के सहसों क्षेत्र का चयन किया है। इसमें जगतौली, सहसों डॉल्फिन गृह, सिद्धनाथ मंदिर, महुआ सूडा चार सेल्फी पॉइंट चयनित किए हैं। आरुषि मिश्रा ने बताया कि डॉल्फिन सफारी के लिए भारत सरकार ने दो स्थानों को प्रमुखता दी है। शासन स्तर पर प्रस्ताव विचाराधीन है। जल्द प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की संभावना है। इससे इको टूरिज्म और डॉल्फिन कंजर्वेशन की दिशा में सरकार का बड़ा कदम है। यहां बढ़ी संख्या में डॉल्फिन पाई जाती हैं।

विवाहिता का घर में मिला शव, हत्या का आरोप

एटा। थाना मिरहची क्षेत्र के गांव चाठी रफीपुर में बृहस्पतिवार की सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस को घर में महिला का शव रखा मिला। महिला के मायके वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर फंदा लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। महिला की करीब तीन साल पहले शादी हुई थी। गांव चाठी रफीपुर निवासी सचिन की पत्नी मधु (22) की मौत हुई है। भाई अमित कुमार निवासी नंदपुर कौंडरा थाना रिजोर ने बताया कि बहन की शादी जुलाई 2020 में हुई थी। शादी के बाद से ही बहनोई दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने लगा था। इसको लेकर कई बार गांव चाठी रफीपुर आकर समझाया। उत्पीड़न नहीं करने की गुहार लगाई। इसके बाद भी बहन को लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। आरोप है कि पिता बलवीर सिंह पलवल (हरियाणा) में एक निजी कंपनी में काम करते हैं, उनको भी कई बार बहन ने बताया था। तब पिता ने गांव आकर समझाने की बात कही थी। फिर भी ससुरालीजन नहीं माने और उत्पीड़न करते रहे। आरोप है कि बुधवार की रात बहन की गला दबाकर हत्या कर दी गई। इसके बाद शव फंदे पर लटका दिया। पुलिस पहुंची, उससे पहले शव को नीचे उतारकर रख दिया। फंदा लगाने का गले पर साफ निशान दिखाई दे रहा है। थाना प्रभारी सुभाष बाबू ने बताया कि महिला की मौत हुई है। सूचना पर पहुंचे थे, शव जमीन पर रखा मिला था।

निजी पैथोलॉजी लैब पर निकल रहा मलेरिया, मेडिकल कॉलेज में निगेटिव

एटा। जनपद में बुखार का प्रकोप फैला हुआ है। मेडिकल कॉलेज से लेकर सीएचसी व निजी नर्सिंग होम सहित क्लीनिकों पर मरीजों की भरमार है। खास बात है कि मेडिकल कॉलेज सहित सीएचसी पर बुखार के मरीजों को मलेरिया नहीं निकल रहा है। अगर वही मरीज प्राइवेट में जांच करा ले तो उसे मलेरिया की पुष्टि हो रही है। आकड़ों पर गौर करें तो चार दिन में 581 बुखार के मरीजों की मलेरिया की जांच की गई। एक भी मरीज को मलेरिया की पुष्टि नहीं हुई। हालांकि चार दिन में सात मरीज डेंगू के जरूर चिह्नित किए गए हैं।

अवागढ़ के कुबेरपुर, जरानी खुर्द आदि गांव में बुखार का प्रकोप फैल चुका है। इन दिनों मारहरा क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर सहित शीतलपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव रारपट्टी में भी बुखार का प्रकोप है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें दो दिन से लगातार निगरानी किए हुए हैं। इसके अलावा अन्य कई गांव ऐसे हैं जहां बुखार का प्रकोप चल रहा है। लोग निजी क्लीनिक सहित नर्सिंग होम में उपचार करा रहे हैं। प्राइवेट पैथोलॉजी पर जांच में कई बुखार पीड़ितों को मलेरिया की पुष्टि हो रही है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में एक भी केस मलेरिया का नहीं आ रहा है। विभाग में जनवरी से अब तक कुल 33 केस मलेरिया के आए हैं।

केस एक

निधौलीकलां ब्लॉक क्षेत्र के गांव नगला वरी निवासी अभिलाख को पांच दिन से बुखार आ रहा था। दो दिन पहले मेडिकल कॉलेज में जांच कराई। यहां मलेरिया की रिपोर्ट निगेटिव आई। बृहस्पतिवार को शहर की एक पैथोलॉजी पर जांच कराई रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

केस दो

सकीट क्षेत्र के गांव लोया बादशाहपुर निवासी अवनीश को पांच दिन पहले बुखार आया। उन्होंने सीएचसी सहित मेडिकल कॉलेज में डेंगू, मलेरिया की जांच कराई, रिपोर्ट निगेटिव आई, लेकिन बुखार सही नहीं हुआ तो परिजन जीटी रोड स्थित शहर के प्राइवेट नर्सिंग होम ले गए। यहां जांच में मलेरिया निकला।

आंकड़ों पर एक नजर

जनवरी से अब तक आए मलेरिया केस- 33

डेंगू के कुल केस- 41

सरकारी अस्पतालों में मलेरिया की जांच पहले कार्ड से की जाती है। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर माइक्रोस्कोप से जांच होती है।

इस साल में अभी तक सिर्फ 33 केस ही सामने आए हैं। जांच कराई जाएगी कि निजी पैथोलॉजी लैब पर किस विधि से जांच की जा रही है। -डॉ. उमेश त्रिपाठी, सीएमओ

संक्षिप्त समाचार

हादसे में गई युवक की जान, अंधेरे में गुजर गए कई वाहन

बरेली। बरेली-पीलीभीत हाइवे पर सुंडियावा मोड़ के पास बृहस्पतिवार शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। अंधेरा होने की वजह से कई वाहन शव को रौंदते हुए निकल गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षत-विक्षत शव को सील करके पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जेब में रखे आधार कार्ड के जरिये मरने वाले की पहचान नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव बिजौरिया इस्लामनगर निवासी कल्लू शाह के तौर पर हुई है। सूचना पर परिजन भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। कई वाहनों से कुचले जाने की वजह से शव के टुकड़े हाइवे पर 50 मीटर तक फैल गए। सिर भी लगभग गायब हो गया। थाने पहुंची पत्नी अबरुल निशां ने बताया कि परिवार में एक बेटी और तीन बेटे हैं।

एक सप्ताह में दूसरा हादसा

हाइवे पर एक सप्ताह के अंदर यह दूसरा हादसा हुआ है। शनिवार देर रात लाडपुर मोड़ के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की जान चली गई थी। रातभर शव को वाहन रौंदते रहे। सिर बुरी तरह से कुचल जाने की वजह से पहचान भी नहीं हो पाई।

हाइवे पर नहीं खड़ी होती एंबुलेंस

बरेली-पीलीभीत हाइवे पर टोल वसूली होने के बाद भी सुविधाओं का अभाव है। मोड़ पर रिफ्लेक्टर नहीं लगे हुए हैं। हाइवे पर एंबुलेंस भी खड़ी नहीं होती। हादसे के बाद अगर सरकारी एंबुलेंस को कॉल की जाती है तो काफी देर में एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंचती है। सड़क भी जगह-जगह बदहाल है।

नौ को शिक्षक संघ लखनऊ में देगा धरना

बस्ती। बीआरसी परिसर में बृहस्पतिवार को प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने शिक्षकों के साथ बैठक की। इसमें नौ अक्तूबर को शिक्षा निदेशालय लखनऊ में धरना-प्रदर्शन की तैयारियों पर चर्चा की गई। बालकृष्ण ओझा ने बताया कि पुरानी पेंशन बहाली सहित 21 सूत्री मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष शिव रतन ने कहा कि बड़ी संख्या में शिक्षक लखनऊ जाएंगे। इस मौके पर ब्लॉक मंत्री राम भवन यादव, कमालुद्दीन, रमाकांत, अंगद सिंह, हरि गोपाल शुक्ल, रामस्वरूप, फैजुल रहमान आदि मौजूद रहे।

राजस्व कर्मियों ने की विवादित भूमि की पैमाइश

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरखीलिया उर्फ मटियारिया में बृहस्पतिवार को राजस्व विभाग की टीम पैमाइश करने पहुंची। राजस्व कर्मियों ने विवादित जीवन का सीमांकन कर दोनों पक्ष की सहमति ली। कानूनगो मोहम्मद सरवर ने बताया कि रिपोर्ट एसडीएम कार्यालय में दी जाएगी। जमीन विवाद के कारण रत्नावती का इंदिरा आवास का निर्माण पूरा नहीं हो रहा था। उन्होंने मामले की शिकायत एसडीएम सदर से की थी। इसके बाद राजस्व कर्मी जमीन का सीमांकन करने पहुंचे थे। इस मौके पर राजस्व निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप, हल्का लेखपाल विकास मौर्य, राजेंद्र, मनिराम आदि मौजूद रहे।

नाले की सफाई के दौरान मारपीट, दो नामजद

बस्ती। थानाक्षेत्र के दौलतपुर गांव में नाले की सफाई के दौरान हुए विवाद में पति-पत्नी की पिटाई के मामले में पुलिस ने पीड़ित के तहरीर पर दो लोगों पर बृहस्पतिवार को केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, दौलतपुर गांव निवासी पवन कुमार ने आरोप लगाया है कि तीन अक्टूबर की शाम करीब सात बजे नाले की सफाई करते वक्त विपक्षी राधेश्याम और उनकी पत्नी सुशीला अपशब्द कहते लाठी-डंडे से उसकी पिटाई करने लगे। बीच बचाव करने आई पत्नी नीतू देवी को भी मार पीटा। थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद ने बताया कि केस दर्ज कर घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौर भेजा गया है।

महिला प्रधान के बेटे ने मां के अपहरण की दे दी फर्जी सूचना

बस्ती। बनकटी ब्लॉक के विकास खंड कुदरहा के अंतर्गत कड़सरी मिश्र की प्रधान शांति देवी के बेटे ने लखनऊ से पुलिस को मां के अपहरण की सूचना दे दी। पुलिस ने जांच की तो मामला प्रधानी चलाने का विवाद का निकला। जानकारी के अनुसार, लालगंज थाना क्षेत्र के कड़सरी गांव की एससीएसटी आरक्षित सीट पर शांति देवी ग्राम प्रधान चुनी गई हैं। मगर ग्राम पंचायत का कामकाज प्रतिनिधि के तौर परमेश चौधरी चला रहे थे। दोनों में किसी बात पर मतभेद हो गया। बृहस्पतिवार को शांति देवी का लखनऊ में रह रहा बेटा अचानक 112 नंबर पर पुलिस को फोन कर दिया उसने बताया कि उनकी मां शांति देवी का अपहरण हो गया है। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। बाद में पता चला कि शांति देवी उस समय लालगंज थाने पहुंची थी। वहां से यह कहकर गई कि ढाई साल प्रधानी रमेश चलाए। मगर आगे वह स्वयं चलाएगी। पुलिस ने उसे आश्वस्त किया कि आप प्रधान हो और आपको प्रधानी चलाने से कोई रोक नहीं सकता। इसके बाद मामले का पटाक्षेप हुआ।

जमीन से दो मीटर ऊपर लटक रहे तार

बस्ती। बिजली आपूर्ति के लिए शहर में स्थापित संसाधनों की दशा बेहद खराब है। जर्जर तार जमीन की तरफ लटके हुए हैं। इससे नागरिकों को आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। हमने जन समस्याओं को देखते हुए बृहस्पतिवार को कुछ मुहल्लों जायजा लिया। तमाम जगह स्थिति बेहद खराब मिली। करंट प्रवाहित तारों का जमीन से डेढ़ से दो मीटर ऊपर लटकना खतरे का संकेत माना जा सकता है। शहर के महरीखावां, तुर्कहिया और पांडेय पोखरा क्षेत्र में स्थिति बेहद संवेदनशील मिली। पांडेय पोखरा मोहल्ले में 11 केवी की एरियल बंच कंडक्टर (एबीसी) जमीन से महज दो मीटर ऊपर लटकती मिली। मार्ग से गुजर रहे धर्मेंद्र ने बताया कि यदि बचकर न चलें तो केबल सिर में छू जाए। महरीखावां में रामबाग स्कूल के पास 11 केवी की एबीसी लाइन के तार कटे हुए मिले, यह जमीन से महज डेढ़ मीटर ऊपर लटक रहे हैं। गौर करने वाली बात यह कि इस लाइन में 24 घंटे करंट प्रवाहित होता रहता है। ब्लॉक रोड पर दिनभर भारी ट्रैफिक रहती है। यहां पर डबल खंभे पर रखे गए ट्रांसफार्मर का एलटी लाइन का नंगा तार जमीन से महज एक मीटर ऊंचाई पर लगाया गया है। भीड़-भाड़ अधिक होने से यहां दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। यही हाल रौता पेट्रोल पंप, बड़ेबन, नरहरिया काली मंदिर, बरनवाल कॉलोनी, प्रह्लाद कॉलोनी, रानी पोखरा, डमरूआ, उत्तरी आवास विकास, नेबुलवा ताल, पांडेय पोखरा, मनहनडीह, रामपुर, सुपेलवा, हवेलिया खास, मड़वानगर न्यू कॉलोनी आदि इलाकों में देखा जा सकता है।

प्राथमिक विद्यालय से डेढ़ लाख रुपये का सामान चोरी

भदोही। थाना क्षेत्र के कमौना गांव में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में बुधवार रात को ताला तोड़कर करीब डेढ़ लाख रुपये का सामान चोरी हो गया। इसमें प्रधानाध्यापक रौदास सिंह ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। प्रधानाध्यापक ने बताया कि बुधवार को करीब साढ़े तीन बजे वह स्कूल के सभी कक्षों व मुख्य दरवाजों पर ताला लगाकर गए थे। बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे स्कूल पहुंचे। वहां मौजूद बच्चों ने बताया कि पहले से स्कूल का ताला टूटा हुआ था। एस्ट्रोनोमी लैब, ऑफिस, लाइब्रेरी, एनपीसीएल कक्ष के भी ताले टूटे हुए थे। अंदर जाकर देखा कि कमरों में सामान बिखरा हुआ था। इसमें इन्वर्टर, एलईडी, हाईड्रोलिक जैक, लेजर 303, रसोई का सामान, दो गैस सिलेंडर, जनरेटर का कन्टेनर, खेल सामग्री व लाइब्रेरी के पंखे गायब थे।

30 लाख रुपये से होगा दौलतपुर जहांगीराबाद मार्ग का निर्माण

भदोही। कस्बा दौलतपुर से जहांगीराबाद मार्ग का निर्माण 30 लाख रुपये से होगा। यह कार्य क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र सिंह लोधी के प्रयास से हो रहा है। राशि स्वीकृत होने के बाद लोक निर्माण विभाग द्वारा जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। विधायक देवेंद्र सिंह लोधी ने बताया कि करीब एक साल से सड़क के निर्माण के लिए प्रयासरत था। पिछले महीने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रस्ताव देकर सड़क निर्माण की मांग की गई थी। सड़क निर्माण से क्षेत्र के हजारों लोगों को फायदा होगा। बता दें कि इस मार्ग की इस समय हालत काफी खराब है। इसके चलते यहां से गुजरने वाले वाहन चालक और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही इस मार्ग पर पड़ने वाले गांव के ग्रामीणों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

चार दिन से गायब युवती का नहीं लगा सुराग

गाजियाबाद। थाना क्षेत्र के एक गांव से गायब युवती का चार दिन बाद भी सुराग नहीं लग सका है। परिजन युवती के साथ अनहोनी की आशंका जता रहे हैं। घटना के चार दिन बाद भी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार एसएसपी के कार्यालय पर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहा है। थाना प्रभारी रामवीर सिंह का कहना है की तहरीर मिली थी। परिजनों ने मुकदमा दर्ज करने से मना किया है।

एशिएन गेम्स में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले हरिंदर ने तीसरी कक्षा में ही थाम लिया था रैकेट

चंडीगढ़। होनहार बिरवान के होत चिकने पात.. मुहावरा हरिंदर पर खूब चरितार्थ होती है। एशियन गेम्स में प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले मोहाली के हरिंदर पाल संधू ने महज तीसरी कक्षा में ही हाथ में रेकेट थामकर इरादे जाहिर कर दिए थे। शहर से स्क्वैश की बारीकियां सीख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले हरिंदर ने एशियन गेम्स में मिक्स डबल्स में भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक की पत्नी दीपिका पल्लीकल के साथ मिलकर भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले वह पुरुष वर्ग के टीम इवेंट में सौरव गौशाल के साथ मिलकर स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। हरिंदर की इस उपलब्धि पर मोहाली के सेक्टर-69 स्थित उनके घर में जश्न का माहौल है। पंजाब पुलिस से एसपी रिटायर हुए हरिंदर के पिता हरपाल सिंह संधू ने बताया कि उनके बेटे में खेलों के प्रति जनून बचपन से ही था। उसने तीसरी कक्षा में ही स्क्वैश का रेकेट थाम लिया था। हरिंदर की कोचिंग वाईपीएस स्कूल मोहाली से शुरू हुई, जहां उनके कोच अमितोज ने उन्हें तराशा। इसके बाद वह अंडर-15 के नेशनल चैंपियन बने। आठवीं के पढ़ाई के दौरान अपने शौक को आगे बढ़ाते हुए हरिंदर ने स्क्वैश फेडरेशन ऑफ इंडिया की चेन्नई स्थित अकादमी में दाखिला लिया। हरिंदर वहीं खेल को तराश रहे हैं।

चीन के हांगझाऊ में चल रहे एशियन गेम्स में दीपिका और हरिंदर ने फाइनल में आइफा बिंटी अजमन और मोहम्मद सयाफिक बिन मोहम्मद कमल को 35 मिनट में 11-10 11-10 से हराया।

पिता बोले- घर पर पहुंचने पर बेटे का हरिंदर के पिता हरपाल सिंह संधू ने बताया कि मेरे साथ पूरे परिवार को विश्वास था कि बेटा एशियन गेम्स में जरूर कुछ खास करने वाला है। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में दो स्वर्ण पदक जीतना वर्षों तक याद रहेगा। चीन से घर वापस आने पर पूरा परिवार बेटे का शानदार स्वागत करेगा।

एशियन गेम्स में दीपिका पल्लीकल चार एशियाई खेलों में छह पदक जीत चुकी हैं, जिसमें एक स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। वीरवार को दिनेश कार्तिक ने एक्स पर पोस्ट करके अपनी पत्नी को इस उपलब्धि हासिल करने पर बधाई देते हुए लिखा कि यह फिर से सुनहरा समय है शाबाश दीपिका पल्लीकल और हरिंदर।

पहले दिन 18 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

बस्ती। सिविल बार एसोसिएशन चुनाव का बिगुल बज चुका है। बृहस्पतिवार को नामांकन के पहले दिन से ही चहल-पहल बढ़ गई है। अध्यक्ष एवं महामंत्री समेत विभिन्न पदों के लिए 18 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल यया। मुख्य चुनाव अधिकारी मोतीचंद पांडेय ने बताया कि अध्यक्ष पद पर रामपलट मिश्र, उपेंद्र नाथ दुबे ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए प्रभाकर मिश्र, वामदेव मिश्र, गोपेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष के लिए सर्वेश चंद्र दुबे, महामंत्री पद के लिए अजय कुमार पांडेय, शशि प्रकाश शुक्ल, कनिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए सर्वेश कुमार पांडेय ने पर्चा भरा है। इसके अलावा संयुक्त मंत्री के लिए कृष्ण नारायण पांडेय, रत्नेश कुमार पांडेय, विकास शर्मा व गुलाम नवी, कोषाध्यक्ष के लिए विमलेंद्र मणि त्रिपाठी, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए जोखन प्रसाद, मेराज अहमद, मनीष कुमार सिंह व कनिष्ठ कार्यकारिणी के सदस्य पद के लिए मो. आजम ने पर्चे दाखिल किए हैं। छह अक्तूबर को नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि है। सात अक्तूबर को दिन में 11 से लेकर तीन बजे तक पर्चों की जांच व नाम वापसी होगी।

खादी का नेक काम, अब हर महीने एक पुलिस सर्किल में होगा रक्तदान

चंदौली। चंदौली एसपी डॉ. अनिल कुमार ने जिले में एक नेक पहल शुरू कराई है। इसके तहत हर महीने एक पुलिस सर्किल में पुलिस द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पुलिस के साथ जनता भी रक्तदान करेगी। इसकी शुरुआत सोमवार को पीडीडीयू सर्किल में हुआ। जहां सीओ अनिरूद्ध सिंह के नेतृत्व में जिले में अब तक सबसे ज्यादा 101 यूनिट रक्तदान हुआ। एसपी, एसडीएम, सीओ, इंस्पेक्टर और 60 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने रक्तदान किया। कानून और सुरक्षा के साथ चंदौली पुलिस अब सीधे तौर पर जनसरोकार से जुड़ रही है। एसपी डॉ.अनिल कुमार की पहल पर सोमवार को पीडीडीयू नगर सीओ अनिरूद्ध सिंह के कार्यालय परिसर में मैक्सवेल हॉस्पिटल स्थित ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सुबह से ही पुलिसकर्मियों और आम लोगों की भीड़ जुट गई। एसपी डॉ.अनिल कुमार ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह शिविर प्रत्येक महीने जिले के एक सर्किल में लगेगी। चंदौली में किसी को भी खून की कमी नहीं होगी। बताया कि पहली बार रक्तदान करने में ही झिझक होती है उसके बाद हर बार का रक्तदान से आपको एक अद्भुत सुकून मिलेगा। उन्होंने रक्तदान करने वाले महादानियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। रक्तदान शिविर में एसपी डॉ.अनिल कुमार, एसडीएम अविनाश कुमार, सीओ अनिरूद्ध सिंह, महिला एसओ प्रियंका सिंह, इंस्पेक्टर अनिल पांडेय, एसआई मुकेश तिवारी, हरिकेष, सतीश, वीरेंद्र, दिलीप श्रीवास्तव आदि ने रक्तदान किया।

सीओ आशुतोष 13वीं और उनकी पत्नी प्रियंका ने 18वीं बार किया रक्तदान

चंदौली में सीओ क्राइम आशुतोष ने अपनी पत्नी प्रियंका तिवारी के साथ रक्तदान किया। जिसकी काफी चर्चा रही। सीओ आशुतोष का यह 12वां और उनकी पत्नी प्रियंका का यह 12वां रक्तदान था। उन्होंने बताया कि समाज में आज भी रक्तदान को लेकर तमाम भ्रांतियां है। जिसे दूर किया जाना चाहिए। सबको परिवार के साथ रक्तदान करना चाहिए। इससे बड़ा कोई नेक कार्य नहीं। एक यूनिट ब्लड से तीन लोगों को जीवनदान मिल सका है। 18वीं बार रक्तदान करने के बाद उनकी पत्नी प्रियंका काफी खुश थीं। बताया कि मेरे परिवार में सभी लोग काफी पहले से रक्तदान करते हैं। इससे प्रेरित होकर मैं जब भी जरूरत होती है रक्तदान करती हूं।

पुलिस के साथ डॉक्टर होने का धर्म निभा रहे एसपी

चंदौली के एसपी डॉ. अनिल कुमार ने डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर से एमबीबीएस करने के बाद कुछ दिनों तक गुरु तेगबहादुर अस्पताल, नई दिल्ली में काम भी किया है। उन्होंने 2020 में कानपुर में एसपी पश्चिमी रहने के दौरान पुलिस से रक्तदान की शुरुआत कराई थी। जिसके बाद अब वे चंदौली के एसपी हैं और यहां भी आने के कुछ दिन बार भी रक्तदान की मुहिम शुरू की है। कानपुर में दानवीर नाम की वेबसाइट थी जिसपर लोग ऑनलाइन आवेदन करते थे। चंदौली में भी ऐसी सुविधा शुरू हो सकती है। फिलहाल व्हाटसएप ग्रुप के माध्यम से लोगों को जोड़ा जा रहा है। एसपी ने बताया कि इस मुहिम को ऐसे तैयार किया जाएगा कि हमारे या किसी अधिकारी के जाने के बाद भी यह हमेशा बना रहे।

यातायात का अजब फार्मूला... न रहेगा चौराहा, न लगेगा जाम, लोग हो रहे परेशान

बरेली। बरेली में श्यामगंज पुल के नीचे डिवाइडर से सटाकर सड़क के उस पार श्यामगंज पुलिस चौकी तक बोल्डर रखे हैं। इन्हें हटाया नहीं गया है। अब लोगों को घूमकर जाना पड़ रहा है, वहीं लोग जाम से भी जूझ रहे हैं। बरेली में सप्ताहभर पहले रूट डायवर्जन के दौरान श्यामगंज पुल के नीचे यातायात पुलिस ने बोल्डर रखकर चौराहा ही खत्म कर दिया। डिवाइडर से सटाकर सड़क के उस पार श्यामगंज पुलिस चौकी तक बोल्डर रखे हैं। इन्हें हटाया नहीं गया है। अब लोगों को घूमकर जाना पड़ रहा है, वहीं लोग जाम से भी जूझ रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि पुलिस ने चौराहा ही खत्म कर दिया है। यातायात पुलिस ने इसी तरह का प्रयोग ईंट पजाया चौराहे पर भी किया है। यहां भी बोल्डर लगाकर चौराहा खत्म कर दिया है। तब से यहां भी वाहनों की लंबी कतार लगती है। सेटेलाइट पर इसी तरह दिनभर जाम की स्थिति रहती है। पुल के नीचे रोडवेज बसें भी खड़ी रहती हैं। इसकी वजह से भी यहां जाम लगता है। यहां अतिक्रमण के खिलाफ कभी कोई कार्रवाई नहीं होती है। श्यामगंज चौराहे के नीचे अवैध टेंपो और ई-रिक्शा स्टैंड बन गया है। इसके खिलाफ भी कभी कोई कार्रवाई नहीं होती। पुलिस नगर निगम पर टालती है और नगर निगम पुलिस अफसरों पर मामला टालता रहता है। श्यामगंज बाजार सड़क के बीच में दिनभर बाइकें खड़ी रहती हैं। इसमें अधिकतर बाइकें दुकानदारों की होती हैं। शहर के बाहर जाने वाले कई लोग भी यहां अपनी बाइकें खड़ी कर चले जाते हैं। यहां दिनभर लोडिंग और अनलोडिंग भी होती रहती है। इससे बाजार में जाम रहता है।

लोगों का दर्द

स्थानीय निवासी जितेंद्र कुमार यातायात व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। कई बार व्यापारी इस मुद्दे को उठा चुके हैं मगर कोई समाधान नहीं हो पा रहा है। अब तो श्यामगंज चौराहा ही खत्म कर दिया है। इसका यही मतलब है- न रहेगा चौराहा न लगेगा जाम। व्यापारी हर सहयोग के लिए तैयार हैं। सोनू आहूजा ने कहा कि शहर में ई-रिक्शा और टेंपो बेतरतीब चल रहे हैं। पहले कलर कोडिंग की बात हो रही थी और अब कहीं यह दिखाई नहीं दे रहा है। श्यामगंज में बहुत बेतरतीब तरीके से टेंपो खड़ाकर सवारियां भरी जाती हैं। इनके खिलाफ कभी कोई कार्रवाई नहीं होती है। धीरज चौधरी ने कहा कि आजाद इंटर कॉलेज के पास से ही ठेले, ई-रिक्शा व टेंपो वाले सड़क घेरे खड़े रहते हैं। ईंट पजाया पर भी चौराहा खत्म कर बोल्डर लगाकर रास्ता सीधा कर दिया है। अब यहां वाहनों की कतारें लगी रहती हैं। चौराहा खत्म कर जाम खत्म करना समाधान नहीं है।

एसपी ट्रैफिक ने लागू कराई व्यवस्था

सीओ श्री आशीष प्रताप सिंह ने कहा कि चौकी के बाहर जाम लगता था। एसपी ट्रैफिक ने यह व्यवस्था लागू कराई है। लोगों को थोड़ा घूमना जरूर पड़ रहा है मगर जाम नहीं लग रहा है। अभी यह ट्रायल के तौर पर है। अगर यह सफल होगा तो इसे आगे भी लागू रखा जाएगा।

पूर्व पार्षद और बेटे समेत पांच पर कराई छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज

बरेली। ऑटो रिक्शा एजेंसी की पार्टनर महिला ने एजेंसी मालिक व उसके बेटे समेत पांच लोगों के खिलाफ छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मुरादाबाद निवासी महिला ने सीबीगंज थाने में रिपोर्ट कराई कि उसके पति की बंडिया निवासी पूर्व पार्षद से पहचान थी। पूर्व पार्षद पर ऑटो रिक्शा एजेंसी है। उसने कहा कि दो लाख रुपये एजेंसी में लगा दें तो दस हजार रुपये महीने लाभ देंगे और मूलधन बना रहेगा। महिला ने यह रकम पूर्व पार्षद को उसकी पत्नी व बेटे के सामने दी। लिखित करार के बाद कुछ समय बाद ही तोड़ दिया गया। महिला ने बताया कि दो जुलाई को बरेली में उसके पति की परीक्षा थी। वह पति के साथ बरेली आई। पूर्व पार्षद उसे अपने घर ले गया। वहां उसके साथ छेड़खानी की। विरोध करने पर पीटा व जान से मारने की धमकी दी। 31 जुलाई को उसका हिसाब करने को कहा, लेकिन किया नहीं। 18 अगस्त को जब वह और उसके पति घर पहुंचे तो वहां दो नकाबपोश लोग पहले से थे। उन्होंने उसके साथ छेड़खानी कर पति को जातिसूचक गालियां दीं।

60 साल के व्यक्ति ने पांच साल की बच्ची से किया दुष्कर्म, खून से लथपथ मिली मासूम

बरेली। बरेली में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 60 साल के व्यक्ति ने टॉफी दिलाने के बहाने उसके साथ हैवानियत की। इसके बाद फरार हो गया। मासूम की मां जब उसे खोजते हुए आरोपी के घर पहुंची तो बच्ची लहूलुहान हालत में मिली। बरेली के फरीदपुर में टॉफी दिलाने का लालच देकर बुजुर्ग व्यक्ति ने पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। कस्बे के एक मोहल्ले की रहने वाली पांच साल की बच्ची बृहस्पतिवार दोपहर घर के बाहर गली में खेल रही थी। घर के सामने रहने वाला 60 वर्षीय व्यक्ति टॉफी दिलाने का लालच देकर उसे अपने घर ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। काफी देर बाद भी जब बच्ची घर नहीं पहुंची तो उसकी तलाश शुरू की गई। बच्ची को खोजते हुए मां सामने वाले घर में पहुंची तो आरोपी फरार हो गया। खून से लथपथ बच्ची को लेकर मां थाने पहुंची और तहरीर दी। फरीदपुर थाने के इंस्पेक्टर दयाशंकर ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

महिला सिपाही पर रिश्वत मांगने का आरोप

पीड़ित बच्ची की मां ने थाने में तैनात महिला सिपाही पर रिपोर्ट दर्ज करने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। महिला ने बताया कि सिपाही ने उससे कहा कि 200 रुपये दो। अभी टीम भेजकर आरोपी को गिरफ्तार कर लेंगे। उसने रुपये न होने की बात कही तो वह टरकाने लगी।

सीओ फरीदपुर गौरव सिंह ने कहा कि बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची की मां ने महिला कांस्टेबल पर रुपये मांगने का आरोप लगाया गया है। उसकी भी जांच कराई जाएगी।

एलएलएम का परीक्षा परिणाम जारी सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बृहस्पतिवार विधि पाठ्यक्रम एलएलएम का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। विश्वविद्यालय परिसर विधि विभाग के सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में पास हुए हैं। साथ ही, पूरे बैच का प्लेसमेंट भी हुआ है। विधि संकायाध्यक्ष डॉ. अमित सिंह के मुताबिक वर्ष 1987 में विधि विभाग स्थापित हुआ। तब से पहली बार ऐसा मौका आया है, जब सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। सौ फीसदी प्लेसमेंट के संबंध में बताया कि पिछले दिनों जारी हुए पीसीएस-जे के परिणाम में इसी बैच की तीन छात्राएं शामिल रहीं। कई विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट परीक्षा पास की। वहीं, कई विद्यार्थियों ने यूनिवर्सिटी और अलग-अलग कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति पाई है। इसकी वजह, तीन साल से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में नए पाठ्यक्रम, परीक्षा मूल्यांकन प्रणाली रही। नए पाठ्यक्रम में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019, मोटर यान अधिनियम, महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा अधिनियम 2016, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (साइबर लॉ), ट्रिपल तलाक विधि 2019, उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता अधिनियम, एनजीटी आदि शामिल हैं।

60 फीसदी बेटियों ने हासिल किए सर्वाधिक अंक

एलएलएम सत्र 2022-23 के सभी विद्यार्थियों में 60 फीसदी छात्राओं के अंक सर्वाधिक रहे। पहले तीन स्थानों में 78 फीसदी अंक लेकर अनुष्का मूलचंदानी पहले, 77 फीसदी अंक के साथ सुलेखा खातून दूसरे और 75 फीसदी अंक हासिल कर अंजलि गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

डॉ. अमित के मुताबिक वैल्यू एडेड कोर्स को विधि शिक्षा में शामिल किया गया। इनमें योग, कंप्यूटर एप्लीकेशन, कंप्यूटर फंडामेंटल, सिक्योरिटी लॉ, एनसीसी, क्लीनिकल लीगल एड, श्रमिक विधि शास्त्र आदि हैं। वहीं, स्किल डेवलपमेंट में पहली बार विधि विषय में सीबीसीएस सिस्टम, वाईजीपीए सिस्टम, एसजीपीए सिस्टम बेस्ड मार्कशीट जारी की गई, ताकि विद्यार्थियों को विदेश में पीएचडी करने का मौका मिल सके।

महिला डॉक्टर का कार्ड बनाने के नाम पर 20 हजार ठगे

चंडीगढ़। साइबर क्राइम पुलिस में धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रचने की धाराओं में एक मामला दर्ज किया गया है। सेक्टर 38ए की मीनू देवी (45) ने पुलिस को शिकायत दी है। शिकायतकर्ता के मुताबिक उनके साथ 20,460 रुपये की ऑनलाइन ठगी की गई। महिला का कहना है कि वह सेक्टर-25 स्थित एक क्लीनिक में डॉक्टर हैं। बीते एक सितंबर को उनके पति के नंबर पर सुबह 10.40 बजे एक कॉल आई थी। उसने मीनू देवी से बात करने को कहा, जिसके बाद शिकायतकर्ता ने कॉलर से बात की। आरोपी ने कहा कि वह एसबीआई का कार्ड बना रहे हैं और शिकायतकर्ता के बताने पर उनसे उनके पुराने क्रेडिट कार्ड का 16 अंकों का नंबर ले लिया ।इसके बाद शिकायतकर्ता के पति के नंबर पर व्हाट्सएप कॉल आई और उसने भी कार्ड की स्टेटमेंट और दस्तावेज मांगे। इसके बाद अगले दिन शिकायतकर्ता को कॉल आई और ओटीपी नंबर पूछते हुए केवाईसी पूरी करने के नाम पर वेरिफिकेशन कोड बताने को कहा गया। इसके बाद शिकायतकर्ता के खाते से 20,460 रुपये कट गए।

प्रधानों के खिलाफ मिली शिकायतों पर होगी प्रभावी कार्रवाई, डीएम रविंद्र कुमार ने दिए सख्त निर्देश

बरेली। डीएम रविंद्र कुमार ने बृहस्पतिवार को ब्लॉकवार समिति गठित की है। समिति के अधिकारियों को 72 घंटे से पहले प्रधान को नोटिस तामील कराकर 15 दिन में स्थलीय जांच रिपोर्ट देने के लिए कहा है। बरेली में ग्राम प्रधानों के खिलाफ प्राप्त शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए डीएम रविंद्र कुमार ने बृहस्पतिवार को ब्लॉकवार समिति गठित की है।

समिति के अधिकारियों को 72 घंटे से पहले प्रधान को नोटिस तामील कराकर 15 दिन में स्थलीय जांच रिपोर्ट देने के लिए कहा है। जांच समिति को शिकायतों का बिंदुवार स्थलीय सत्यापन करना होगा। रिमाइंडर का इंतजार किए बगैर अनिवार्य रूप से जिला पंचायत राज अधिकारी को रिपोर्ट देनी होगी। आरोपी को नोटिस तामील कराने के साथ ही उन्हें समय और स्थान भी बताना होगा, ताकि वे अभिलेख के साथ मौजूद रहें। नोटिस के बावजूद अगर निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर नहीं पहुंचेंगे तो माना जाएगा कि आरोपी को कुछ नहीं कहना है। ऐसे में मौके पर मौजूद तथ्यों/साक्ष्यों के आधार पर जांच रिपोर्ट तैयार की जाएगी। नोटिस की प्रति संबंधित खंड विकास अधिकारी/सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के जरिये तामील करानी होगी। वहीं, डीपीआरओ को समिति की जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करनी होगी।

15 ब्लॉकों में गठित समिति के नामित अधिकारी

- क्यारा में जिला दिव्यांगजन एवं सशक्तीकरण अधिकारी और सहायक अभियंता निर्माण खंड भवन।
- भोजीपुरा में जिला गन्ना अधिकारी और सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी।
- बिथरी चैनपुर में जिला प्रोबेशन अधिकारी और डीआरडीए के सहायक अभियंता।
- रामनगर में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी और सहायक अभियंता लघु सिंचाई।
- आलमपुर जाफराबाद में जिला उद्यान अधिकारी और सहायक अभियंता निर्माण खंड प्रथम।
- मझगवां में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत और सहायक अभियंता पीएमजीएसवाई।
- नवाबगंज में जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी और सहायक अभियंता प्रांतीय खंड।
- भदपुरा में भूमि संरक्षण अधिकारी और उप्र राजकीय निर्माण निगम के सहायक अभियंता।
- फरीदपुर में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी और आरईडी के सहायक अभियंता।
- भुता में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी और आरईडी के सहायक अभियंता।
- मीरगंज में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता और मंडी परिषद के सहायक अभियंता।
- फतेहगंज पश्चिमी में जिला कृषि अधिकारी और पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता।
- बहेड़ी में सहायक निदेशक मत्स्य और रुहेलखंड कैनाल के सहायक अभियंता।
- दमखोदा में सहायक सेवायोजन अधिकारी और अभियंता जिला पंचायत।
- शेरगढ़ में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी और प्रांतीय खंड के सहायक अभियंता।

दगाबाज यार, बेवफा बीवी-दोनों ने मिलकर की हत्या...दुबई में रची गई थी साजिश

बरेली। बचपन के दोस्त मिट्ठू ने सुखजीत की पत्नी को न सिर्फ वेबफाई के लिए उकसाया, बल्कि दुबई से भारत आकर दोस्त को मौत के घाट भी उतार दिया था। बंडा के बसंतापुर के मूल निवासी सुखजीत सिंह इंग्लैंड में रहते थे। शाहजहांपुर के एनआरआई सुखजीत सिंह उर्फ सोनू की हत्या में कोर्ट ने पत्नी रमनदीप कौर और उसके प्रेमी मिट्ठू को दोषी माना है। सजा कितनी होगी, यह तय होना बाकी है। बचपन के दोस्त मिट्ठू ने सुखजीत की पत्नी को न सिर्फ वेबफाई के लिए उकसाया, बल्कि दुबई से भारत आकर दोस्त को मौत के घाट भी उतार दिया था। बंडा के बसंतापुर के मूल निवासी सुखजीत सिंह इंग्लैंड में रहते थे। जुलाई 2016 में परिवार के साथ भारत आए थे। अपने फार्म हाउस पर रुके थे।

हत्या की वारदात एक सितंबर 2016 को हुई। दो सितंबर की सुबह सुखजीत सिंह की ब्रिटिश पत्नी रमनदीप के शोर से परिजनों की आंख खुली तो सुखजीत सिंह की रक्तरंजित लाश देखकर होश उड़ गए। कुछ ही देर में मौके पर आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। शानदार कोठी के दूसरी मंजिल पर बने कमरे में सुखजीत का शव पड़ा था। उनका गला काटा गया था। रमनदीप ने पुलिस को बताया था कि वह अलग कमरे में सो रहे थे। सुबह उसे हत्या की जानकारी हो सकी है। सुखजीत के घर दो खतरनाक कुत्ते भी पले थे, जो बेहद अलसाई स्थिति में मिले थे। रमनदीप कौर पति की मौत से गमजदा होने के स्थान पर पुलिस और लोगों का वीडियो बनाती रही। सुखजीत की किसी से रंजिश की बात भी सामने नहीं आई थी, इससे पुलिस का शक रमनदीप पर हो गया था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि सुखजीत का दोस्त मिट्ठू भी दुबई से भारत आया था। मिट्ठू गायब था। रमनदीप ने पुलिस को बताया कि मिट्ठू वापस दुबई चला गया है। सर्विलांस की मदद से जानकारी मिली कि घटना की रात मिट्ठू बंडा थाना क्षेत्र के बसंतापुर में ही था। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली पुलिस की मदद लेकर मिट्ठू को दुबई जाने का प्रयास करते समय एयरपोर्ट से गिरफ्तार करा लिया था। मिट्ठू के गिरफ्तार होते ही सुखजीत की हत्या की राज खुल गया। मिट्ठू ने बताया कि वह और सुखजीत की पत्नी रमनदीप कौर एक दूसरे से प्यार करते हैं और दोनों ने मिलकर सुखजीत को रास्ते से हटाया है। इसके बाद दोनों को जेल भेज दिया गया था।

एक साथ पढ़े थे मिट्ठू और सुखजीत

मिट्ठू कपूरथला (पंजाब) जिले की तहसील सुल्तानपुर लोधी के गांव जैनपुर का रहने वाला है। सुखजीत और मिट्ठू जालंधर के स्कूल में साथ पढ़े थे। दोनों गहरे दोस्त थे। सुखजीत सिंह की मां वंश कौर ने सुखजीत को बहन कुलविंदर कौर के पास इंग्लैंड के डर्बीशायर भेज दिया था। सुखजीत वहां टैंकर चलाने लगा। इस दौरान उसका रमनदीप कौर से प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। रमनदीप के परिजन शादी के खिलाफ थे, लेकिन रमनदीप ने सुखजीत से शादी कर ली। शादी के बाद दोनों एक वर्ष तक बसंतापुर आकर रहे और बाद में फिर से इंग्लैंड चले गए।

उधर, मिट्ठू दुबई जाकर काम करने लगा। मिट्ठू की शादी नहीं हुई थी। मिट्ठू और सुखजीत के बीच बातचीत के दौरान रमदीन कौर की भी मिट्ठू से मोबाइल पर बात होने लगी और सोशल साइट्स पर चैटिंग होने लगी। इसके बाद मिट्ठू जब भी इंग्लैंड जाता या सुखजीत दुबई जाता तो दोनों एक-दूसरे के यहां ही रुकते थे। इसी बीच मिट्ठू और रमनदीप कौर में करीबी हो गई। दुबई में ही सुखजीत की हत्या का प्लान तैयार किया गया था। योजना के तहत जुलाई के पहले सप्ताह में रमनदीप कौर पति के साथ मिट्ठू के पास दुबई पहुंची। वहां वह लोग 15 दिन तक रहे। 28 जुलाई को सुखजीत और रमनदीप कौर बच्चों के साथ बसंतापुर आए थे। मिट्ठू भी साथ आया था। इसके बाद सभी लोग देश के विभिन्न जगहों पर घूमते रहे। 15 अगस्त को सभी लोग बसंतापुर पहुंचे थे। 31 अगस्त को मिट्ठू दुबई जाने की बात कहकर चला गया था। सुखजीत और रमनदीप कौर उसे अमृतसर एयरपोर्ट तक छोड़ने भी गए थे। वापसी में रमनदीप ने सुखजीत पर धारदार हथियार से हमला कर मारने का प्रयास किया लेकिन सफल न होने पर मिट्ठू को सूचना दी। सुखजीत ने बदनामी के डर से शीशे से चोट लगने की बात कहते हुए इलाज कराया था। बाद में मिट्ठू दुबई न जाकर वापस आ गया और रमनदीप ने एक सितंबर 2016 की शाम परिजनों और कुत्तों को नशे की गोलियां दे दी। रात में सुखजीत की हत्या कर दी गई थी।

जहां का कानून माना लचर, वहीं हुई सजा

रमनदीप कौर और मिट्ठू से पुलिस ने यह पूछा था कि सुखजीत की हत्या दुबई या इंग्लैंड में क्यों नहीं की ? इस पर उनका जवाब था कि उनकी समझ में भारत में कानून लचर था। हत्या के बाद मिट्ठू दुबई और रमनदीप इंग्लैंड चली जाती और कानून के शिकंजे से बच जाते। लेकिन भारत आकर पुलिस और कानून व्यवस्था पर उनकी सोच गलत साबित हुई और दोनों को न सिर्फ अगले ही दिन पकड़ लिया गया, बल्कि कानून पर उनका अंदाजा गलत साबित करते हुए पुलिस, सरकारी वकील ने मिलकर सबूत और तर्क कोर्ट में रखे, जिससे दोनों को दोषी करार दिया गया।

स्वास्थ्य महकमे के रडार पर 2700 डॉक्टर, छिन सकती है नौकरी, जारी हुआ अंतिम नोटिस

बरेली। डिप्टी सीएम उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 2,700 से ज्यादा ऐसे चिकित्सक चिह्नित हुए हैं, जो काफी समय से गैरहाजिर हैं। इन्हें अंतिम नोटिस जारी हुआ है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर ऐसे डॉक्टरों पर कार्रवाई की जाएगी। जेडी हेल्थ डॉ. एके चौधरी के मुताबिक बरेली मंडल से भी 15 ऐसे डॉक्टर चिह्नित हुए हैं, जो तैनाती के कुछ दिन बाद से ही लगातार गैरहाजिर चल रहे हैं। इन सभी डॉक्टरों की सूची शासन को पूर्व में भेजी जा चुकी है। सभी को नोटिस भी भेजा गया है पर अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। फिर से रिमाइंडर भेजने पर भी जवाब नहीं मिलेगा तो उनके खिलाफ शासन से कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।

बरेली मंडल में बढ़ रहे डेंगू-मलेरिया के मामलों पर चिंता जताते हुए डिप्टी सीएम ने स्वास्थ्य विभाग को इसकी रोकथाम के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रैक, टेस्ट और ट्रीटमेंट के फार्मूले पर मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए कहा। बदायूं में डेंगू के सर्वाधिक 251, बरेली में 185, पीलीभीत में 109 और शाहजहांपुर में 98 केस होने की जानकारी दी गई। बदायूं और बरेली के सीएमओ को रोकथाम संबंधी गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। मलेरिया में बरेली में सर्वाधिक 3,158, शाहजहांपुर में 495, पीलीभीत में 492 और बदायूं में 22 केस की रिपोर्ट मिली। डिप्टी सीएम ने बरेली में मलेरिया के रिकॉर्ड केस मिलने पर चिंता जताते हुए प्रभावित इलाकों में नियमानुसार कार्रवाई व जागरूकता के निर्देश दिए। लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

तय समय पर ओपीडी में बैठें डॉक्टर

डिप्टी सीएम ने मेडिकल कॉलेज के सभागार में बैठक के दौरान वायरल बुखार, सर्जरी, संस्थागत प्रसव, ओपीडी, स्टाफ की उपलब्धता आदि बिंदुओं पर समीक्षा की। चिकित्सकों को निर्धारित समय पर ओपीडी में पहुंचकर मरीजों को देखने और अधिकारियों को औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने 300 बेड अस्पताल को पूरी क्षमता से संचालित करने के लिए मानव संसाधन मुहैया कराने के लिए कहा। उप मुख्यमंत्री ने इसके लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। साथ ही, जहां चिकित्सकों की कमी है, वहां वॉक इन इंटरव्यू के जरिये भर्ती करने के लिए कहा। स्वास्थ्य उपकेंद्र संचालित करने, रोगी कल्याण निधि का उपयोग करने, एंबुलेंस रिस्पॉन्स टाइम में सुधार लाने के निर्देश दिए।

स्वच्छता पर आयोजित हुआ विधिक साक्षरता शिविर

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दो अक्टूबर से चलाये जा रहे स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को नितिन श्रीवास्तव अपर जिला जज एफटीसी की अध्यक्षता में फखरूद्दीन अली अहमद राजकीय इंटर कालेज में स्वच्छता पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण तथा सरस्वती वंदना से हुआ। मुख्य अतिथि अपर जिला जज नितिन श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि विद्यार्थी के लिए ज्ञानार्जन का यह महत्वपूर्ण समय है, विद्यालय वह पवित्र स्थान है जहां भविष्य की नींव रखी जाती जिसमें शिक्षक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं ऐसे में विद्यार्थियों को मेहनत और समर्पण भाव से विद्या का अर्जन करना चाहिए और अपने अभिरूचि को पहचान कर अपने कैरियर का क्षेत्र चुनना चाहिये साथ ही साथ अपने विद्यालय को अपना मान कर इसकी स्वच्छता और सफाई को बनाये रखें साथ ही अपना लक्ष्य ऐसा चुनें जिसमें स्वयं के साथ-साथ समाज का भी भला हो।

इस विधिक साक्षरता शिविर में सभी छात्र छात्राओं को शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत शिक्षा, गुणवत्तापरक शिक्षा, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम-2009, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार नियमावली-2010, राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भारतीय संविधान में शिक्षा संबंधी प्रावधान जैसे अनुच्छेद 21, 41, 45, 51, आदि के बारे में बिन्दुवार विस्तारपूर्वक जानकारियां प्रदान की गयीं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य शैलेश कुमार पटेल, सहायक अध्यापक राज वर्धन श्रीवास्तव, ऋषि कुमार शुक्ला, विनय कुमार शुक्ला, अभिजीत कुमार सिंह, रमेश कुमार शुक्ला, श्रीमन्नारायण दूबे, श्री गंगा प्रसाद द्विवेदी, महेश यादव पीटीए व सभी छात्र छात्राएं मौजूद रहीं।

तीनों विकास खण्डों में कृषि मेले का आयोजन संपन्न

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर। संकल्प सप्ताह- सबकी आकांक्षाएं सबका विकास अन्तर्गत मुख्य परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स के उन्नयन हेतु किए जा रहे प्रयासों को एक सुनिश्चित दिशा देने हेतु नीति आयोग के निर्देश के क्रम में जनपद के तीनों आकांक्षात्मक विकास खण्ड-भियाँव टांडा एवं भीटी में कृषि विभाग द्वारा कृषि महोत्सव/कृषि मेला/कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन। भीटी विकासखंड में कार्यक्रम मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की अध्यक्षता में टांडा विकासखंड में कार्यक्रम अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता की अध्यक्षता में एवं भियाँव विकासखंड में कार्यक्रम परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। भियांव विकासखंड में जिला कृषि अधिकारी पीयूष राय टांडा में उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी श्रीमती अपर्णा सिंह एवं भीटी में अपर जिला कृषि अधिकारी रोहित साहू की उपस्थिति रही। मिलेट्स की खेती का प्रदर्शन एवं मिलेट्स के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी फायदे के प्रति जागरूक करने हेतु स्थानीय कृषकों के सहयोग से मिलेट्स जागरूकता रोड शो भी तीनों विकास खंडो में निकाला गया खाद्य उत्सव-किसान बाजार खेत से मेज़ तक अन्तर्गत मिलेट्स नास्ता परोसा गया। रागी का समोसा मिलेट्स के बने लड्डू कुकीज और नमकीन सम्मिलित किया गया। मेले में किसानों को नवीन कृषि तकनीक के विषय में जानकारी प्रदान की गई। विभिन्न विभागों के द्वारा स्टार लगाया गया तथा मिलेट्स की प्रदर्शनी कराई गई। कृषि तथा संबद्ध विभागों के योजनाओं और कृषकों को देय अनुदान के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया गया कार्यक्रमों में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक गण भी उपस्थित थे जिन्होंने किसानों को समसामयिक शासक क्रियो के संबंध में और अपने फसलों में अच्छा उत्पादन लेने के लिए अपनाई जाने वाली विधियों के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया।

आकांक्षात्मक विकास खंण्डो की प्रगति के मापन हेतु निर्धारित परफॉर्मेंस इंडिकेटर पर अपेक्षित परिणाम पाने की दिशा में किए जाने वाले कार्यों की रणनीति भी किसानों के साथ तय की गई। भियाँव में किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम किशोर राजभर उपस्थित थे उनके द्वारा अपने सम्बोधन मे किसान भाइयों से आवाहन किया गया की मिलेट्स की खेती जरूर करें एवं जैविक विधि से खेती को अपनाएं कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसानों ने संकल्प लिया कि सबके सामूहिक प्रयास से पर्यावरण अनुकूल पद्धतियों के प्रयोग से एवं जैविक संसाधनों का आधिकारिक उपयोग कर फसलों के उत्पादन, उत्पादकता एवं अन्य इंडिकेटर मे वांछित परिणाम प्राप्त करने हेतु उनके द्वारा विभागों का पूर्ण सहयोग किया जायेगा।

महंत गिरीशपति त्रिपाठी मेयर अयोध्या द्वारा सामुदायिक सहभागिता के अन्तर्गत सामग्री का किया वितरण

त्रिगुट संवाददाता

अयोध्या। कंपोज़िट विद्यालय दर्शन नगर द्वितीय, पूरा अयोध्या में महंत गिरीशपति त्रिपाठी जी ने जी0वी0टी0सी0स्मार्ट क्लास का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में स्मार्ट क्लास का चलन बढ़ रहा है शिक्षा का तौर तरीका बदला है स्मार्ट टी0वी0 के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में छात्र, छात्राओं को पढ़ाई में निपुण बनाया जा रहा है तथा तरह-तरह के नवाचार का प्रयोग करके विद्यालय के वातावण का माहौल अच्छा बनाकर छात्रों की संख्या में बढोत्तरी करके जनपद अयोध्या को निपुण जैसी महत्वपूर्ण योजना को जल्द पूरा करने का एक सफल प्रयास है। विद्यालय में कार्यरत कुमुद दूबे सहायक अध्यापिका के अनुकरणीय नेतृत्व एवं कर्तव्यनिष्ठा से विद्यालय के शैक्षिक एवं भौतिक परिवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जिसके फलस्वरूप छात्र नामांकन, ठहराव तथा संप्राप्ति में सतत वृद्धि हुई है। जिससे प्रभावित होकर महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कक्षा एक के छात्रों हेतु 20 कुर्सी व 10 मेज तथा एक झूला विद्यालय को प्रदान किया तथा कुमुद दूबे सहायक अध्यापिका की अप्रतिम दक्षता की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा उन्होंने इसी तरह से भविष्य में भी लगन व निष्ठा से कार्य करते रहने को कहा जिससे शैक्षिक गुणवत्ता में और वृद्धि हो सके।

शिक्षा के क्षेत्र में उनके इस प्रयास की सभी ने प्रशंसा की। कुर्सी, मेज़ पा कर बच्चों के चेहरे खिलखिला उठे और मेयर के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिमागी बुखार एवं संचारी रोग से बचाव हेतु जन जागरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया (गोंडा)। महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर गोंडा में दिमाग की बुखार एवं संचारी रोग लक्षण एवं बचाव हेतु विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अजीत सिंह की अध्यक्षता में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी बेलसर ध्रुव कुमार जायसवाल रहे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खंड शिक्षाअधिकारी ध्रुव कुमार जायसवाल ने कहा कि दिमागी बुखार एवं अनुसंचारी रोगों जैसे जल जनित रोगों से बचाव रोकथाम एवं उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया और कहा कि हम अपने आस पड़ोस की सफाई रखकर इन रोगों से बच सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि संक्रमित व्यक्ति को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर उपचार करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह ने कहा कि कहा कि संचारी रोग से रोकथाम हेतु हमें स्वच्छ आदतें अपने जीवन में अपनाना होगा। इसके लिए आप सभी को नियमित हाथ धोना, आसपास की सफाई पर विशेष बल देना होगा। घर के आंगन-बगल गंदा पानी न इकट्ठा हो इस बात का ध्यान रखना होगा।

संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचना होगा। इस अवसर पर दिमागी बुखार एवं संचारी रोगों तथा जल जनित रोगों से बचाव एवं रोकथाम तथा उपचार के संबंध में पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें अनुराधा पांडे ने प्रथम स्थान जबकि रमेश यादव द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक चंद्रशेखर, अशोक कुमार, सुजीत कुमार श्रीवास्तव, उमेश चंद गुप्ता लक्ष्मी नारायण मिश्रा मोहम्मद यूनुस आदि के साथ-साथ समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

आगामी शारदीय नवरात्रि मेले के तैयारियों के दृष्टिगत अधिकारियों द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा

अमरेन्द्र त्रिपाठी

बलरामपुर। राजकीय मेले को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों/कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक निभाएं। मेले में साफ-सफाई, फागिंग, सुरक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य, पेयजल, पार्किंग व्यवस्था व आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु यातायात व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश अपर जिलाधिकारी न्यायिक द्वारा दी गयी।

जिलाधिकारी महोदय के निर्देशानुसार शारदीय नवरात्रि मेले की तैयारियों की समीक्षा बैठक तहसील तुलसीपुर सभागार में अपर जिलाधिकारी न्यायिक डा0 अभिनाश त्रिपाठी द्वारा की गयी। बैठक को सम्बोधित करते हुये अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने कहा कि शारदीय नवरात्रि मेले को सफल बनाना, श्रद्धालुओं को सभी प्रकार की व्यवस्था उपलब्ध कराना हम सभी का सामूहिक जिम्मेदारी है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त टिकट घर बनाया जाए व स्टेशन पर साफ-सफाई कराये जाने के निर्देश स्टेशन मास्टर को दिये गये। उन्होंने मन्दिर के सभी संपर्क मार्गों का निरीक्षण किए जाने एवं आवश्यकता अनुसार मरम्मत एवं पैचवर्क किए जाने का निर्देश अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी को दिया। मेले के दौरान मन्दिर परिसर में साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सफाईकर्मी प्रापर ड्रेस पहने यह भी सुनिश्चित कराया जाए। मन्दिर परिसर में प्रतिदिन फागिंग कराया जाए। मन्दिर परिसर में विद्युत आपूर्ति 24 घण्टे करने का निर्देश अधिशासी अभियन्ता विद्युत को दिया गया। इसके अतिरिक्त चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, पेयजल आदि सभी तैयारियों की समीक्षा की गयी तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आगाह करते हुये निर्देशित किया गया कि समय रहते समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार ने कहा कि मेले के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जायेंगे तथा अतिरिक्त पुलिस व महिला कांस्टेबल की तैनाती की गयी है। मेले में सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त संख्या में सी0सी0टी0वी0 कैमरा लगाए जायेंगें तथा असामाजिक तत्वों पर पैनी नज़र रखी जायेगी।

इस दौरान एसडीएम तुलसीपुर अभय कुमार सिंह, सीओ राघवेन्द्र सिंह, तहसीलदार प्रमेश कुमार, अपर सीएमओ, डीपीआरओ श्रेया उपाध्याय, जिला कृषि अधिकारी आरपी राना, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी, विद्युत, जल निगम, नलकूप जय प्रकाश ओझा, ईओ व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण में प्रदेश में मिला प्रथम स्थान

अंबेडकरनगर, अजीत कुमार सिन्हा, पुलिस अधीक्षक अंबेडकरनगर के निर्देशन में उत्तर प्रदेश सरकार के आइजीआरएस पोर्टल पर माह सितम्बर में प्राप्त जनमानस की शिकायतों को नियत समय में गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के लिए जनपद अंबेडकरनगर प्रदेश में अव्वल रहकर कुल 115 अंक में से 115 अंक प्राप्त किया ।समय-समय पर उच्च अधिकारियों व प्रभारी आईजीआरएस शिवांगी त्रिपाठी द्वारा समीक्षा कर आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में आ रही कमियों को दूर किया गया तथा आईजीआरएस सेल व सर्किल व थानों में नियुक्त कर्मियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। शासन के मंशानुरूप अधिक लगन व मेहनत से शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण किया गया तथा अंबेडकरनगर पुलिस आगे भी प्रत्येक क्षेत्र में इसी तरह से निरंतर कार्य करती रहेगी ।जनपद के थाने को0 अकबरपुर, थाना बेवाना, थाना बसखारी, थाना सम्मनपुर, थाना टांडा, थाना हंसवर, थाना इब्राहिमपुर, थाना कटका, थाना जलालपुर, थाना मालीपुर, थाना जैतपुर, थाना आलापुर, थाना जहांगीरगंज, थाना राजेसुल्तानपुर, थाना भीटी, थाना अहिरौली, थाना महरुआ, थाना अलीगंज ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के थानों की रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किए हैं ।

श्रम बंधु के साथ जिलाधिकारी की बैठक संपन्न, अफसरों को दिए निर्देश

(सत्य प्रकाश पांडे)

अंबेडकर नगर, जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला श्रम बंधु की बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान सहायक आयुक्त श्रम द्वारा अवगत कराया गया कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में श्रमिक पंजीयन व नवीनीकरण व्यवस्था पूर्णतः ऑटोमेटेड है। निर्माण श्रमिक जन सुविधा केन्द्रों के माध्यम से वेबसाइट www.upbocw.in ÂÚU पंजीकरण किया जा सकता www.upbocw.in मोबाइल एप के द्वारा भी श्रमिक पंजीकरण / नवीनीकरण कराया जा सकता है। निर्माण श्रमिक जन सुविधा केन्द्रों से अपना पंजीकरण रू0 20/- शुल्क व नवीनीकरण रू0 20/- प्रतिवर्ष के साथ अधिकतम 03 वर्षों के लिए करा सकते हैं ।मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के अन्तर्गत पंजीकृत पुरूष श्रमिकों को पंजीकरण के उपरान्त उनकी पत्नी के प्रथम 2 प्रसवों के लिए रू0 6000 /- मात्र पौष्टिक आहार के लिए एक मुश्त दी जाती है ।यदि लाभार्थी महिला श्रमिक है तो मातृत्व हितलाभ के रूप में संस्थागत प्रसव सत्यापित हो जाने के उपरान्त निर्धारित न्यूनतम वेतन की दर से तीन माह के वेतन के समतुल्य धनराशि देय होगी। महिला निर्माण श्रमिक को रू0 1000 / - अतिरिक्त चिकित्सा बोनस के रूप में दिया जायेगा ।शिशु लड़का होने की स्थिति में धनराशि रू0 20,000/- प्रतिशिशु की दर से देय होगा, किन्तु यदि शिशु लडकी है तो उक्त धनराशि रू0 25,000/- वर्ष में एक बार एक मुश्त में प्रतिशिशु की दर से देय होगी।

01 वर्ष पुराना पंजीकृत निर्माण श्रमिक को योजना के अन्तर्गत अनुदान के रूप में रू0 55,000/- की धनराशि देय होगी। (केवल दो पुत्री तक अनुमन्य है) तथा अन्तर्जातीय विवाह हेतु 61,000/- की धनराशि आर्थिक सहायता के रूप में प्रदान की जायेगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि श्रमिको को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। श्रमिकों को अनावश्यक परेशान न किया जाए। साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया गया कि श्रमिकों के लाभ हेतु चल रही योजनाओं का प्रचार प्रसार कराया जाए।

बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता, जिला विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी, व्यापार संघ, उद्योग संघ, श्रमिक संघ के लोग मौके पर उपस्थित रहे।

महात्मा महेंद्र सिंह टिकैत जी की धूमधाम से 88 वीं मनाई गई जयंती

त्रिगुट संवाददाता

अलावल देवरिया गोंडा। शुक्रवार को किसान मसीहा एवं भारतीय किसान यूनियन के जनक महात्मा महेंद्र सिंह टिकैत जी की 88 वी जयंती और दीवान चंद्र चौधरी की पुण्यतिथि भारतीय किसान यूनियन के प्राधिकारियों ने जिला अस्पताल गोंडा में फल वितरण किया। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिलाध्यक्ष वंशराज वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को महात्मा महेंद्र सिंह टिकैत जज की 88 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई और दीवान चंद्र चौधरी के पुण्यतिथि पर जिला अस्पताल गोंडा में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों ने फल वितरण किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष वंशराज वर्मा, मंडल सचिव सदानंद दूबे, प्रदेश सचिव किसान बिहारी बर्मा, जिला संगठन मंत्री हरिभान यादव, जिला सचिव राज दत्त वर्मा, तहसील अध्यक्ष सदर गोंडा गुड्डू यादव, तहसील उपाध्यक्ष दीनानाथ वर्मा, अर्जक संघ जिला अध्यक्ष राम प्रसाद वर्मा, बछराज वर्मा, रघुनाथ पटेल ,दीप नारायण तिवारी, विक्रम वर्मा, काशीराम वर्मा, मनोज उपाध्याय, कात्यानी तिवारी, जसराज सिंह, विनोद वर्मा, स्वामीनाथ वर्मा सहित सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

वांछित अभियुक्त को टाण्डा पुलिस ने किया गया गिरफ्तार

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर ,पुलिस अधीक्षक जनपद अम्बेडकरनगर के दिशा-निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुध्द प्रभावी अंकुश लगाए जाने के अभियान के क्रम में जनपद अम्बेडकरनगर थाना हंसवर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-108/23 धारा-307/34 भादवि व 3/25 आर्म्स एक्ट,जिसकी विवेचनात्मक कार्यावाही थाना को0टाण्डा द्वारा की जा रही थी, से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सलमान खान पुत्र खुर्शीद अहमद नि0 हरसम्हार थाना हंसवर जनपद अम्बेडकरनगर उम्र करीब 28 वर्ष को थाना को0 टाण्डा पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर फूलवरिया तिराहा हाइवे सड़क से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। । विवरण नाम-पता गिरफ्तार अभियुक्त- अभियुक्त सलमान खान पुत्र खुर्शीद अहमद उम्र करीब 28 वर्ष नि0 हरसम्हार थाना हंसवर जनपद अम्बेडकरनगर । विवरण आपराधिक इतिहास- मु0अ0स0- 108/23 धारा 307/34 द्वक्क्ष्व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना हंसवर जनपद अम्बेडकरनगर ।

जिलाधिकारी ने कृषि भवन और खंड विकास अधिकारी कार्यालय का किया निरीक्षण, गंदगी देख भड़के

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर । जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा कृषि भवन तथा खंड विकास अधिकारी कार्यालय अकबरपुर अंबेडकर नगर का औचक निरीक्षण किया गया ।जिलाधिकारी महोदय द्वारा कृषि भवन के जिला कृषि अधिकारी कार्यालय, उप कृषि निदेशक कार्यालय, कृषि रक्षा अधिकारी कार्यालय, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, पीएम हेल्प डेस्क, परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया। मौके पर सभी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने मृदा प्रयोगशाला में ए ए एस मशीन खराब पाई गई ।जिसे तत्काल ठीक करने के निर्देश दिए गए ।जिलाधिकारी द्वारा उप कृषि निदेशक तथा जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कार्यालय के नियमित साफ सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए तथा कहीं पर मरम्मत की आवश्यकता है तो उसे भी तत्काल मरम्मत कराया जाए। किसानों को बैठने की व्यवस्था, पीने के लिए पानी की व्यवस्था कार्यालय में उपलब्ध होना चाहिए। कार्यालय में जो भी किसान/ जनमानस आए उनसे अच्छा व्यवहार किया जाए। किसानों/जन मानस को अनावश्यक परेशान न किया जाए ।अन्यथा की दशा में कड़ी से कड़ी कार्यवाही तय की जाएगी। इस दौरान मौके पर उप कृषि निदेशक अश्वनी कुमार सिंह तथा जिला कृषि अधिकारी पीयूष राय उपस्थित रहे।

इसके उपरांत खंड विकास अधिकारी कार्यालय अकबरपुर का भी निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया। मौके पर सहायक विकास अधिकारी राजेंद्र प्रसाद वर्मा अनुपस्थित पाए गए। ब्लॉक परिसर में ही स्थित आजीविका मिशन कार्यालय का भी जायजा लिया गया। वहां पर उन्होंने मुर्गी पालन, बकरी पालन, मछली पालन, भैंस पालन तथा समूह द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में पूछताछ किया गया ।उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि पोल्ट्री फार्म के लिए चुजे बाटे जाय। आजीविका मिशन कार्यालय में साफ सफाई व्यवस्था ठीक नहीं पाई गई ।जिस पर नाराज जिलाधिकारी ने उपस्थित कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इसे तत्काल साफ सफाई कराया जाए।

निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की विभिन्न गतिविधियों का संशोधित कार्यक्रम किया गया निर्धारित

बलरामपुर। अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की विभिन्न गतिविधियों का संशोधित कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 27 अक्टूबर, 2023 को किया जायेगा। दावे एवं आपत्तियां 27 अक्टूबर से 09 दिसम्बर, 2023 तक प्राप्त की जायेगी। विशेष अभियान 04 नवम्बर, 05 नवम्बर, 25 नवम्बर, 26 नवम्बर, 02 दिसम्बर व 03 दिसम्बर, 2023 तक चलाया जायेगा। दावें एवं आपत्तियों का निस्तारण 26 दिसम्बर, 2023 तक किया जायेगा। निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 05 जनवरी, 2023 को किया जायेगा।

जांच संबंधी कार्य 15 अक्टूबर तक पूरा करें- जिलाधिकारी

अंबेडकर नगर ।शासनादेश संख्या-65/2023/1146 / 12-5-2023 / सा0-01 / 2019 कृषि अनुभाग-5 दिनांक 29 सितम्बर 2023 द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का प्रदेश में समस्त पात्र कृषकों को योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से 15वीं किस्त निर्गत करने से पूर्व सभी पात्र कृषकों के भूलेख अंकन एवं बैक खाते की आधार सीडिंग के साथ-साथ ई-के0वाई0सी0 कराये जाने हेतु विस्तृत निर्देश प्रेषित किये गये है। भारत सरकार द्वारा अपेक्षा की गई है कि लैण्ड सीडिंग से आच्छदित पात्र कृषकों के ई-के0वाई0सी0 एवं उनके बैंक खाते का आधार सीडिंग का कार्य 15 अक्टूबर 2023 तक पूर्ण कर लिया जाए, जिससे अधिक से अधिक कृषकों को योजना से लाभान्वित किया जा सके। उक्त के अलोक में 15 अक्टूबर 2023 तक आधार सीडिंग एवं ई-के0वाई0सी0 कराने के लिये सघन अभियान जनपद में चलाया जायेगा।

दवा विक्रेता कमियों को 3 दिन के अंदर पूरा करें-औषधि निरीक्षक

अंबेडकर नगर ।औषधि निरीक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह द्वारा रईस मेडिकल एजेंसी रामगढ़ रोड जलालपुर अम्बेडकरनगर के औषधि भंडारण का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान औषधियों के रख रखाव को देखा गया मौके पर औषधियों के क्रय विक्रय अभिलेखों की भी जांच की गई, जांच के दौरान उक्त मेडिकल स्टोर से 03 संदिग्ध औषधियों के नमूने भी संकलित किए गए तथा जांच के दौरान कुछ कमियां पाई गई जिसको 03 दिनों के अंदर ठीक करने का निर्देश दिया गया। यह भी निर्देशित किया गया कि किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को नारकोटिक्स युक्त औषधियों का विक्रय न करें तथा कैमरे की जांच की गई मौके पर कैमरा कार्यरत पाया गया

जिलाधिकारी ने पंचायत भवन में बने पुस्तकालय का फीता काटकर किया उद्घाटन

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर । भारत सरकार के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश के सभी आकांक्षी ब्लॉकों में संकल्प सप्ताह 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। आज कार्यक्रम के तीसरे दिन 5 अक्टूबर 2023 को आकांक्षी विकासखंड भीटी अंतर्गत पंचायत भवन अढ़नपुर में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में संकल्प सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पंचायत भवन में बने पुस्तकालय का फीता काटकर तथा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उद्घाटन किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा 10 पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित तथा सभी बच्चों को पुरस्कार के रूप में धनराशि एवं चॉकलेट वितरित किया गया।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी को स्वच्छ भारत शपथ दिलाया गया- महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था इसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी ।

> महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर भारत माता को आजाद कराया।

> अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करे ।

*मैं शपथ लेता / लेती हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा/रहूंगी और उसके लिए समय दूंगा / दूंगी।

* हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा/करूँगी।

*मैं न गंदगी करूंगा/करूँगी, न किसी और को करने दूंगा/दूंगी सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्य स्थल से शुरूआत करूंगा/करुँगी ।

> मैं यह मानता / मानती हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं, उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और ना ही होने देते हैं

> मैं आज जो शपथ ले रहा/रही हूं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा/करवाऊंगी कि वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा/करूँगी।

> इस विचार के साथ में गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा/करुंगी

> मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा ।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा शौचालय आवास बकरी पालन मुर्गी पालन तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में चर्चा किया गया। उन्होंने कहा कि जिन पात्र लाभार्थियों का आवास तथा शौचालय अभी तक नहीं बना है वह लाभार्थी एप्लीकेशन के माध्यम से अवगत कराए जिससे उनके आवास जल्द से जल्द बनवाया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी समूह की दीदी लखपति दीदी बने ।उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि बेटीया और महिलाओं के साथ किसी प्रकार की छेड़खानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गांव में पढ़े-लिखे बेटियां ,महिलाएं तथा युवा को सिलाई ,कढ़ाई आदि का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। जिससे बेरोजगार लोग रोजगार हो सके। उन्होंने कहा कि खेल कूद के लिए हर ब्लॉक में एक-एक स्टेडियम बनाया जाए। जिलाधिकारी महोदय ने ग्राम अढनपुर में बारात घर और सिलाई सेन्टर निर्माण की घोषणा की। अंत में जिलाधिकारी महोदय द्वारा झाड़ू लगाकर स्वच्छता रैली भी निकाली गई। इस दौरान मौके पर उप जिलाधिकारी भीटी, जिला विकास अधिकारी , डीपीआरओ, खंड विकास अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

गांव की समस्या गांव में समाधान का आयोजन ग्राम पंचायम बर्डपुर में सम्पन्न

त्रिगुट संवाददाता

सिद्धार्थनगर ।जिलाधिकारी श्री पवन अग्रवाल की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी श्री जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में तहसील नौगढ़ विकास खण्ड बर्डपुर के अन्तर्गत ग्राम चौपाल गांव की समस्या गांव में समाधान का आयोजन ग्राम पंचायम बर्डपुर नं0-10 में सम्पन्न हुआ।

चौपाल कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्री पवन अग्रवाल द्वारा ग्राम चौपाल- गाव की समस्या गांव में समाधान कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओ के बारं में जानकारी प्राप्त की गयी। विद्युत व्यवस्था पर ग्रामीणों ने बताया कि 14 घंटे का हैं। जेई ने बताया 17 से 18 घंटे मिलती हैं। फाल्ट सही करवाए प्रतिदिन समस्या नही होनी चाहिए। रोस्टर के अनुसार विद्युत सप्लाई जारी करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि रिबेम योजना के अन्तर्गत जर्जर तार बदलने का काम दीपवली तक पूर्ण किया जाना चाहिए। प्राथमिक विद्यालय के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। छह विद्यालय हैं। कुल 772 बच्चे हैं 576 डीबीटी के तहत लाभान्वित हैं। कापी किताब मिली हैं। सिडको कार्य करवा रही हैं। छत के ढलाई की शिकायत हैं। सिडको से जबाब मांगा गया हैं। प्रधानमंत्री आवास के बारे में जिलाधिकारी द्वारा लोगो से वार्ता की गयी। सामुदायिक शौचालय का निर्माण हुआ है प्रतिमाह छह हजार मिलता हैं। पंचायत सहायक से जिलाधिकारी द्वारा मानदेय के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। राज्य वित्त से तीन कार्य हुए हैं। मनरेगा से 1394 जाबकार्ड 988 सक्रिय हैं। 190067 का लक्ष्य है 10 हजार का पर्ण कर लिया है। रोजगार सेवक राम औतार विश्वकर्मा से वार्ता किया। श्रम विभाग में पंजीयन नही होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सबका पंजीकरण कराना अनिवार्य हैं। पात्र ग्रहस्थ के तहत सभी का आयुष्मान कार्ड बनना चाहिए।

216 लाभार्थियों को वृद्धा पेंशन मिल रहा हैं। एडीओ समाज कल्याण से पूछताछ की गयी तथा निर्देश दिया गया कि सभी का पेंशन 15 दिन में बन जाना चाहिए। 132 दिव्यांग लाभार्थियों को पेंशन मिलता हैं। एनआरएलएम 285 परिवार अक्षदित हैं। 58 समूह को सहयोग दिया गया हैं।

RNI No. 46071/85

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स–05262–230683
मो0– 09415120085
लखनऊ कार्यालय–
फोन– 0522–4028445
मो0– 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com